@Qpatrika · @qaumipatrika hindi · instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 17 मई 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 192 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

•नीदरलैंड में पीएम मोदीः प्रवासी भारतीयों से बोले -
'आपकी कहानी आस्था और संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी'

एजेंसी
हेग/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीदरलैंड की यात्रा पर हैं। उन्होंने 'द हेग' में भारतीय समुदाय की ओर से अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनकी देन का उल्लेख किया। अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए

•'यह सांस्कृतिक आस्था के बीच तमाम संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी है'

उन्होंने कहा, 'इतना प्यार और उत्साह... सच कहूं तो कुछ देर के लिए मैं भूल ही गया था कि मैं नीदरलैंड में हूं। ऐसे लग रहा है कि जैसे भारत में ही कहीं कोई फेस्टिवल चल रहा है।' भारतीय समुदाय के योगदान पर गौरवान्वित होते हुए कहा, 'आप नीदरलैंड के समाज और यहां

की इकोनॉमी में जो आपकी देन हैं उस पर हर भारतवासी को गर्व है। मैं आज इस अवसर पर नीदरलैंड की जनता और सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। मैं यहां की जनता को 140 करोड़ भारतवासियों की तरफ से अपनी शुभकामनाएं देता हूं।'

प्रधानमंत्री ने इस दौरान भारत की विश्व को देन और भारतीय संस्कृति का उल्लेख करते हुए आगे कहा, यहां बैठे अनेक परिवारों की कहानी प्रवासन की कहानी नहीं, यह सांस्कृतिक आस्था के बीच तमाम संघर्षों के बीच प्रगति की कहानी है। उस दौर में तब किसी ने सोचा नहीं था कि दो महासागर पार करने के बाद भी भारतीयों की पहचान इतनी जीवंत रहेगी। आपके पूर्वज बहुत कुछ पीछे छोड़ गए, लेकिन कुछ चीजें उनके साथ रहीं, अपनी मिट्टी की खशबू, त्योहार की संस्कृति, भजन की धुनें और पूर्वजों के संस्कार। समय के साथ अनेक संस्कृतियां मिट गईं लेकिन भार की विविध संस्कृति अपने लोगों के दिलों में धड़कता है। पीएम मोदी बोले, 'परिवेश बदल गए, लेकिन परिवार के संस्कार नहीं बदले, अपनापन नहीं बदला। आपने डच भाषा को अपनाया लेकिन पुरखों की भाषा को छोड़ा नहीं। हमारे कम्युनिटी रेडियो यहां बहुत लोकप्रिय हैं। इन स्टेशन के माध्यम से संस्कृति एवम् गाने लोकप्रिय हैं। आप हमारी संस्कृति भावी पीढ़ियों तक पहुंचा रहे हैं। ये सराहनीय है और आप अभिनंदन के अधिकारी हैं।'

भोजशाला पर फैसले में हुई एएसआई के पुराने रुख की अनदेखी

एआईएमपीएलबी सुप्रीम कोर्ट में देगा चुनौती

एजेंसी
नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने भोजशाला मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को मानने से इनकार किया है और इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही है। बोर्ड ने इस फैसले को ऐतिहासिक तथ्यों, सरकारी अभिलेखों, पुरातात्विक साक्ष्यों और स्वयं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के पूर्व रुख के खिलाफ बताते हुए खारिज कर दिया है। बोर्ड ने घोषणा की है कि कमाल मौला मस्जिद कमेटी इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी और बोर्ड इस कानूनी लड़ाई में उसका हरसंभव सहयोग करेगा। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला ऐतिहासिक साक्ष्यों, राजस्व अभिलेखों, औपनिवेशिक काल के सरकारी दस्तावेजों, गजेटियरों और सदियों पुराने मुस्लिम इबादती संबंधों की अनदेखी करते हुए दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह फैसला पूजा स्थलों की सुरक्षा से संबंधित कानून (पूजा स्थल अधिनियम, 1991) की भावना और संवैधानिक मूल्यों के भी प्रत्यक्ष रूप से विरुद्ध है। डॉ. इलियास ने कहा कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) का पूर्व रुख स्वयं इस स्थल की साझा धार्मिक प्रकृति को स्वीकार करता रहा है। कई दशकों तक एएसआई के आधिकारिक रिकॉर्ड और साइनबोर्ड्स में इस स्थान को भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद के नाम से दर्ज किया जाता रहा, जो इसके विवादित और साझा धार्मिक स्वरूप की सरकारी मान्यता थी। इसके अतिरिक्त वर्ष 2003 की प्रशासनिक

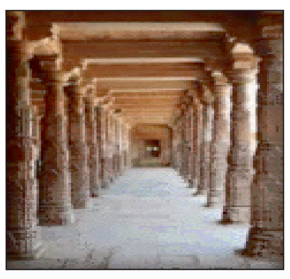

व्यवस्था के तहत हिंदुओं को मंगलवार के दिन पूजा, जबकि मुसलमानों को शुक्रवार की नमाज अदा करने की अनुमति थी। यह व्यवस्था स्वयं इस बात का स्पष्ट प्रमाण थी कि एएसआई दोनों समुदायों के ऐतिहासिक दावों और इबादत के अधिकारों को मान्यता देता था। इसके बावजूद हाईकोर्ट द्वारा इस व्यवस्था को समाप्त करना एएसआई के पूर्व रुख से विचलन है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम पक्ष ने अदालत के समक्ष स्पष्ट रूप से यह दलील दी थी कि ऐतिहासिक राजस्व अभिलेखों में इस इमारत को लगातार मस्जिद के रूप में दर्ज किया गया है, जबकि ऐसा कोई निर्विवाद ऐतिहासिक प्रमाण मौजूद नहीं है जो यह सिद्ध करे कि इसी स्थान पर राजा भोज के काल का सरस्वती मंदिर स्थित था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि अदालत ने इन प्रामाणिक ऐतिहासिक और सरकारी अभिलेखों को उचित महत्व नहीं दिया।

डीएम पर विवादित टिप्पणी में आजम खान को दो साल की सजा

एजेंसी
रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान को वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन जिलाधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में रामपुर की एमपी-एमएलए अदालत ने दोषी करार देते हुए दो साल के की सजा सुनाई है। विशेष मजिस्ट्रेट शोभित बंसल की अदालत ने शनिवार को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसला सुनाया। यह मामला 2019 के लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान रामपुर के भोट थाना क्षेत्र में आयोजित एक रोड शो से जुड़ा है। उस समय आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में थे। अभियोजन पक्ष के अनुसार, चुनाव प्रचार के दौरान दिए गए एक बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें आजम खान तत्कालीन जिलाधिकारी पर अभद्र टिप्पणी करते सुनाई दिए थे। वीडियो सामने आने के बाद चुनाव आयोग ने मामले का संज्ञान लिया था और राज्य निर्वाचन आयोग से रिपोर्ट मांगी गई थी। इसके बाद जिला प्रशासन के निर्देश पर तत्कालीन एसडीएम टांडा एवं चमरौआ विधानसभा क्षेत्र के सहायक निर्वाचन अधिकारी घनश्याम त्रिपाठी की ओर से भोट थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

आंधी-तूफान की तबाही और महंगाई की दोहरी मार, सरकार दे राहत : मायावती

'महंगाई पर तत्काल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की'

एजेंसी
लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में हाल में आए भीषण आंधी-तूफान से हुई तबाही और पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधा है। उन्होंने प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद देने और महंगाई पर तत्काल नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। बसपा मुखिया मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में ज़बरदस्त आंधी-तूफान से हुई जान-माल की भारी तबाही से प्रभावित लोगों / परिवारों की मदद के लिए राज्य सरकार को अपनी पूरी उदारता बरतते हुये हर प्रकार से उनके सहयोग के लिये आगे आना चाहिये ताकि वे लोग अपने उजड़े/बिखरे हुये पारिवारिक जीवन को समेट कर दोबारा से अपनी ज़िन्दगी शुरू कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही, ख़ासकर पेट्रोलियम पदार्थों आदि, इन आवश्यक वस्तुओं के मूल्य में अनवरत वृद्धि को जारी रखते हुये केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल व डीज़ल आदि की क़ीमत में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करोड़ों ग़रीबों व मेहनतकश परिवारों, खेती-किसानी आदि के साथ-साथ मिडिल क्लास के जीवन को भी बुरी तरह से प्रभावित करेगा, अर्थात् इस महंगाई का सीधा असर इन सबके परिवार के पालन-पोषण पर पड़ेगा। मायावती ने कहा कि सरकार को महंगाई व जीवन दुष्कर करने वाली इस प्रकार की नियमित वृद्धि को कम करने के लिए ज़रूरी सार्थक क़दम उठाने चाहिये, यही समय की मांग है।

इराक के नए पीएम बने अली फलीह कदीम अल-जैदी, पीएम मोदी ने दी बधाई

एजेंसी
नई दिल्ली/तेहरान। अली फलीह कदीम अल-जैदी इराक के नए प्रधानमंत्री चुने गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री ने इराक के नए पीएम को बधाई देते हुए दोनों देशों की साझा तरक्की और खुशहाली के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद जताई। इसके साथ ही अल-जैदी इराक के सबसे युवा प्रधानमंत्री बन गए हैं। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'अली फलीह कदीम अल-जैदी को इराक के प्रधानमंत्री का पद संभालने पर बहुत-बहुत बधाई। भारत इराक के साथ अपने पुराने और दोस्ताना रिश्तों को बहुत महत्व देता है और सभी क्षेत्रों में हमारे आपसी संबंधों को और मजबूत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। मैं उन्हें अपनी शुभकामनाएं देता हूं और हमारे दोनों देशों की साझा तरक्की और खुशहाली के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद करता हूं।' इराक के नए प्रधानमंत्री अली अल-जैदी ने सिर्फ एक अधूरे कैबिनेट के साथ शपथ ली है। सांसद इंटीरियर और डिफेंस समेत जरूरी पोस्टिंग पर आम सहमति नहीं बना पाए हैं; इसकी वजह से अधूरी कैबिनेट ने शपथ ली। सरकारी इराकी न्यूज एजेंसी (आईएनए) के मुताबिक, प्रधानमंत्री अल-जैदी समेत अन्य दूसरे मंत्रियों ने, गुरुवार को संवैधानिक पद की शपथ ली और फॉर्मल तौर पर अपनी जिम्मेदारी संभाली।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी पर हुई उच्च-स्तरीय बैठक

•भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की केंद्रीय कृषि मंत्री ने की विस्तृत समीक्षा

'इंटीग्रेटेड और सस्टेनेबल फार्मिंग को बढ़ावा देकर किसानों की आय भी बढ़ाएंगे और धरती माँ को भी बचाएंगे'

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की एक्सपेंडिचर फाइनेंस कमेटी (श्वस्न्ष्ट) से संबंधित एक उच्च स्तरीय बैठक केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज 12, सफदरजंग रोड स्थित उनके कैंप कार्यालय में आयोजित की गई।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आईसीएआर के महानिदेशक तथा डेयर सचिव डॉ एम एल जाट ने केंद्रीय कृषि मंत्री को देशभर में आईसीएआर के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की जानकारी विस्तार से

दी। उन्होंने भविष्य की कार्ययोजना से भी केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया तथा बताया कि भारतीय कृषि एवं किसान बहनों-भाइयों को अधिकतम लाभ पहुंचाने के लिए परिषद किस प्रकार कार्य कर रही है। बैठक में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कृषि देश की बड़ी आबादी की जीविका का प्रमुख साधन है और भारतीय अर्थव्यवस्था को एक मजबूत आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि हमारी सम्पूर्ण कोशिश और ऊर्जा इस दिशा में केंद्रित होनी चाहिए कि भारतीय कृषि को अधिक उत्पादक, कम लागत वाली तथा लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने इंटीग्रेटेड फार्मिंग के व्यापक प्रचार-प्रसार पर विशेष बल देते हुए कहा कि किसान बहन-भाइयों को इसे व्यावहारिक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा सतत कृषि (सस्टेनेबल फार्मिंग) को मजबूती मिलेगी। श्री चौहान ने कहा कि वैज्ञानिक कृषि आज समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत सहित विश्वभर में जलवायु परिवर्तन की समस्या अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगी है। इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्यों की कृषि-जलवायु (एग्रो-क्लाइमेटिक) परिस्थितियों के अनुरूप राज्यवार कृषि रोडमैप तैयार करने की दिशा में राज्यों की सहमति से तेजी से कार्य किया जाए।

ममता बोलीं- जो टीएमसी छोड़कर जाना चाहता है जाए

•पार्टी को फिर खड़ा करने की अपील

कहा- जरूरत पड़ी तो खुद दफ्तर पेंट करूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता में पार्टी कार्यकर्ताओं से

टीएमसी के संगठन को नए सिरे से खड़ा करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि हम पार्टी दफ्तरों को दोबारा खोलेंगे, उन्हें रंगेंगे और मजबूती से काम पर लौटेंगे। जरूरत पड़ी तो मैं खुद भी दफ्तरों को पेंट करने के लिए तैयार हूं। इसके बाद उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जाना चाहते हैं, वे पूरी तरह आजाद हैं और वे किसी को भी जबरदस्ती रोक कर रखने में यकीन नहीं रखतीं। बैठक के दौरान ममता के भतीजे और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे। बैठक में ममता ने कहा कि चुनाव के नतीजों में भले ही TMC को 80 सीटें मिली हों, लेकिन यह जनादेश की लूट है। इससे उनका हौसला नहीं टूटेगा।

182 करोड़ की 'जिहादी ड्रग' जब्त

शाह बोले- बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर जारी रहेगी सख्त कार्रवाई

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम देते हुए पहली बार 'जिहादी ड्रग' कहे जाने वाले 'कैप्टागन' की बड़ी खेप जब्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए बताया कि 'ऑपरेशन रेजपिल' के तहत एजेंसियों ने 182 करोड़ रुपए कीमत की 'कैप्टागन' ड्रग बरामद की है। इस कार्रवाई में एक विदेशी नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया है। अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार 'ड्रग-फ्री इंडिया' के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने इस कार्रवाई को भारत की 'जीरो टॉलरेंस' नीति का मजबूत उदाहरण बताया। अमित शाह ने कहा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी

हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और सतर्क योद्धा बताया। ऑपरेशन 'रेजपिल' को एनसीबी द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाया गया एक बड़ा अभियान माना जा रहा है, जिसका मकसद अवैध ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ना है। 'कैप्टागन' असल में फेनेथिलिन नामक एम्फेटामिन आधारित ड्रग का रूप है। मिडिल ईस्ट के युद्धग्रस्त इलाकों और आतंकी संगठनों के लड़ाकों के बीच इसके इस्तेमाल की वजह से इसे 'जिहादी ड्रग' कहा जाता है।

> •जानकारी के मुताबिक, इस ड्रग का सेवन करने के बाद इंसान को दर्द, डर या थकान का एहसास कम हो जाता है। यही वजह है कि इसे लड़ाई और हिंसक गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है।

भारत में सूखा-भीषण गर्मी पड़ने की आशंका

•सुपर अल नीनो मई-जुलाई में एक्टिव होने, सर्दी तक रहने की संभावना

इससे मानसून कमजोर पड़ सकता है

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत में इस साल सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बीच सुपर अल-नीनो भी एक्टिव हो सकता है। अमेरिकी मौसम एजेंसी 'नेशनल ओशेनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन' (नोआ) के अनुसार यह मई-जुलाई के दौरान ही दस्तक दे सकता है।

नोआ ने बताया कि प्रशांत महासागर का तापमान इस बार मई में सामान्य से 0.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यह गर्मी की स्थिति इस बार पूरे मानसून सीजन के दौरान बनी रह सकती है। पिछले महीने जारी अनुमान में यह संभावना 61फीसदी थी, जो अब बढ़कर 82फीसदी हो गई है। भारतीय मौसम विभाग के चीफ मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि इसका सीधा असर मानसून की बारिश पर पड़ेगा। इससे देश में सूखे का खतरा और ज्यादा बढ़ जाएगा।

अल-नीनो की संभावना 82फीसदी बढ़ी, दुनिया पर असर

नोआ के नए अपडेट के मुताबिक इस साल मई से जुलाई के दौरान सुपर अल नीनो डेवलप होने की 82फीसदी संभावना है। इसके सर्दियों (दिसंबर 2026 से फरवरी 2027) तक जारी रहने की 96फीसदी आशंका है। जबकि, इसके 'स्ट्रॉन्ग' या 'वेरी स्ट्रॉन्ग' रहने की करीब 67फीसदी आशंका है। इससे, कमजोर मानसून, सूखे और हीटवेव की आशंका अब ज्यादा हो गई है।

- भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में बारिश कम होती है। भीषण गर्मी पड़ती है।
- इंडोनेशिया, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में नमी खत्म होने से सूखा पड़ता है और जंगलों में आग का खतरा बढ़ जाता है।
- मध्य प्रशांत क्षेत्र में समुद्र का तापमान बढ़ने से भारी बारिश और चक्रवात की स्थिति बनती है।

भारत के कौन से इलाके सबसे ज्यादा जोखिम में

- उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत के हिस्सों में सूखे जैसी स्थिति बनने का सबसे ज्यादा खतरा है, जिससे लंबे सूखे और कृषि नुकसान की आशंका बढ़ सकती है।
- पंजाब, हरियाणा और राजस्थान अगस्त-सितंबर के दौरान सबसे संवेदनशील राज्यों में माने जा रहे हैं। वहीं मध्य और पश्चिम भारत में जहां अच्छी बारिश होती है वहां भी सामान्य से कम बारिश की संभावना है।
- मध्य प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, चंबल, जबलपुर, रीवा, शहडोल, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान है।
- हालांकि लद्दाख, राजस्थान के कुछ हिस्से, तेलंगाना, साथ ही उत्तर भारत के कुछ हिस्से में इसका असर कम होगा।

अल-नीनो क्या होता है

अल नीनो के कारण समुद्र का पानी असमान्य रूप से गर्म हो जाता है, जिसके साथ हवा के पैटर्न में भी बदलाव आता है। इसके असर से दुनियाभर में बारिश का चक्र बिगड़ जाता है। कहीं भयंकर सूखा तो कहीं मूसलाधार बारिश और बाढ़ आती है। सीधे शब्दों में कहें तो जब अल-नीनो एक्टिव होगा, तब प्रशांत महासागर से भारत की तरफ आने वाली मानसूनी हवाओं को रोक देगा। इससे बारिश पर असर पड़ेगा।

भारत में 24 घंटे काम करने वाली न्याय व्यवस्था की जरूरत : न्यायमूर्ति

छोटे डिजिटल कदम भविष्य में बनेंगे बड़ी क्रांति

तकनीक से आमजन तक पहुंचे इंसाफ : सूर्यकांत

एजेंसी
जबलपुर। भारत की न्यायपालिका को अब अस्पतालों की तरह 24 घंटे काम करने वाली व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ना होगा। डिजिटल बदलावों के इस दौर में आम नागरिकों का भरोसा बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। तकनीकी प्लेटफॉर्म ऐसे हों जिन्हें ग्रामीण और तकनीक से कम परिचित लोग भी आसानी से समझ सकें। इसके लिए स्थानीय स्तर पर पैरालीगल वालंटियर्स तैयार किए जाने चाहिए, जो लोगों को डिजिटल

न्याय प्रणाली से जोड़ सकें। यह बातें देश के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने शनिवार को मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित एक राष्ट्रीय सेमिनार में कहीं। फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के कई न्यायाधीशों के साथ केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। इससे पूर्व नेताजी सुभाषचंद्र बोस कल्चरल एंड इन्फॉर्मेशन सेंटर में आयोजित सेमिनार में देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त ने फ्रेगमेंटेशन ऑफ फ्यूजन एम्पावरिंग जस्टिस वाया यूनाइटेड डिजिटल प्लेटफार्म इंटीग्रेशन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एनुअल रिपोर्ट : 2025 का भी विमोचन किया गया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने नर्मदा नदी का उदाहरण देते हुए कहा कि जैसे अमरकंटक से निकलने वाली छोटी धारा आगे चलकर विशाल स्वरूप ले लेती है, उसी प्रकार न्याय व्यवस्था में किए जा रहे छोटे-छोटे तकनीकी सुधार आने वाले समय में व्यापक परिवर्तन का आधार बनेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में शुरू किए गए डिजिटल प्लेटफॉर्म और एप न्याय प्रणाली को अधिक पारदर्शी, तेज और प्रभावी बनाने में सहायक होंगे। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश में पुलिस थाना, फॉरेंसिक लैब, मेडिकल सिस्टम, लीगल सेल, अदालत और जेल से संबंधित सूचनाओं को एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जोड़ने का प्रयास किया गया है।

भ्रष्टाचार मामले में आईएएस अधिकारी पद्मा जायसवाल बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने भ्रष्टाचार और लापरवाही के खिलाफ अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत एक बेहद दुर्लभ और सख्त कदम उठाया है। 2003 बैच की एजीएमयूटी कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी पद्मा जायसवाल को सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, यह निलंबन और बर्खास्तगी का अंतिम आदेश कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की सिफारिश पर भारत की राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद जारी किया गया है। गौरतलब है कि कार्मिक विभाग सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन कार्य करता है और यह कैडर से जुड़े मामलों में केंद्रीय गृह मंत्रालय की सिफारिशों पर अंतिम निर्णय लेता है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम और आदेश पर पद्मा जायसवाल ने किसी भी तरह की जानकारी होने से इनकार किया है। यह सख्त प्रशासनिक कार्रवाई करीब 18 साल पुराने एक गंभीर मामले से जुड़ी हुई है। यह पूरा मामला वर्ष 2007-08 का है, जब पद्मा जायसवाल अरुणाचल प्रदेश

के पश्चिम कामेंग जिले में उपायुक्त (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) के पद पर तैनात थीं। फरवरी 2008 में वहां के स्थानीय निवासियों द्वारा उनके खिलाफ एक आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें उन पर अपने पद का दुरुपयोग करने और बड़े पैमाने पर सरकारी धन के गबन के गंभीर आरोप लगाए गए थे। इन वित्तीय अनियमितताओं और आरोपों के बाद उन्हें अप्रैल 2008 में सस्पेंड कर दिया गया था। हालांकि, बाद में अक्टूबर 2010 में उनका निलंबन बहाल भी कर दिया गया था। पद्मा जायसवाल ने अपने दो दशक से अधिक लंबे प्रशासनिक करियर में देश के कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में काम किया। उन्होंने अरुणाचल प्रदेश, दिल्ली, गोवा और पुडुचेरी में कई महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर अपनी जिम्मेदारी संभाली थी। शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो उन्होंने सेंट जेवियर्स स्कूल से शुरुआती पढ़ाई करने के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी बिजनेस स्कूल से उच्च शिक्षा प्राप्त की थी। उनके पास एमबीए की डिग्री है और वह इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया से प्रमाणित कंपनी सेक्रेटरी भी हैं। वह यूजीसी रिसर्च फेलो के रूप में भी कार्य कर चुकी हैं। लेकिन इतने मजबूत शैक्षणिक और प्रशासनिक बैकग्राउंड के बावजूद भ्रष्टाचार के पुराने मामले में लगे आरोपों के चलते आखिरकार उन्हें सेवा से हाथ धोना पड़ा।

बिश्नोई गैंग की खुली धमकी : अगली बार सीधे सिर में गोली

पुणे (एजेंसी)। पुणे में कारोबारी अशोक नैन के एजे फर्नीचर मॉल पर हुई फायरिंग की घटना ने फिर शहर की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठा दिए हैं। इस मामले में अब कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आने से सनसनी मच गई है। गैंग की ओर से आरजू बिश्नोई और फरार गैंगस्टर शुभम लोनकर ने पोस्ट कर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया है। इसके साथ ही एक ऑडियो क्लिप भी तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें आरजू की आवाज़ होने का दावा हो रहा है और कारोबारी को सीधे जान से मारने की धमकी दी गई है। वायरल ऑडियो में खुद को आरजू बिश्नोई बताकर एक व्यक्ति स्पष्ट कहता है कि पुणे के मॉल पर जो फायरिंग हुई है, उसकी जिम्मेदारी वह और उसका गिरोह लेते हैं। ऑडियो में दावा किया गया है कि कारोबारी नैन को पहले समझाने की कोशिश की गई थी, लेकिन पैसों के घमंड के कारण कारोबारी ने बात नहीं मानी। इसके बाद कारोबारी को छोटा सा ट्रेलर दिखाने की बात कही गई, जो मॉल पर फायरिंग के रूप में सामने आया। ऑडियो में सीधे तौर पर धमकी देकर कहा गया है कि अगली बार गोली मॉल पर नहीं, बल्कि सीधे अशोक के सिर पर चलाई जाएगी। इस खौफनाक धमकी भरे वायरल ऑडियो और पोस्ट के सामने आने के बाद दिल्ली और पुणे पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह अलर्ट हुई हैं। शुरुआती जांच में सोशल मीडिया पोस्ट और ऑडियो की सत्यता की जांच हो रही है। साइबर सेल यह पता लगाने में जुटी है कि यह ऑडियो वास्तव में गैंग से जुड़ा है या किसी अन्य माध्यम से दहशत फैलाने के लिए तैयार किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, शुभम लोनकर का नाम पहले भी कई गंभीर आपराधिक मामलों में सामने आ चुका है, विशेष रूप से एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड की साजिश से जुड़ाव के आरोपों के बाद वह फरार बताया जा रहा है। जांच एजेंसियां मानती हैं कि यह गैंग व्यापारियों और बड़े कारोबारियों को डराकर उनसे जबरन वसूली करने की कोशिश कर रहा है। फायरिंग की इस घटना और उसके बाद मिली जानलेवा धमकी से लोकल व्यापारियों में दहशत का माहौल है। कई व्यापारियों ने अपनी सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी है और संदिग्धों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मोदी कैबिनेट में बड़े फेरबदल की सुगबुगाहट : आगामी चुनावों और 2029 की रणनीति पर फोकस

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद से ही केंद्रीय मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल और विस्तार की अटकलें तेज हुई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के लगातार तीसरे कार्यकाल के लिए 9 जून 2024 को शपथ ग्रहण के बाद से अब तक केंद्रीय कैबिनेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भले ही केंद्र में अपने दम पर पूर्ण बहुमत हासिल नहीं किया है, लेकिन जनता दल (यूनाइटेड) और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) जैसे अपने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के सहयोगियों के समर्थन से सरकार का गठन किया है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि भाजपा ने अभी तक सहयोगी दलों के साथ अतिरिक्त मंत्री पदों की संभावनाओं को लेकर कोई औपचारिक चर्चा शुरू नहीं की है, लेकिन जल्द ही इस दिशा में भी कदम उठाए जा सकते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक ने इन अटकलों को और हवा दी थी। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने बताया कि मंत्रिपरिषद की बैठकें नियमित अंतराल पर होती रहती हैं और मौजूदा परिस्थितियों में ऐसी बैठक असामान्य नहीं है। भाजपा के भीतर हो रहे ये संगठनात्मक और संभावित सरकारी बदलाव आगामी चुनावी रणनीतियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पार्टी इसके जरिए 2027 के विधानसभा चुनावों, राष्ट्रपति चुनाव और विशेष रूप से 2029 के लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत आधार तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। इसी कड़ी में संभावना है कि कुछ वरिष्ठ नेताओं, जो वर्तमान में केंद्रीय मंत्री हैं या प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं, उन्हें संगठन को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय टीम में भेजा जा सकता है। पार्टी का जोर युवा नेतृत्व, महिलाओं और कुछ पेशेवरों को भी मौका देने पर है, क्योंकि भाजपा अगले दशक की अपनी चुनावी रणनीति बना रही है।

उत्तर भारत में हाहाकार मचाएगी भीषण लू

समय से पहले आ रहा मॉनसून!

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के विभिन्न हिस्सों में इस समय मौसम के कई अलग-अलग और विपरीत रूप देखने को मिल रहे हैं। जहां एक तरफ उत्तर और मध्य भारत झुलसाने वाली भीषण लू (हीटवेव) की चपेट में आने की कगार पर है, वहीं दूसरी तरफ दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। इस बीच, भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए एक राहत भरी खबर भी सामने आई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के इस बार तय समय से लगभग एक सप्ताह पहले यानी 26 मई तक केरल तट पर दस्तक देने की प्रबल संभावना है, जबकि इसकी सामान्य तिथि 1 जून होती है।

वर्तमान में उत्तर प्रदेश मौसम की सबसे गंभीर और दोहरी मार झेल रहा है। राज्य में हाल ही में आए विनाशकारी आंधी-तूफान के कारण भारी तबाही हुई है और 100 से अधिक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। मौसम विभाग ने आगरा, मथुरा, कानपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, बलिया और बरेली सहित समूचे पश्चिमी यूपी बेल्ट में फिर से बारिश और 65 किमी/घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी जारी की है। इस आंधी-पानी के बीच राजधानी लखनऊ सहित कई इलाकों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। आने वाले दिनों में राहत की उम्मीद बेहद कम है, क्योंकि राज्य में 16 से 21 मई के बीच भीषण लू का अलर्ट जारी किया गया है, खासकर 18 और 19 मई को गंभीर लू चलने की आशंका है।

दूसरी तरफ, उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के कई राज्यों में अगले कुछ दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की और बढ़ोतरी होने का अनुमान है। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 17 से 21 मई के बीच गंभीर हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। हालांकि, आज शाम राजधानी में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की उम्मीद है, लेकिन यह गर्मी से राहत देने के लिए नाकाफी होगा। राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ में भी पारा सामान्य से 5 डिग्री सेल्सियस ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी राजस्थान में जहां भीषण लू का प्रकोप रहेगा, वहीं पूर्वी हिस्से के अलवर, जोधपुर और अजमेर जैसे जिलों में धूल भरी आंधी और बारिश का अलर्ट है। छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी गर्म हवाएं चलने की आशंका है।

इसके विपरीत, देश के पूर्वी, पूर्वोत्तर और दक्षिणी हिस्सों में प्री-मॉनसून गतिविधियों के कारण मौसम मेहरबान है। असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड सहित पूरे पूर्वोत्तर में अगले एक सप्ताह तक भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। वहीं, बिहार और पश्चिम बंगाल में खाड़ी से आ रहे निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण 80 से 85 किमी/घंटे की तूफानी हवाओं के साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। दक्षिण भारत के केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में भी अच्छी प्री-मॉनसून बारिश हो रही है। अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी में परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल हो चुकी हैं, जिससे मॉनसून तेजी से आगे बढ़ रहा है। हालांकि, प्रशांत महासागर में उभरते अल नीनो के प्रभाव के कारण कुछ क्षेत्रों में कुल वर्षा सामान्य से कम रहने की आशंका भी जताई गई है।

कश्मीर में शराबबंदी की मांग को लेकर सीएम आवास घेरा,कहा- हम भीख मांग लेंगे पर शराब बंद कीजिए

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आवास के बाहर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। बीजेपी की मुख्य मांग कश्मीर घाटी में पूर्ण रूप से शराबबंदी लागू करने की है। प्रदर्शन के दौरान स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कई प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया, जिन्हें बाद में रिहा कर दिया गया। बीजेपी ने चेतावनी दी है कि यदि नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) सरकार ने शराबबंदी पर जल्द कदम नहीं उठाया, तो पार्टी दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड से लेकर उत्तर कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित करनाह तक बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू करेगी। मुख्यमंत्री आवास के बाहर मीडिया से बात करते हुए बीजेपी नेता अल्ताफ ठाकुर ने कहा कि कश्मीर सूफियों और संतों की पवित्र भूमि है, और यहां किसी भी कीमत पर नई शराब की दुकानें खुलने नहीं दी जाएंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार युवाओं को नशे की ओर धकेल रही है। वहीं, प्रदर्शन में शामिल बीजेपी महासचिव अनवर खान ने मुख्यमंत्री और फारूक अब्दुल्ला पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सरकार को केवल शराब से मिलने वाले राजस्व (रेवेन्यू) की ही चिंता है, तो बीजेपी कार्यकर्ता सत्तारूढ़ पार्टी के लिए मस्जिदों के बाहर भीख मांगकर पैसे जुटाने को तैयार हैं, लेकिन युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे। कार्यकर्ताओं ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा शुरू किए गए 100 दिवसीय नशामुक्ति अभियान के दायरे में शराब की बिक्री को भी शामिल करने की मांग की। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर में शराबबंदी की मांग को पूरी तरह खारिज कर दिया था। इसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने भी सरकार का बचाव करते हुए कहा कि साल 1977 में शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने भी राजस्व के भारी नुकसान को देखते हुए बैन लगाने से इनकार किया था।

जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं

-हार के बाद ममता ने बैठक में कहा- मैं नए सिरे से खड़ी करूंगी पार्टी

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने हाल के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भाग लेने वाले अपने उम्मीदवारों से पार्टी संगठन को फिर से खड़ा करने का आह्वान किया है उन्होंने कहा कि जो लोग पार्टी छोड़ना चाहते हैं वे ऐसा करने के लिए स्वतंत्र हैं। यहां कालीघाट में अपने घर पर तृणमूल उम्मीदवारों के साथ हुई बैठक में उन्होंने कहा कि हाल के विधानसभा चुनाव में करारी हार के बावजूद पार्टी संगठन फिर से उठ खड़ा होगा। इस बैठक में पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मौजूद थे।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक ममता बनर्जी ने कहा कि जो लोग दूसरी पार्टियों में जा रहे हैं, उन्हें जाने दीजिए। मैं पार्टी को नए सिरे से खड़ा करूंगी। जो लोग पार्टी में बने रहेंगे, उनसे मैं कहती हूं कि क्षतिग्रस्त पार्टी कार्यालयों को फिर से तैयार कीजिए, उन्हें रंगिए और फिर से खोलिए। जरूरत पड़ने पर मैं भी उन्हें रंग दूंगी। टीएमसी कभी नहीं झुकेगी। जनादेश लूटा गया है। चुनावी नतीजों में नाटकीय उलटफेर के बाद टीएमसी के सत्ता गंवाने के कुछ दिनों बाद ममता बनर्जी की ये टिप्पणियां सामने आईं।

पार्टी ने लिखा कि आज, हमारी अध्यक्ष ममता बनर्जी और हमारे राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कालीघाट में हमारे उम्मीदवारों से मुलाकात की। उन्होंने अकल्पनीय अत्याचारों और निरंतर धमकियों का सामना करते हुए भी अद्वितीय साहस के साथ चुनाव लड़ा। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि बनर्जी ने इस बैठक का इस्तेमाल चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ाने के लिए किया। पश्चिम बंगाल में सत्ता गंवा चुकी टीएमसी ने वफादारी और राजनीतिक ताकत के महत्व देने का संदेश देते हुए पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने गुरुवार को काकोली घोष दस्तीदार को हटाकर कल्याण बनर्जी को लोकसभा में दल का मुख्य व्हिप नियुक्त किया। रिपोर्ट के मुताबिक कल्याण को पार्टी के आंतरिक उथल-पुथल के बीच लोकसभा में तृणमूल के मुख्य व्हिप के पद से हटा दिया गया था। हालांकि, अब पार्टी ने अपने सबसे कठिन राजनीतिक दौर में कल्याण पर भरोसा जताया है। ममता ने बैठक के बाद कल्याण को मुख्य सचेतक बनाने की घोषणा की। उनका यह कदम पार्टी सांसदों से एकजुट रहने की अपील के बीच आया है। बैठक में सभी सांसद मौजूद थे। यह बैठक समीक्षा, मनोबल बढ़ाने और राजनीतिक संदेश देने के लिए आयोजित की गई थी।

2047 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य तय, गिरोहों को खत्म करने रोडमैप तैयार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने की नशे को उखाड़ फेंकने की डेडलाइन तय

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, (ईएमएस)। विदेशों से खुफिया जानकारी जुटाने और उसका विश्लेषण करने वाली भारत की प्रमुख एजेंसी, रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) ने वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस वर्ष मादक पदार्थ-एक सीमाहीन खतरा, एक सामूहिक जिम्मेदारी विषय पर कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत ने 2047 तक नशामुक्त भारत का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने मादक पदार्थों के गिरोहों को खत्म करने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है और इस लक्ष्य की दिशा में काम कर रही हैं।

केंद्रीय मंत्री शाह ने साफ कहा कि मादक पदार्थों के प्रति भारत की जीरो टोलरेंस की नीति के तहत, देश यह तय करेगा कि एक ग्राम भी मादक पदार्थ देश में प्रवेश न कर सके या भारत को पारगमन मार्ग के रूप में इस्तेमाल करके देश से बाहर न जा सके। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मादक पदार्थों की तस्करी केवल पुलिस या मादक पदार्थों के खिलाफ काम करने वाली कानून-व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि इसका समाज और आने वाली पीढ़ियों पर दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। इसलिए, उन्होंने कहा कि इसके लिए एक व्यापक समाधान की जरुरत है। उन्होंने यह भी कहा कि हालांकि मादक पदार्थों के धन का इस्तेमाल आतंकवादियों और आपराधिक गिरोहों को वित्त पोषित करने और समानांतर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है, लेकिन मादक पदार्थों के सेवन से मानव शरीर को होने वाले स्थायी नुकसान पर बड़े पैमाने पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

शाह ने चेतावनी दी कि इस खतरे को हराने के लिए दुनिया के सभी जिम्मेदार देशों के पास अभी भी मिलकर काम करने का समय है, और कहा कि अगर अभी संयुक्त प्रयास शुरू नहीं किए गए, तो 10 साल बाद दुनिया को पता चलेगा कि जो नुकसान हुआ है उसे ठीक करने में बहुत देर हो चुकी है। शाह ने मादक पदार्थों के खिलाफ युद्ध में एक एकीकृत वैश्विक प्रयास का आह्वान किया और इस मुद्दे से निपटने के लिए एक एकीकृत कानूनी ढांचे की जरुरत पर बल दिया। उन्होंने आगे कहा कि जब तक नियंत्रित पदार्थों की परिभाषा और मादक पदार्थों की तस्करी के लिए समान दंड मानकों पर वैश्विक स्तर पर एकमत नहीं होगा, तब तक मादक पदार्थों के गिरोह नीतिगत विसंगतियों का फायदा उठाते रहेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक नशीले पदार्थों की तस्करी से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग की गुंजाइश को रेखांकित करते हुए उन्होंने मादक पदार्थों की खेपों को रोकने और ड्रग सरगनाओं को गिरफ्तार या निर्वासित करने के लिए वास्तविक समय की खुफिया जानकारी साझा करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले दो सालों में भारत ने मित्र देशों के सहयोग से 40 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय अपराधियों को सफलतापूर्वक वापस देश में लाया है।

पश्चिम बंगाल में योगी मॉडल की दस्तक: अतिक्रमणों पर चलेगा बुलडोजर

यूपी से मंगवाए दो दर्जन बुलडोजर

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में एक नई सरकार के गठन के बाद, राज्य में सख्त प्रशासनिक अभियान शुरू हुआ है, जिसमें योगी मॉडल का प्रभाव साफ दिख रहा है। सिलीगुड़ी में अवैध अतिक्रमणों और अनाधिकृत ढांचों को हटाने के लिए बड़े पैमाने पर विध्वंस अभियान की तैयारी हो रही है। दार्जिलिंग के सांसद राजू बिस्टा ने पुष्टि की है कि इस अभियान को गति देने के लिए उत्तर प्रदेश से 24 बुलडोजर मंगाए गए हैं, जो जल्द ही कार्रवाई में दिखाई देने वाले है। इस अभियान की रूपरेखा तय करने के लिए सिलीगुड़ी उपमंडल कार्यालय में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक बैठक आयोजित की गई थी। इसमें उपमंडल मजिस्ट्रेट (एसडीएम), पुलिस आयुक्त, दार्जिलिंग जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा कानून व्यवस्था को मजबूत करना, अवैध निर्माणों को हटाना, मादक पदार्थों की तस्करी पर अंकुश लगाना और अवैध शराब की दुकानों व पबों पर कार्रवाई करना था।

बैठक के बाद सांसद बिस्टा ने स्पष्ट किया कि सिलीगुड़ी में बड़े पैमाने पर अनाधिकृत निर्माण हो चुके हैं, जिन्हें कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने जोर दिया कि इन अवैध ढांचों को तेजी से हटाने के लिए ही उत्तर प्रदेश से दो दर्जन बुलडोजर मंगवाए गए हैं। सांसद बिस्टा ने सिलीगुड़ी नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाकर आरोप लगाया कि वहां पूरे शहर में अवैध निर्माण रोकने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकारी जमीन, नदी किनारे और शहर के अन्य संवेदनशील क्षेत्रों पर हुए अवैध अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाना चाहिए, अन्यथा प्रशासन बुलडोजर का इस्तेमाल कर उन्हें ध्वस्त करेगा। सांसद बिस्टा ने कहा कि सिर्फ अतिक्रमण ही नहीं, बल्कि नशीले पदार्थों के नेटवर्क, अवैध नदी खनन, अनाधिकृत टोल वसूली और भूमि दलाली जैसी गतिविधियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बात दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान, भाजपा नेताओं ने राज्य में योगी मॉडल को लागू करने का वादा किया था। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में, आपराधिक गिरोहों और अवैध अतिक्रमणों पर की गई बुलडोजर कार्रवाई ने राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक ध्यान आकर्षित किया था, जिसे कानून व्यवस्था में सुधार और माफिया गतिविधियों पर अंकुश लगाने का श्रेय दिया जाता है। अब बंगाल में शुरू हो रहे ये सख्त उपाय, राज्य में इसी दृष्टिकोण को दोहराने की दिशा में एक बड़ा कदम माने जा रहे हैं, जो प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था में एक नए अध्याय का संकेत देते हैं।

चारधाम यात्रा में चिंताजनक आंकड़ा : 25 दिनों में 40 श्रद्धालुओं की मौत

-केदारनाथ में सर्वाधिक जान गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की प्रसिद्ध चारधाम यात्रा इस वर्ष रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही है, लेकिन इसके साथ ही मौतों का चिंताजनक आंकड़ा सामने आया है। यात्रा शुरू होने के मात्र 25 दिनों के भीतर, 19 अप्रैल से 13 मई तक, कुल 40 श्रद्धालुओं की जान गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र की 14 मई सुबह 10 बजे जारी रिपोर्ट के अनुसार, 13 मई तक 12 लाख 64 हजार 217 श्रद्धालुओं ने चारों धामों के दर्शन किए हैं, लेकिन इस भारी संख्या के बीच मौतों का बढ़ता आंकड़ा गंभीर चिंता का विषय है। रिपोर्ट के मुताबिक, सबसे ज्यादा 22 मौतें केदारनाथ धाम में दर्ज की गई हैं, जो यात्रा का सबसे दुर्गम पड़ाव माना जाता है। इसके अलावा, बद्रीनाथ में 7, यमुनोत्री में 6 और गंगोत्री में 5 श्रद्धालुओं की मृत्यु हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने इन मौतों के पीछे मुख्य कारणों में हार्ट अटैक, हाई एल्टीट्यूड सिकनेस (ऊंचाई पर होने वाली बीमारी),

हाइपरटेंशन और अन्य पुरानी बीमारियों को बताया है। यात्रा मार्ग के ऊंचाई वाले क्षेत्रों से होकर गुजरने और ऑक्सीजन का स्तर कम होने के कारण बुजुर्गों तथा पहले से बीमार यात्रियों की तबीयत बिगड़ने के मामले अधिक सामने आ रहे हैं। एक ओर राज्य सरकार लगातार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल तैयारियों का दावा कर रही है। यात्रा शुरू होने से पहले ही कई समीक्षा बैठकें आयोजित की गई थीं और सभी विभागों को तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। यात्रियों के लिए विशेष एडवाइजरी भी जारी की गई थी, जिसमें बुजुर्गों, हाई ब्लड प्रेशर, शुगर और हृदय रोग से पीड़ित लोगों को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच कराने और सावधानी बरतने की सलाह दी गई थी। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. सुबोध उनियाल ने भी यात्रियों से शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करने और परेशानी होने पर तुरंत रुकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कई यात्री अत्यधिक उत्साह में तेजी से यात्रा पूरी करने का प्रयास करते हैं, जिससे हार्ट अटैक और हाई एल्टीट्यूड की समस्या बढ़ जाती है। यह स्थिति यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य चुनौतियों की गंभीरता को रेखांकित करती है, जहां श्रद्धालुओं को अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

अरावली खनन पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अगले आदेश तक कोई अनुमति नहीं

-विशेषज्ञ समिति की नई परिभाषा तय होने तक अरावली के फ्रएक इंचफ्र हिस्से में भी खनन पर रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)।सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पर्वतमाला में खनन गतिविधियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा, कि जब तक अदालत द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की नई परिभाषा तय नहीं कर देती, तब तक क्षेत्र के किसी भी हिस्से में खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी। अदालत ने दो टूक कहा कि अरावली के ÷एक इंच÷ हिस्से का भी खनन के लिए इस्तेमाल नहीं होने दिया जाएगा।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान कहा, कि यह अत्यंत संवेदनशील विषय है और अदालत इसकी ÷टुकड़ों में सुनवाई÷ नहीं करेगी। पीठ ने कहा कि जब तक न्यायालय पूरी तरह संतुष्ट नहीं हो जाता, तब तक किसी भी प्रकार की गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट वर्तमान में 'अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की परिभाषा और संबंधित मुद्दे' शीर्षक से स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है। सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अरावली क्षेत्र में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर अदालत को जो प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं, वे काफी चिंताजनक हैं।

पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी भी खनन पट्टा धारक के पक्ष में कोई राहत नहीं दी जाएगी। अदालत ने कहा कि यदि किसी खनन पट्टे को रद्द किया जाता है, तो संबंधित पक्ष उसे कानूनी रूप से चुनौती दे सकता है, लेकिन अदालत जल्दबाजी में कोई आदेश पारित नहीं करेगी।

नए खनन पट्टे पर पहले लगी रोक

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने 20 नवंबर 2025 को अरावली पहाड़ियों और पर्वतमालाओं की एक समान परिभाषा को मंजूरी देते हुए दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात में आने वाले अरावली क्षेत्रों में नए खनन पट्टे जारी करने पर रोक लगा दी थी। यह फैसला विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर लिया गया था। समिति ने अपनी सिफारिश में कहा था कि जिस भू-भाग की ऊंचाई स्थानीय स्तर से 100 मीटर या उससे अधिक हो, उसे अरावली पहाड़ी माना जाए। वहीं, 500 मीटर के भीतर स्थित दो या अधिक पहाड़ियों के समूह को अरावली पर्वतमाला की श्रेणी में रखा जाए।

नई परिभाषा पर आपत्तियां

हालांकि, इस नई परिभाषा को लेकर पर्यावरणविदों और विभिन्न संगठनों ने गंभीर आपत्तियां जताई थीं। उनका कहना था कि 100 मीटर ऊंचाई और 500 मीटर दूरी का मानदंड लागू होने से अरावली के बड़े हिस्से पर्यावरणीय संरक्षण के दायरे से बाहर हो सकते हैं। विरोध के बाद सुप्रीम कोर्ट ने 29 दिसंबर 2025 को

अपने पूर्व आदेश पर रोक लगा दी थी और सभी खनन गतिविधियों पर अंतरिम प्रतिबंध जारी रखा था। अब अदालत ने साफ संकेत दे दिए हैं कि पर्यावरण संरक्षण के मुद्दे पर किसी प्रकार की ढील नहीं दी जाएगी और विशेषज्ञ समिति की अंतिम रिपोर्ट आने तक अरावली में खनन पूरी तरह बंद रहेगा।

इन्फ्लुएंसर द स्किन डॉक्टर गिरफ्तार, संजय कपूर की मौत के बाद सोशल मीडिया पर किए थे आपत्तिजनक पोस्ट

नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिमी जिला पुलिस ने कारोबारी संजय कपूर की मौत के बाद कपूर परिवार को निशाना बनाते हुए कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और डर्मेटोलॉजिस्ट डॉ. नीलम सिंह को गिरफ्तार किया है। जिला पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) अमित गोयल ने बुधवार को इस गिरफ्तारी की पुष्टि की है। जिले के एक अधिकारी ने बताया कि वसंत कुंज पुलिस स्टेशन में कपूर परिवार की ओर से एक शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि इन्फ्लुएंसर ने कपूर की मौत के बाद सोशल मीडिया पर मानहानिकारक और आपत्तिजनक सामग्री साझा की थी। पुलिस ने बताया कि डॉ. नीलम सिंह, जिन्हें ऑनलाइन द स्किन डॉक्टर के नाम से व्यापक रूप से जाना जाता है, आरोपों के प्रारंभिक सत्यापन के बाद उन्हें ट्रैक किया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि जांचकर्ता संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रहे हैं और सामग्री का विश्लेषण कर रहे हैं। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि आरोपी द्वारा पोस्ट किए गए कुछ ट्वीट आपत्तिजनक प्रकृति के थे और उनसे परिवार को मानसिक कष्ट पहुंचा। शिकायत और प्रारंभिक जांच के आधार पर, कानूनी कार्रवाई शुरू की गई। चोरी, मानहानि और आईटी एक्ट के प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस बात की जांचकर्ता इस बात की भी बारीकी से जांच कर रहे हैं कि क्या कोई अतिरिक्त सामग्री अपलोड की गई थी या बाद में उसे हटा दिया गया था। पुलिस इस मामले से संबंधित बयान दर्ज करने और डिजिटल सबूत इकट्ठा करने की प्रक्रिया में हैं। अधिकारी ने कहा कि जांच के हिस्से के रूप में, सामग्री पोस्ट करने के लिए इस्तेमाल किए गए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की भी जांच की जा सकती है।

नार्को टेररिस्ट शेरा को पंजाब भेजने के लिए दो दिन की ट्रांजिट रिमांड मंजूर

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को नार्को टेररिस्ट इकबाल सिंह उर्फ शेरा को पंजाब ले जाने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को दो दिन की ट्रांजिट रिमांड दे दी। पुर्तगाल से बुधवार सुबह प्रत्यर्पित किए गए शेरा को एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया और पटियाला हाउस कोर्ट में प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज पितांबर दत्त के समक्ष पेश किया। एजेंसी ने आरोपी को मोहाली (पंजाब) ले जाने के लिए तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड मांगी थी, जिसे अदालत ने दो दिन का दे दिया। एनआईए के अनुसार, इकबाल सिंह उर्फ शेरा नशीले पदार्थों की तस्करी और आतंकवाद से जुड़े गंभीर मामलों में वांछित था। पुर्तगाल से सफल प्रत्यर्पण के बाद अब उसे पंजाब ले जाकर आगे की जांच की जाएगी।

दिल्ली के पॉश इलाके में दिन ढले बुजुर्ग सीए के घर में घुसकर लूट

कौमी पत्रिका

दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के पॉश इलाके सैनिक फार्म में 72 वर्षीय चार्टर्ड अकाउंटेंट के घर में घुसकर लूटपाट और मारपीट करने के बाद उन्हें अगवा कर लिया गया। आरोपियों ने रास्ते में 50 लाख रुपये रंगदारी मांगी। जब आरोपी पीड़ित से 50 लाख रुपये की उगाही करने में विफल रहे तो उन्होंने पीड़ित और उनकी कार को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर छोड़ दिया। दक्षिण जिला पुलिस ने इस मामले को 36 घंटे में सुलझाने का दावा करते हुए एक महिला समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल ने बताया कि यह वारदात दो मई को शाम करीब 7.45 बजे घटी। पीड़ित बुजुर्ग घर में अकेले थे, तभी तीन लोग जबरन उनके घर में घुस गए। आरोपियों ने उन्हें काबू में कर लिया, उनके साथ मारपीट कर टेप से उन्हें बांध दिया। आरोपियों ने अलमारी में रखे पांच लाख रुपये, दराज से 8,000-10,000 रुपये, बटुआ, तीन अंगूठियां और मोबाइल फोन सहित दस्तावेज लूट लिए। इसके बाद आरोपी पीड़ित को जबरन अपनी गाड़ी में बिठाकर मेरठ की ओर ले गए। रास्ते में अपहरणकर्ताओं ने पीड़ित से 50 लाख रुपये की मांग की। उन्होंने पीड़ित को दुर्घटना का बहाना बनाकर किसी परिचित से 15 लाख रुपये का इंतजाम करने के लिए मजबूर किया। जब पीड़ित पैसे का इंतजाम करने में नाकाम रहे तो आरोपियों ने उन्हें उनकी गाड़ी सहित हरियाणा के फिरोजपुर झिरका इलाके में दिल्ली-मुंबई राजमार्ग पर छोड़ दिया। पीड़ित ने पुलिस से संपर्क किया। मेडिकल जांच में बुजुर्ग के शरीर पर काफी चोटें मिले हैं। पुलिस उपायुक्त मित्तल ने बताया कि इस वारदात के संबंध में तीन मई को नेब सराय थाना पुलिस को सूचना मिली। इसके बाद जांच अधिकारी एसआई प्रिंस टीम के साथ मौके पर पहुंचे जिसके

बाद अपहरण, लूटपाट, मारपीट और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। अपराध की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच और आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए कई पुलिस टीमें गठित की गईं। टीमों ने सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया, स्थानीय स्तर पर पूछताछ की और तकनीकी निगरानी का उपयोग करके आरोपियों की पहचान की। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लगातार प्रयासों और 36 घंटे की खोज के बाद एसआई विवेक, एसआई रोहताश व एसआई प्रिंस राजपूत की टीम ने उत्तर प्रदेश के मथुरा से दो आरोपियों हरियाणा के फतेहाबाद निवासी सुरेंद्र और दिल्ली के कालकाजी की रहने वाली कल्पना को गिरफ्तार किया। दो अन्य आरोपियों वीपीओ धानी सांचला, तहसील टोहाना, फतेहाबाद निवासी कुलदीप और सुशील को देर रात गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने बताया कि लूटी गई नकदी में से चार लाख रुपये, पीड़ित का पर्स और कार बरामद कर ली गई है। साथ ही अपराध में इस्तेमाल की गई एक एयर गन भी मिली है।

हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से गन्ने के खेत में लगी आग

मुरादनगर। सरना गांव हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से गन्ने के खेत में आग लग गई। इसकी किसान की ओर से बिजली निगम के अधिकारियों से शिकायत कर मुआवजा की मांग की है।सरना गांव निवासी किसान ओमप्रकाश त्यागी ने खेत में गन्ने की फसल लगा रखी है। उनके खेत के ऊपर से हाईटेंशन लाइन जा रही है और उसके तार नीचे लटक रहे हैं। बिजली निगम के अधिकारियों से शिकायत की गई है, लेकिन कर्मचारियों ने बिजली हाईटेंशन लाइन के तारों को ठीक नहीं किया। ओमप्रकाश त्यागी ने बताया कि हाईटेंशन लाइन की चिंगारी से उनकी गन्ने की फसल में नुकसान हुआ है। किसान ने इस संबंध में अधिशासी अभियंता व पुलिस को सूचना दे दी है।

एक शेर चला गया, दो जिंदा हैं, देखना अब और कितने जनाजे उठेंगे

कौमी पत्रिका

मेरठ। मेरठ में जुबैर के मुठभेड़ में मारे जाने के बाद उसकी बहन मुबश्शिरा अन्य परिजन के साथ मेरठ मेडिकल कॉलेज के पोस्टमार्टम हाउस पहुंची। मुबश्शिरा भाई जुबैर की मौत से आहत थी लेकिन उसने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि उसका एक शेर चला गया, दो जिंदा हैं। देखना अभी कितने जनाजे उठेंगे। इसके बाद उसके परिजन जुबैर का शव लेकर लौट गए। मुनीर के द किलिंग मशीन ए गैंग की कमान जुबैर संभाल रहा था। एसटीएफ के एएसपी बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि जुबैर पहले मुनीर गैंग का शॉर्प शूटर था। वह गिरोह के लिए वारदात को अंजाम देता था। बिजनौर के स्योहारा कस्बे के सहसपुर से 12वीं में फेल होने के बाद वर्ष 2009 में एएमयू में दाखिला लेने के लिए मुनीर पहुंचा था। मुनीर ने यहां पढ़ाई के स्थान पर अपराध का रास्ता पकड़ लिया। यासिर-फहद की मदद से पिस्टल खरीदकर उसने सोशल मीडिया पर द किलिंग मशीन ए गैंग नाम से गिरोह का संचालन कर एक के बाद एक कई वारदात की गई। मुनीर के गिरोह में अलीगढ़ के जुबैर के अलावा फर्रुखाबाद का आशुतोष मिश्रा, अंबेडकर नगर टांडा का सऊद, बिहार का अतीउल्लाह, आजमगढ़ का शादाब आदि शामिल थे। इस गिरोह ने ही एनआईए के डीएसपी तंजील अहमद दंपती की हत्या की थी। बताया गया है कि डीएसपी तंजील पाकिस्तानी घुसपैठ मामले की जांच कर रहे थे। उस दौरान मुनीर की गिरफ्तारी हुई थी। तंजील अहमद और उनकी पत्नी की हत्या का दोषी करार देते हुए मुनीर और उसके साथी रयान को 21 मई 2022 को बिजनौर के एडीजे कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी। 21 नवंबर 2022 को बीएचयू में उसकी मौत हो गई थी। उसे यहां तबीयत बिगड़ने पर भर्ती कराया गया था। इसके बाद से इस गिरोह की कमान जुबैर संभाल रहा था। उसके दो भाई भी इस गिरोह में शामिल हैं। उन्हें भी पुलिस तलाश रही है। उसकी बहन इन्हीं दोनों भाइयों के लिए कहा है कि वह अभी जिंदा हैं। एएसपी ने बताया कि जुबैर ने कुछ साल पहले मेरठ के रहने वाले छात्र से एएमयू में झगड़ा हुआ था। युवक जुबैर पर भारी पड़ा तो आरोपी ने पिस्टल निकाल ली थी। युवक जान बचाकर भागने लगा तो आरोपी ने उसके पैर में गोली मार दी थी। जुबैर की आयु 31 वर्ष थी। उसने पहली घर में घुसकर लूट की वारदात वर्ष 2015 में की थी। इस संबंध में अलीगढ़ के सिविल लाइन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस वर्ष उसने एक के बाद एक कई वारदात कीं। मेरठ जिले में व्यापारी की हत्या करने आया एक लाख का इनामी अलीगढ़ निवासी जुबैर बुधवार सुबह एसटीएफ से हुई मुठभेड़ में मारा गया। उसने 24 दिसंबर 2025 को अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) में शिक्षक राव दानिश हिलाल की गोली मारकर हत्या की थी। वह मुनीर गैंग का बदमाश था। उसके खिलाफ हत्या, लूट और डकैती के 43 मामले दर्ज हैं। एएसपी एसटीएफ बृजेश सिंह ने बताया कि सुबह चार बजे सूचना मिली थी कि जुबैर एक व्यापारी की हत्या करने आया है। वह साथी के साथ मेरठ के अलीपुर रोड पर बंद फैक्टरी के पास खड़ा है। एसटीएफ मुख्यालय लखनऊ की टीम ने पुलिस उपाधीक्षक विमल कुमार सिंह के निर्देश पर उसकी घेराबंदी की। टीम ने आत्मसमर्पण करने के लिए कहा तो जुबैर और उसके साथी ने फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जुबैर को गोली लगी जिससे वह घायल हो गया। उसे मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हालांकि, उसका साथी भाग गया। जुबैर मूलरूप से अलीगढ़ जिले के बरला थानाक्षेत्र के गांव नौशा का रहने वाला था।

नगर कोतवाली और वेव सिटी क्षेत्र में दो मोबाइल टॉवर चोरी

मसूरी/गाजियाबाद। वेव सिटी थाना क्षेत्र के काजीपुर और नगर कोतवाली के सराय नजर अली मोहल्ले में लगे जीटीएल इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड कंपनी के दो मोबाइल टॉवर चोरी हो गए हैं। कंपनी के टेक्नीशियन ने वेव सिटी और नगर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। कंपनी के टेक्नीशियन दिलीप कुमार सिंह के मुताबिक वेव सिटी थाना क्षेत्र के काजीपुर कंपनी का मोबाइल टॉवर दो वर्ष पूर्व लगाया गया था। गत दिनों अधिकारियों ने टॉवर का निरीक्षण किया तो वहां से उपकरण गायब मिले। वहां से जनरेटर भी चोरी हो गया। पीड़ित के मुताबिक नगर कोतवाली क्षेत्र के सराय नजर अली मोहल्ले में लगा मोबाइल टॉवर और अन्य उपकरण भी चोरी कर लिए गए हैं। उन्होंने बताया कि चोरों ने दोनों स्थानों से संपूर्ण टॉवर 18 मीटर, बीएंड की क्लास मटेरियल और टॉवर का समस्त सामान चोरी कर लिया है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि दोनों थानों में प्राथमिकी दर्ज करके मामले की जांच की जा रही है।

डिवाइडर पर लगे पेड़ पौधे की नहीं हो रही कटाई छंटाई, राहगीरों को हो रही भारी परेशानी

मोदीनगर। नमो भारत रैपिड ट्रेन के ट्रैक के नीचे दिल्ली-मेरठ मार्ग के डिवाइडर पर पेड़ों की कटाई-छंटाई नहीं हो रही है। डिवाइडर पर सौन्दर्यकरण के लिए लगाए गए पेड़ पौधों की टहनियां सड़क के दोनों तरफ फैल गई हैं। इसके कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नमो भारत ट्रेन के ट्रैक के नीचे दिल्ली-मेरठ मार्ग पर बने डिवाइडर पर पेड़ पौधे लगाए गए है। मगर डिवाइडर पर लगे पेड़ पौधों का रख-रखाव और कटाई-छंटाई नहीं होने के कारण वह झाड़ झंकाड़ की तरह हो गए। पेड़-पौंधे ऊंचाई में भी काफी बढ़ गए है जो डिवाइडर पर दीवार का काम कर रहे हैं। इससे सड़क पर एक-दूसरी साइड में दिखना बंद हो गया। पेड़ पौधे नीचे की तरफ भी चारों तरह फैल गए है जो सड़क पर दोनों तरह बिखरे हुए है। बढ़े हुए पेड़ पौधों के कारण डिवाइडरों पर बने कट से सड़क पार करना मुश्किल हो गया। दिल्ली-मेरठ मार्ग पर आए दिन हादसे हो रहे है। दो दिन पूर्व गोविंदपुरी के पास सड़क पार कर रहे निजाम को झाड़ झंकाड़ के कारण दूसरी तरफ से ऑटो ने टक्कर मार दी थी। नगर पालिका परिषद डिवाइडर पर लगे पेड़ पौधों के रख-रखाव का अधिकार एनसीआरटीसी का बता रही है। चेयरमैन विनोद वैशाली का कहना है कि डिवाइडर पर लगे पेड़ पौधों का रख-रखाव एनसीआरटीसी के पास है। एनसीआरटीसी के अधिकारियों से कई बार इस बारे में बात की गई मगर कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला।

सेवानिवृत्त बुजुर्ग से मारपीट, कार्रवाई न होने पर पीड़ित ने दी पलायन की चेतावनी

गाजियाबाद। सिहानी गेट थानाक्षेत्र के राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव निवासी सतीश चंद्र सिंघल ने सोसायटी के ही गौरव बंसल पर मारपीट और गाली-गलौज का आरोप लगाया है। पीड़ित का आरोप है कि थाने में तहरीर दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। एसीपी से न्याय की गुहार लगाई है और कार्रवाई न होने पर सोसायटी से फ्लैट बेचकर पलायन की चेतावनी दी। आरोप है कि आए दिन आरोपी गौरव बंसल उन्हें सभी के सामने पीटने और हत्या की धमकी देता है। गत दिनों धमकी दी कि आरडब्ल्यूए में आकर दिखा। उन्होंने बताया कि वह प्रदेश सरकार के आडिट विभाग से सेवानिवृत्त हैं और सीनियर सिटीजन (74) हैं। वह सोसायटी कार्यकारिणी के चुने गए सदस्य भी हैं। घटना 28 फरवरी 2026 को हुई। पीड़ित बुजुर्ग ने एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद से मदद की गुहार लगाई है। एसीपी नंदग्राम ने बताया कि मामले की जांच कर आरोपी गौरव बंसल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच कर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

श्रमिकों को पीटकर घायल किया, चार पर रिपोर्ट

मोदीनगर। निवाड़ी के गांव खिंदौड़ा पर ईंट भट्ठे पर गाली देने का विरोध करने पर ठेकेदार के बेटे ने साथियों के साथ मिलकर श्रमिकों के साथ मारपीट की। पुलिस ने शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की है। गांव खिदौ ?ा निवासी सुल्तान, मौसम और शेर मोहम्मद गांव के भट्ठे पर मजदूरी करते हैं। पीड़ितों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मंगलवार शाम वह ईंट पथाई का सामान ला रहे थे। आरोप है कि उसी दौरान ठेकेदार शानू का बेटा चांद साथियों के साथ आया और गाली गलौज करने लगा। सुल्तान ने विरोध किया तो आरोपियों तीनों की बेरहमी से पिटाई कर दी। एसीपी मोदीनगर भास्कर वर्मा ने बताया कि चांद, जलीश, कुर्बान व वसीम निवासी गांव नेकपुर मुरादनगर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आईआईआईटी दिल्ली की तकनीक डिजिटल अनुभव को और बनाएगी वास्तविक

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) दिल्ली ने ह्यूमन-कंप्यूटर इंटरेक्शन (एचसीआई), वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और हैप्टिक तकनीक के क्षेत्र में पेटेंट को लेकर उपलब्धि हासिल की है। यह पेटेंट भविष्य में सहयोग और नई संभावनाओं के द्वार खोलेंगे। साथ ही संस्थान की नवाचार और प्रभावशाली शोध के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। भारतीय पेटेंट मिलने पर रिसर्च इंजीनियर डॉ. अभिजीत मिश्रा, डॉ. अमन परनामी और प्रोफेसर जैनेंद्र शुक्ला ने ह्यूमन-सेंटर्ड डिजाइन विभाग के सहयोग पर आभार जताया है। पहला पेटेंट मैग्नेटिक फील्ड आधारित इनपुट सेंसिंग पर आधारित है। इसके जरिये 90 फीसदी से अधिक सटीकता के साथ उपयोगकर्ता की गतिविधियों की पहचान हो सकती है। इससे भविष्य में एचसीआई प्रोटोटाइप और इंटरेक्शन डिजाइन को बढ़ावा मिलेगा। दूसरा पेटेंट वर्चुअल रियलिटी (वीआर) को लेकर मिला है। इसके तहत विकसित मॉब टैंजिबल स्मार्टफोन आधारित प्रणाली वीआर अनुभव को आसान बनाती है और जटिल प्रोटोटाइप की जरूरत कम करती है। जबकि तीसरा पेटेंट हैपटीड्रेग तकनीक से संबंधित है। यह हल्का और अत्याधुनिक उपकरण डिजिटल अनुभव को अधिक वास्तविक बनाने में मदद करेगा।

बरेली में 50 फीट ऊंचाई तक हवा में उड़े नन्हे अंसारी, मक्का के खेत में गिरे

बरेली। बरेली जिले में बुधवार को आई तेज आंधी ने तबाही मचा दी। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि भमोरा इलाके में नन्हे अंसारी टिनशेड के साथ हवा में उड़ गए और खेत में जाकर गिरे, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में घायल नन्हे अंसारी ने आपबीती बताई है। बरेली जिले में बुधवाई को आई तेज आंधी ने भारी तबाही मचाई। भमोरा इलाके में नन्हे अंसारी नामक व्यक्ति टिनशेड के साथ करीब 50 फीट ऊंचाई तक हवा में उड़ गए। वह मक्का के खेत में गिरे, जिससे उनके एक हाथ में फ्रैक्चर हो गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। भमोरा थाना पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। बबियाना गांव निवासी नन्हे अंसारी ई-रिक्शा चलाकर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। उन्होंने बताया कि वह गांव के बरातघर में टेंट का सामान लेकर गए थे। इसी दौरान आंधी चलने लगी, जिससे बरातघर का टिनशेड उखड़ने लगा। उन्होंने चार-पांच अन्य लोगों के साथ टिनशेड को रोकने का प्रयास किया। नन्हे ने टिनशेड में बंधी रस्सी को अपने हाथ में फंसा लिया था। आंधी इतनी तेज थी कि टिनशेड उखड़ गया और नन्हे भी उसके साथ हवा में उड़ गए। रस्सी छूटने पर वह बरातघर के पीछे मक्का के खेत में जा गिरे। परिजनों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनके हाथ पर प्लास्टर किया गया। उपचार के बाद वह अपने घर लौट आए हैं। नन्हे अंसारी ने बताया कि उन्हें हवा की इतनी तीव्रता का अंदाजा नहीं था। उन्होंने कहा कि वह खुद इस घटना से हैरान हैं। वह टिनशेड को रोकने के लिए रस्सी से हाथ में फंदा बनाकर खींच रहे थे। इसी दौरान वह टिनशेड के साथ हवा में ऊपर उठ गए। उनके अनुसार, वह करीब 50 फीट ऊपर पहुंच गए थे। हवा में उड़ते नन्हे का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह वीडियो आंधी की भयावहता को दर्शाता है। इस घटना ने लोगों को स्तब्ध कर दिया है। बरेली में बुधवार को आई आंधी ने कई इलाकों में नुकसान पहुंचाया है। सैकड़ों पेड़ और बिजली के खंभे टूट गए हैं।

गलियों में बिछेगी नई सीवर लाइन

पूर्वी दिल्ली। सीलमपुर विधानसभा क्षेत्र में जाफराबाद की गली नंबर 21 और 22 में नई सीवर पाइपलाइन बिछाई जाएगी। इससे स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी। बुधवार को विधायक चौधरी जुबैर अहमद और निगम पार्षद शगुफ्ता चौधरी जुबैर ने इस परियोजना का उद्घाटन किया। जाफराबाद की ये प्रमुख गलियां मुख्य मार्ग से जुड़ी होने की वजह से सड़कों पर सीवर का पानी बहता रहता है। आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी और स्थानीय लोगों ने कई बार स्थानीय प्रतिनिधि से शिकायत की थी। सीवर जाम और ओवरफ्लो की समस्या के वजह से स्थानीय निवासियों और कब्रिस्तान आने-जाने वाले लोगों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वहीं, सीवर की पाइपलाइन बदलने को लेकर विधायक ने बताया कि यह कार्य अगले 10 से 12 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYUR-DHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE
I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POONAM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARWAL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

झज्जर में गैंगवार, युवक को गोलियों से भूना

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के झज्जर जिले में गैंगवार के चलते एक युवक को गोलियों से छलनी कर दिया गया। मृतक की पहचान हितेश उर्फ गुल्लू निवासी गांव सुबाना के रूप में हुई। वारदात उस समय हुई, जब हितेश अपने घर के बाहर मौजूद था। इसी दौरान बोलेरो गाड़ी में सवार होकर आए 3 से 4 युवकों ने आते ही उसे घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। मौके पर 20 से 25 राउंड फायरिंग की गई। गोलियां लगने से हितेश की मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद हमलावर हथियार लहराते हुए वहां से फरार हो गए। वारदात के बाद गांव में दहशत का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से सबूत जुटाए। पुलिस के मुताबिक, मामला पुरानी रंजिश का है। एक आरोपी की पहचान हो गई है, जिस पर मृतक पक्ष की ओर से कुछ दिन पहले फायरिंग की गई थी। मामला गैंगवार से जुड़ा माना जा रहा है। पता किया जा रहा है कि दोनों किस गैंग से जुड़े हैं। डीएसपी धारणा यादव ने बताया कि मृतक और आरोपी के बीच पुरानी रंजिश चली आ रही थी। कुछ दिन पहले मृतक पक्ष की तरफ से भी आरोपी पर फायरिंग की गई थी। दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से विवाद है।

पंजाब सरकार को शहीद भगत सिंह की फोटो लगाने का अधिकार नहीं

सिरसा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा कि सरकार को ड्यूटी भ्रष्टाचार बढ़ाना नहीं होता। कांग्रेस के भ्रष्टाचार से तंग आकर पंजाब की जनता ने आप मौका दिया था, लेकिन आज पंजाब में भ्रष्टाचार चरम पर है। पंजाब नशे की दलदल में फंसा है। आम आदमी पार्टी ने पंजाब की जनता को सब्जबाग दिखाकर धोखा देने का काम किया है। मुख्यमंत्री सिरसा में आयोजित कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की जनता भोली जनता है, दिल्ली में मुख्यमंत्री रहते हुए अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली जैसे पेरिस बनाने के सपने पंजाब की जनता को दिखाए थे। लेकिन जब पंजाब में एक टॉवर पर ईडी की रेड पड़ती है तो कैसे नोटों की बरसात हुई, यह घटना कथित ईमानदार सरकार की पोल खोलती है। उन्होंने कहा कि शहीद भगत सिंह की फोटो लगाने का इन्हें अधिकार नहीं है, क्योंकि शहीद भगत सिंह ने आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित करने के लिए अपनी कुर्बानी दी थी, लेकिन उनके सपनों का पंजाब बनने की बजाय यह भ्रष्टाचार, घोटालों का पंजाब बन चुका है। पंजाब में तहसील, थानों में बिना पैसे काम नहीं होता। वहां की जनता परेशान है। सैनी ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पंजाब में बीजेपी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार बनेगी और वहां विकास को तेज गति से करते हुए भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएगी।

हरियाणा में राजस्व तंत्र को पूरी तरह डिजिटल बनाने के निर्देश

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में राजस्व और आपदा प्रबंधन तंत्र को पूरी तरह डिजिटल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में बड़े निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा विकसित भारत-2047 के अंतर्गत तैयार किए गए 5 वर्षीय कार्यान्वयन रोडमैप और कार्य योजना की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश में अब तक 4 लाख पेपरलेस रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं और किसी भी तहसील में 15 दिन से पुराना कोई आवेदन लंबित नहीं है। सरकार भूमि अभिलेखों के 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण, जियो-टैगिंग, यूनिक लैंड पार्सल नंबर, प्रॉपर्टी आईडी लिंकिंग और आधुनिक डाटा सेंटर पर काम कर रही है। सभी जिलों में एआई आधारित फायर कमांड सेंटर और अग्निशमन कार्यों में रोबोट के उपयोग की भी तैयारी की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा की दृष्टि से राजस्व विभाग द्वारा अपने डाटा की स्टोरेज के लिए हरियाणा स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (हार्ट्रॉन) के माध्यम से प्रदेश में अपडेटेड डाटा सेंटर स्थापित किया जा रहा है जिसके लिए टेंडर किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने शहरी संपत्ति के राजस्व रिकॉर्ड को प्रॉपर्टी आईडी के साथ लिंक करवाकर सुव्यवस्थित करवाने के भी निर्देश दिए।

हरियाणा में एफपीपीए सरचार्ज पर 10 जून को जनसुनवाई

चंडीगढ़। हरियाणा में बिजली उपभोक्ताओं से फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट (एफपीपीए) सरचार्ज की वसूली को लेकर 10 जून को फैसला होगा। हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग ने इस मामले में अब 10 जून को जनसुनवाई निर्धारित की है।उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम और दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने अतिरिक्त बिजली खरीद लागत की वसूली के लिए आयोग से अनुमति मांगी है। दोनों बिजली वितरण कंपनियों का तर्क है कि पिछले वर्षों में बिजली खरीद की लागत बढ़ी है। इस अतिरिक्त खर्च की भरपाई के लिए वह उपभोक्ताओं से भविष्य में 47 पैसे प्रति यूनिट की समान दर से राशि वसूलना चाहती हैं। कंपनियों ने यह भी प्रस्ताव दिया है कि यह वसूली मासिक आधार पर करने के बजाय आगामी वर्षों में चरणबद्ध तरीके से की जाए। आयोग ने स्पष्ट किया है कि इस मुद्दे पर अंतिम निर्णय लेने से पहले सभी पक्षों बिजली निगमों, उपभोक्ता संगठनों और आम लोगों की राय सुनी जाएगी। 10 जून को होने वाली सुनवाई में प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार किया जाएगा।

पृथ्वीराज चौहान का जीवन हर भारतीय को अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है: नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने शनिवार को पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वीराज चौहान का जीवन हर भारतीय को अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा देता है। सीएम सैनी ने एक्स पोस्ट में लिखा कि वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। राष्ट्रभक्ति, पराक्रम और आत्मगौरव के प्रतीक उनके जीवन से आज भी हर भारतीय को अन्याय के विरुद्ध डटकर खड़े होने की प्रेरणा मिलती है। उनका यशस्वी इतिहास सदैव आने वाली पीढ़ियों को मार्ग दिखाता रहेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट में लिखा कि भारतीय शौर्य और पराक्रम के शिखर पुरुष, महान योद्धा महाराज पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि की रक्षा के लिए समर्पित उनका अदम्य साहस और त्याग प्रत्येक पीढ़ी के लिए प्रेरणा का पुंज है। उनकी गौरवगाथाएं हमें राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति सदैव संकल्पित रहने की प्रेरणा देती हैं।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि भारतीय वीरता, स्वाभिमान और पराक्रम के अद्वितीय प्रतीक, महान योद्धा महाराज पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। मातृभूमि की रक्षा हेतु समर्पित उनका अदम्य साहस, अटूट संकल्प और अतुलनीय बलिदान युगों-युगों तक प्रत्येक पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। उनकी गौरवशाली गाथाएं हमें राष्ट्र की एकता, अखंडता और सम्मान की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहने का संदेश देती हैं।

हरियाणा सरकार में मंत्री विपुल गोयल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि अदम्य साहस, स्वाभिमान और राष्ट्ररक्षा के प्रतीक वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें नमन। अपने शौर्य, दृढ़ संकल्प और मातृभूमि के प्रति अटूट समर्पण से उन्होंने भारतीय इतिहास में अमिट गौरवगाथा लिखी। उनका प्रेरणादायी जीवन हर पीढ़ी को अन्याय के विरुद्ध निर्भीक होकर राष्ट्रहित में खड़े रहने का संदेश देता है।

भाजपा नेता सतीश उपाध्याय ने भी पोस्ट में लिखा कि वीरता, शौर्य और उदारता की अद्वितीय प्रतिमूर्ति, वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। आपकी गौरवगाथा युगों-युगों तक देशवासियों को गौरवान्वित करती रहेगी। वहीं, बिहार जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा ने लिखा कि शौर्य, पराक्रम और राष्ट्र-रक्षा के अप्रतिम प्रतीक, वीर शिरोमणि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उनके गौरवशाली इतिहास पर पूरे देश को गर्व है।

ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई पिंडारा तीर्थ पर डुबकी

एजेंसी

जींद। ज्येष्ठ माह की अमावस्या पर पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान किया तथा पिंडदान कर पितृ तर्पण किया और सुखद भविष्य की कामना की। ऐतिहासिक पिंडतारक तीर्थ पर शुक्रवार शाम से ही श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। पूरी रात धर्मशालाओं में सत्संग तथा कीर्तन आदि का आयोजन चलता रहा। सुबह से ही श्रद्धालुओं ने सरोवर में स्नान तथा पिंडदान शुरू कर दिया जो मध्यान्ह के बाद तक चलता रहा। इस मौके पर दूर दराज से आएं श्रद्धालुओं ने अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया तथा सूर्यदेव को जलार्पण करके सुख समृद्धि की कामना की। पिंडतारक तीर्थ के संबंध में किदवंती है कि महाभारत युद्ध के बाद पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए पांडवों ने यहां 12 वर्ष तक सोमवती अमावस्या की प्रतीक्षा में तपस्या की। बाद में सोमवती अमावस्या पर युद्ध में मारे गए परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पिंडदान किया। तभी से यह माना जाता है कि पांडू पिंडारा स्थित पिंडतारक तीर्थ पर पिंडदान करने से पूर्वजों को मोक्ष मिल जाता है। महाभारत काल से ही पितृ विसर्जन की अमावस्या, विशेषकर

सोमवती अमावस्या पर यहां पिंडदान करने का विशेष महत्व है। यहां पिंडदान करने के लिए विभिन्न प्रांतों के लोग श्रद्धालु आते हैं। जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री ने बताया कि पितृ दोष से मुक्ति के लिए ज्येष्ठ अमावस्या को महत्वपूर्ण माना गया है। अमावस्या के दिन स्नान, दान, पितरों का तर्पण करने से जीवन में खुशहाली बनी रहती है। इसलिए इस दिन श्रद्धानुसार जरूरतमंद लोगों को दान करना बेहद शुभ माना गया है।

सीवरेज समस्या के विरोध में लोगों ने जींद-भिवानी मार्ग पर लगाया जाम

एजेंसी

जींद। सीवरेज समस्या को लेकर शनिवार को अजमेर बस्ती के लोगों ने जींद-भिवानी मार्ग जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सीवरेज पानी निकासी व्यवस्था बहाल करने और सीवर लाइन दुरुस्त करने की मांग की। जाम लगने की सूचना मिलने पर शहर थाना प्रभारी दिनेश कुमार मौके पर पहुंचे और कालोनीवासियों की समस्या का शीघ्र निदान करने का आश्वासन दिया लेकिन कालोनीवासी अपनी मांग पर अड़े। कालोनीवासियों ने कहा कि जब तक उनकी समस्या का निदान नही होता तब तक जाम नही खोलेंगे। जाम लगाए लोगों का कहना है कि कुछ वर्ष पहले रेलवे लाइन के नीचे से सीवरेज पानी की निकासी सुचारू रूप से होती थी। जिससे सीवरेज का पानी आसानी से निकल जाता था लेकिन रेलवे द्वारा कार्य कराए जाने के बाद निकासी बंद हो गई। परिणामस्वरूप सीवरेज का पूरा इलाका पानी में डूब जाता है। गंदा पानी घरों में घुसने, सड़कों पर जाम होने और मच्छरों के पनपने से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ गई हैं। बच्चों और बुजुर्गों की सेहत सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। कालोनीवासियों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि हमारी समस्या को लगातार अनसुना किया जा रहा है। प्रशासन और रेलवे विभाग की लापरवाही के कारण रोजाना परेशान हो रहे हैं। जाम के कारण जींद-भिवानी मार्ग पर यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलते ही शहर थाना प्रभारी दिनेश कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने लोगों से बातचीत की और समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। थाना प्रभारी ने कहा कि मामले को संबंधित विभागों नगर परिषद और रेलवे के संज्ञान में लाया जाएगा और जल्द बैठक कर समाधान निकाला जाएगा।

एनीमिया के खिलाफ चल रही मुहिम में हरियाणा अन्य राज्यों के लिए बना प्रेरणा का स्रोत : आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि एनीमिया के खिलाफ चल रही मुहिम में हरियाणा अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है। राज्य ने 'एनीमिया मुक्त भारत' स्कोरकार्ड 2025-26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में दूसरा स्थान हासिल किया है। हरियाणा का यह प्रदर्शन एनीमिया को कम करने के प्रति राज्य की मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि हरियाणा ने 86.5 के एएमबी इंडेक्स के साथ शीर्ष प्रदर्शन करने वाले राज्यों में अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। वर्ष 2024-25 में हरियाणा पांचवें स्थान पर था, जिससे इस वर्ष की रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार देखने को मिला है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह उपलब्धि बहुआयामी रणनीति का परिणाम है। इसके तहत एनीमिया उन्मूलन माह के दौरान विशेष अभियान, 100-दिवसीय एनीमिया

नियंत्रण अभियान, और राज्य द्वारा विकसित एनीमिया ट्रैकिंग वेब एप्लीकेशन के माध्यम से डेटा प्रबंधन किया गया। उन्होंने बताया कि एएमबी स्कोरकार्ड, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है, जिसमें आयरन और फोलिक एसिड (IFA) सप्लीमेंटेशन की कवरेज को पांच प्रमुख वर्गों '6 से 59 माह के बच्चे, 5 से 9 वर्ष के स्कूली बच्चे, 10 से 19 वर्ष के किशोर, गर्भवती महिलाएं और स्तनपान कराने वाली माताएं' में मापा जाता है। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे बताया कि हरियाणा उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है जहां लगातार वर्षों से 5-9 वर्ष के बच्चों और गर्भवती महिलाओं में 95 प्रतिशत तक की उच्चतम कवरेज बनी हुई है। वहीं, स्तनपान कराने वाली माताओं में ढ्ढस्न कवरेज 2024-25 के 72.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025-26 में 72.8 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय औसत 65.4 के मुकाबले 86.5 का एएमबी इंडेक्स हरियाणा को देश के शीर्ष दो राज्यों में शामिल करता है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) हरियाणा के मिशन निदेशक डॉ. आर.एस. ढिल्लों ने बताया कि राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर पर नियमित समीक्षा बैठकें, आईएफए दवाओं की अंतिम छोर तक आपूर्ति सुनिश्चित करना, स्वास्थ्य, आईसीडीएस और शिक्षा विभागों के बीच बेहतर समन्वय, तथा एएनएम, आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। साथ ही, कम प्रदर्शन वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी और जनजागरूकता अभियानों के माध्यम से एनीमिया रोकथाम को बढ़ावा दिया गया है। डॉ ढिल्लों ने कहा कि हरियाणा का यह प्रदर्शन देश में एनीमिया के खिलाफ चल रही मुहिम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है और अन्य राज्यों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।

आम आदमी पार्टी किसी संस्था को नहीं मानती व सभी की अवमानना करती हैं, अब कोर्ट इन्हें सबक सिखाएगा - ऊर्जा मंत्री अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री श्री अनिल विज ने दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी के कई नेताओं के खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की गई है, पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी नाम की जो चीज है यह देश की किसी भी संस्था को नहीं मानती। न यह ईडी व सीबीआई को मानते है, न ही यह पुलिस व कोर्ट को मानते हैं। यह समय-समय पर सबकी अवमानना करते हैं। अब लगता है कि कोर्ट इनको अच्छा सबक सिखाएगी। श्री विज आज अम्बाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। चुनाव आयोग ने तीसरे चरण में देश के 19 राज्यों में एसआईआर कराने जिनमें हरियाणा भी शामिल है की घोषणा की, जिसका ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने स्वागत करते हुए कहा कि हम पूरी तरह से तैयार है, इसके लिए वह चुनाव आयोग को साधुवाद देना चाहते हैं कि उन्होंने जो मतदाता सूची के शुद्धीकरण का कार्य सारे देश में कर रहे हैं। अब 20-20 वर्ष से जो काम नहीं हुआ, बहुत सारे लोग बाहर चले गए हैं, कईयों की मृत्यु हो गई जिनके नाम नहीं कटे हैं।

बहुत सारे लोग जिनका हक नहीं बनता वह भी कोई न कोई तिकड़म बनाकर अपनी वोट बना ली। तो मतदाता सूचियों का सही होना बहुत जरूरी है।

मंत्री अनिल विज ने पेट्रोल व डीजल के दामों में बढ़ौत्तरी को लेकर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह स्वाभाविक है कि हमारा 25 प्रतिशत तेल व गैस स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकलकर आता है जिसकी अमेरिका ने घेराबंदी कर दी है। वहां से एक भी तेल का टैंकर नहीं निकल पा रहा है। इस वजह से इसका खामियाजा भुगतना ही पड़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच देशों की यात्रा पर है जिसे लेकर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि प्रधानमंत्री के जो अंतरराष्ट्रीय संबंध है वो आज तक के जितने भी प्रधानमंत्री हुए उन सभी से बेहतर है। वह समय-समय सभी के पास जाकर मिलते रहते हैं और देश की जो समस्याएं होती है या द्विपक्षीय मुद्दे होते हैं उन पर चर्चाएं करते हैं। टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजे में हेराफेरी की है जिस पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया दी और कहा कि स्वीकार करना ही प्रजातंत्र में बेहतर होता है। अब रोना धोना खत्म हो गया, अब तो सारे देश ने वहां के नतीजों को स्वीकार लिया है और उनको भी स्वीकार कर लेना चाहिए। वहीं, अम्बाला छावनी में सदर बाजार चौक और निकलसन रोड का नाम बदलने पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हमने सदर बाजार चौक पर महाराणा प्रताप जी की प्रतिमा लगाई है इस चौक का नाम महाराणा प्रताप चौक रख दिया जाए और निकलसन रोड का नाम महाराणा प्रताप सड़क रख दिया जाए। नगर परिषद को हमने लिखकर दे दिया है।

नारनौल के 20 बुजुर्ग श्री नांदेड़ साहिब के लिए रवाना

एजेंसी

नारनौल। जिले के 20 श्रद्धालु मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत विशेष ट्रेन से पवित्र धार्मिक यात्रा पर रवाना हुए। सभी लाभार्थी दादरी और रेवाड़ी रेलवे स्टेशन से रात को इस विशेष ट्रेन में सवार हुए। पांच दिवसीय इस धार्मिक यात्रा के दौरान श्रद्धालु सिखों के प्रमुख आस्था केंद्र श्री नांदेड़ साहिब के दर्शन करेंगे। जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को यात्रा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश देकर रवाना किया गया। यात्रा पर रवाना हुए बुजुर्ग श्रद्धालुओं ने बताया कि सरकार की इस जनकल्याणकारी योजना का लाभ उठाने की प्रक्रिया बेहद सरल और पारदर्शी रही। उन्होंने कहा कि सभी यात्रियों ने सरल पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराया था, जिसके बाद पात्रता की जांच कर उनका चयन किया गया। लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार ने आधुनिक तकनीक और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से बुजुर्गों को घर बैठे तीर्थ यात्रा का अवसर प्रदान किया है।

श्रद्धालुओं ने बताया कि आर्थिक कारणों से कई बुजुर्ग वर्षों से तीर्थ यात्रा करने में सक्षम नहीं थे, लेकिन मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना ने उनकी यह इच्छा पूरी कर दी। उन्होंने कहा कि यह यात्रा केवल धार्मिक महत्व तक सीमित नहीं है, बल्कि बुजुर्गों के जीवन में मानसिक शांति, नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार भी करेगी। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों के लिए शुरू की गई है, ताकि वे देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकें और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर सकें।

ज्ञान भारतम् मिशन के तहत दुर्लभ पांडुलिपियों का डेटाबेस होगा तैयार

एजेंसी

गुरुग्राम। भारत की समृद्ध परम्परा, सांस्कृतिक धरोहर एवं बौद्धिक विकास के महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में प्राचीन पाण्डुलिपियां, ताड़पत्र एवं दुर्लभ अभिलेखों के संरक्षण एवं भावी पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा ज्ञान भारतम् मिशन के तहत राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि इस मिशन के अंतर्गत गत 16 मार्च 2026 से राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण अभियान संचालित किया जा रहा है, जिसमें जनभागीदारी के माध्यम से देशभर के परिवारों, मंदिरों एवं संस्थाओं में उपलब्ध पांडुलिपियों को ज्ञान भारतम् ऐप के जरिए जियो-टैग कर सूचीबद्ध एवं डिजिटल रूप से संरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2025-26 के यूनियन बजट में की गई घोषणा अनुरूप द्वारा भारत सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत एक प्रमुख पहल के रूप में ज्ञान भारतम् मिशन शुरू किया है, जिसके तहत इन पांडुलिपियों को समय के प्रभाव से बचाने के लिए

उनका डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मठों, मंदिरों और निजी पुस्तकालयों के प्रबंधकों से संवाद स्थापित कर पांडुलिपियों के संरक्षण में उनका सहयोग लिया जाएगा। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाएगा कि संरक्षण कार्य के दौरान मूल दस्तावेजों को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचे। उन्होंने बताया कि पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है ताकि उच्च गुणवत्ता में उनका संग्रहण संभव हो सके।

15 जून तक जारी रहेगा सर्वेक्षण का कार्य

उपायुक्त ने बताया कि ज्ञान भारतम् अभियान के तहत लगभग 75 वर्ष या उससे अधिक पुरानी पांडुलिपियों को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस पहल से जिले की ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी। उन्होंने आह्वान किया कि ज्ञान भारतम् मिशन के तहत आम नागरिक भी अपनी पांडुलिपियों की जानकारी मोबाइल ऐप के माध्यम से साझा कर सकते हैं। चिन्हित पांडुलिपियों को राष्ट्रीय डिजिटल रिपॉजिटरी में सुरक्षित रखा जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस अभियान में पांडुलिपि धारकों का स्वामित्व पूर्णतः सुरक्षित रहेगा।

भजन लाल विवाद पर रेखा शर्मा ने मांगी माफी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में करीब एक माह पूर्व से मुख्यमंत्री स्वर्गीय भजन लाल को लेकर चल रहा विवाद शाम खत्म हो गया। राज्य सभा सांसद रेखा शर्मा ने इस मामले पर खेद जताया और कुलदीप बिश्नोई ने अपने समर्थकों को इस विवाद को खत्म करने की अपील की। इधर, मुख्यमंत्री नायब सैनी ने भी भजनलाल की जमकर तारीफ की। नगर निगम चुनाव के दौरान राज्यसभा सांसद रेखा शर्मा ने पंचकूला में आयोजित एक जनसभा के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल तथा उनके बेटे चंद्र मोहन को लेकर टिप्पणी की थी। इस टिप्पणी के बाद भजन लाल के बेटे एव पंचकूला से कांग्रेस विधायक चंद्र मोहन ने जहां रेखा शर्मा के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की, वहीं भजनलाल के छोटे बेटे एवं भाजपा नेता कुलदीप बिश्नोई के समर्थको ने पर प्रदेश भर में रेखा शर्मा के विरुद्ध पुलिस में शिकायतें दी। कुलदीप बिश्नोई समर्थक रेखा शर्मा के विरुद्ध लगातार आक्रामक रहे। कुलदीप बिश्नोई समर्थक भाजपा से अलग राह अपनाने के लगातार संकेत दे रहे थे। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए पूरे विवाद को खत्म कर दिया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सिरसा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल की तारीफ करते हुए कहा कि हरियाणा के विकास को लेकर उनके द्वारा दिए गए बहुमूल्य योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। इस बीच सांसद रेखा शर्मा ने एक वीडियो संदेश जारी करके पूरे घटनाक्रम पर खेद जताते कहा कि उनका बयान किसी पर व्यक्तिगत टिप्पणी का नहीं बल्कि एक पार्टी की व्यवस्था के खिलाफ था। चौधरी भजनलाल जी जमीनी और सम्मानित मुख्यमंत्री रहे हैं। रेखा शर्मा के इस बयान के बाद कुलदीप बिश्नोई ने भी एक वीडियो जारी करके यह पूरा घटनाक्रम समाप्त होने का दावा किया। कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि वह रेखा शर्मा के बयान से पूरी तरह से संतुष्ट हैं। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वह अब इस संबंध में कोई भी वीडियो जारी नहीं करेंगे और ना ही किसी प्रकार का बयान देंगे।

पेट्रोल एवं ऊर्जा संरक्षण के लिए कुलगुरु ने की सार्थक पहल, केयू कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा पैदल पहुंचे कार्यालय

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देशवासियों से एक वर्ष तक सोना न खरीदने, पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने तथा छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में सहयोग करने के आह्वान के बाद कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में भी सकारात्मक पहल शुरू हो गई है।

इसी कड़ी में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा अपने कुलगुरु निवास से कुलगुरु कार्यालय तक पैदल पहुंचे। इस अवसर पर प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालय शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील करते हुए कहा कि जहां तक संभव हो सके, सभी को अपने निजी वाहनों का कम से कम प्रयोग करना चाहिए तथा पैदल चलने या साइकिल का उपयोग करने की आदत अपनानी चाहिए।

प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व बनता है कि वह राष्ट्रहित में छोटे-छोटे कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यदि हम थोड़ी दूरी के लिए वाहन प्रयोग करने की बजाय पैदल चलना या साइकिल चलाना शुरू करें तो इससे न केवल पेट्रोल-डीजल की बचत होगी बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि इस प्रकार की पहल से लोगों का स्वास्थ्य भी बेहतर रहेगा तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने विश्वविद्यालय परिवार से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री के संदेश को जन-जन तक पहुंचाएं और ऊर्जा बचत एवं पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। यह एक छोटा, सरल, किंतु अत्यंत प्रभावी कदम है जो राष्ट्रहित और समाजहित दोनों की दृष्टि से उपयोगी सिद्ध हो सकता है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. वीरेंद्र पाल भी अपने कार्यालय पैदल पहुंचे। उन्होंने कहा कि छोटे-

छोटे प्रयासों से बड़े बदलाव संभव हैं और यदि अधिक से अधिक लोग पैदल चलने या साइकिल के उपयोग को अपनाएं तो इससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर कुलसचिव डीन आफ कालेजिज प्रो. ब्रजेश साहनी, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. ए.आर. चौधरी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. आनंद कुमार, बलजीत, पंकज मौजूद रहे।

हरियाणा में शुरू होंगी राजस्व लोक अदालतें,जमीनी विवादों का होगा निपटारा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने भूमि-विवादों का निपटारा करने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया है। हरियाणा में जमीन संबंधी विवादों के त्वरित समाधान को लेकर सभी जिलों में राजस्व लोक अदालतें लगाई जाएंगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा विजन-2047 के तहत राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए डिजिटल कोर्ट केस मैनेजमेंट सिस्टम, फेसलेस रजिस्ट्रेशन, ब्लॉक-चेन आधारित ई-स्टाम्प व्यवस्था, भू-अभिलेखों के 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण और सरकारी जमीनों को ऑनलाइन पोर्टल से जोडने पर जोर दिया। साथ ही पटवारियों को लैपटॉप, टेबलेट व हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने, राज्य स्तरीय प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने तथा एआई आधारित अग्निशमन एवं आपदा प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि हर जिले में राजस्व लोक अदालतें लगाई जाएं और उपायुक्त, एसडीएम व तहसीलदार विवादित पक्षों के बीच आपसी सहमति से विवादों का समयबद्ध ढंग से समाधान करवाएंगे। बैठक में राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव एवं एफसीआर डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि राजस्व संबंधी विवादों के शीघ्र समाधान के लिए विभाग द्वारा डिजिटल कोर्ट केस मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया जाएगा ताकि विवादों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जा सके। इस पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भूमि विवादों के तीव्र समाधान के लिए राष्ट्रीय लोक अदालत की तर्ज पर राजस्व लोक अदालत लगाई जाएं जिसमें संबंधित अधिकारी दोनों पक्षों की आपसी सहमति से विवादों का समाधान करवाएं। इसके लिए सभी जिलों में पटवारियों के माध्यम से लोगों को सूचित व जागरूक किया जाए और उपायुक्त, एसडीएम तथा तहसीलदार लक्ष्य निर्धारित कर भू-विवादों का समाधान करवाएं ताकि आमजन को राहत मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्व विभाग में परंपरागत तरीकों से अलग हटकर नई ऑनलाइन सेवाएं शुरू की जाएं ताकि आमजन को सभी सरकारी सेवाएं पारदर्शी व सरल तरीके से मिल सकें। उन्होंने कहा कि सभी नव-नियुक्त पटवारियों के लिए लैपटॉप व टेबलेट की खरीद की जाए और हाई-स्पीड इंटरनेट सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएं ताकि सभी पटवारी डिजिटल माध्यम से सेवाएं दे।

हिंदुस्तान कॉपर का मुनाफा 137 फीसदी बढ़कर 444 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 137.3 प्रतिशत बढ़कर 444.27 करोड़ रुपये रहा। बताया जा रहा है कि बेहतर राजस्व के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। वित्त वर्ष-2024-25 की मार्च तिमाही में कंपनी का मुनाफा 187.18 करोड़ रुपये था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय 58 प्रतिशत बढ़कर 1,156 करोड़ रुपये रही, जबकि एक वर्ष पूर्व यह 731.40 करोड़ रुपये थी। हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 1.86 रुपये के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो शेयरधारकों की मंजूरी के बाद लागू होगा। निदेशक मंडल ने निजी नियोजन के आधार पर गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के माध्यम से 500 करोड़ रुपये तक जुटाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ने से व्यापारिक संगठन चिंतित

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर भी पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की हालिया मूल्य वृद्धि ने व्यापारिक संगठनों को चिंतित कर दिया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने चेतावनी दी है कि इसका असर पूरे व्यापारिक ढांचे पर पड़ेगा, जिससे महंगाई बढ़ेगी और उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति प्रभावित होगी। सीटीआई के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार ट्रांसपोर्ट सेक्टर पर सबसे बड़ा असर पड़ेगा, जहां ट्रकों का दैनिक डीजल खर्च 250-300 रुपए तक बढ़ जाएगा। इससे माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी और लॉजिस्टिक्स महंगे होंगे। दिल्ली के थोक बाजारों में बाहर से आने वाले सामान का भाड़ा 3 से 5 प्रतिशत तक बढ़ सकता है, जिससे कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, मसाले समेत विभिन्न उत्पाद महंगे होंगे। छोटे व्यापारी और रेस्टोरेंट भी डिलीवरी वैन व जेनरेटर की बढ़ी लागत से जूझेंगे, जिससे खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ सकती हैं। संगठन का अनुमान है कि बढ़ती महंगाई के कारण उपभोक्ता गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करेंगे, जिससे कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स और खानपान सेक्टर में बिक्री 5-8 प्रतिशत तक घट सकती है। ऑटो, ई-रिक्शा व कैब का किराया बढ़ने से बाजारों में फुटफॉल घटेगा। यह वृद्धि पूरी सप्लाई चेन और आम उपभोक्ता पर भारी पड़ेगी।

अप्रैल में निर्यात ने भरी ऊंची उड़ान, सोने के आयात से व्यापार घाटा बढ़ा

सोना-चांदी के बढ़ते आयात से घाटा तीन महीने के शीर्ष पर

नई दिल्ली ।

पश्चिमी एशिया में जारी संकट और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं के बावजूद भारत के वस्तु निर्यात ने अप्रैल में शानदार प्रदर्शन किया। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार यह 13.8 फीसदी बढ़कर 43.56 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक है। हालांकि, सोने और चांदी के बढ़ते आयात ने व्यापार घाटे को 28.38 अरब डॉलर पर पहुंचा दिया, जो तीन महीने का उच्च स्तर है। कुल आयात भी 10त्न बढ़कर 71.94 अरब डॉलर रहा। वाणिज्य सचिव ने बताया कि कमोडिटी कीमतों में तेजी और भारतीय उद्योगों के बाजार विविधीकरण प्रयासों से निर्यात को बढ़ावा मिला। पेट्रोलियम उत्पाद (34.7त्न बढ़कर 9.59 अरब डॉलर) और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुएं निर्यात वृद्धि के प्रमुख वाहक रहे। चीन और सिंगापुर को निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जबकि होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी के कारण संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ व्यापार प्रभावित हुआ। आयात पक्ष पर, सोने का शिपमेंट 81.7 फीसदी बढ़कर 5.63 अरब डॉलर हो गया, जिससे व्यापार घाटे पर दबाव बढ़ा। चांदी का आयात भी दोगुना से अधिक हुआ। सेवाओं का निर्यात भी 13.4त्न की वृद्धि के साथ 37.24 अरब डॉलर रहा, जिससे भारत को 20.58 अरब डॉलर का अनुमानित सेवा व्यापार अधिशेष मिला। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य बना रहा।

18700 रुपए किलो चांदी के दाम गिरे एक दिन में

चांदी की गिरावट और तेजी , बाजार हैरान

ई टी एफ में चांदी की गिरावट में चार बड़े कारण

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमतों में एक ही दिन में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार में चांदी करीब 18,700 रुपए प्रति किलो तक टूट गई, जिससे निवेशक और कारोबारी दोनों हैरान रह गए। वहीं सिल्वर ईटीएफ में भी करीब 9 प्रतिशत तक की गिरावट देखी गई। विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका और डॉलर की मजबूती ने कीमती धातुओं पर दबाव बढ़ा दिया है।

जानकारों का कहना है कि महंगाई के आंकड़े उम्मीद से अधिक आने के बाद निवेशकों ने सुरक्षित निवेश के तौर पर डॉलर की ओर रुख किया। इसके चलते सोना और चांदी दोनों कमजोर हुए। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में औद्योगिक मांग घटने और बड़े निवेशकों की बिकवाली ने भी चांदी की कीमतों को नीचे खींचा।

हालांकि बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि यह गिरावट लंबे समय तक नहीं रह सकती। औद्योगिक उपयोग और वैश्विक मांग बढ़ने पर आने वाले समय में चांदी में फिर तेजी देखने को मिल सकती है। फिलहाल निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगली नीति बैठक पर टिकी हुई है।

जैन इरिगेशन को 19 करोड़ रुपए का घाटा

नई दिल्ली।

जैन इरिगेशन सिस्टम्स को वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 19 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। मुख्य रूप से अधिक खर्च के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल पहले इसी तिमाही में उसे 27.86 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। कुल आय मार्च तिमाही में बढ़कर 1,824.63 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले 2024-25 की इसी तिमाही में 1,750.15 करोड़ रुपये थी। हालांकि इस दौरान खर्च बढ़कर 1,774.91 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1,703.71 करोड़ रुपये था।पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 39.99 करोड़ रुपये का घाटा हुआ, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 25.69 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था।कुल आय बढ़कर 6,413.31 करोड़ रुपये हो गयी जो एक साल पहले 5,793.24 करोड़ रुपये थी।

आरबीएल बैंक में बहुलांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण को वित्त मंत्रालय ने दी मंजूरी

देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय ने दुबई स्थित एमिरेट्स एनबीडी बैंक को आरबीएल बैंक में 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी के अधिग्रहण की मंजूरी दे दी है। इससे देश में करीब 26,850 करोड़ रुपये के निवेश का रास्ता साफ हो गया है। आरबीएल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग की ओर से भेजे गए एक पत्र में इस प्रस्तावित अधिग्रहण को मंजूरी दी गई है। यह मंजूरी कुल चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 49 प्रतिशत से अधिक और 74 प्रतिशत तक हिस्सेदारी लेने के लिए दी गई है। इस अधिग्रहण सौदे की घोषणा 18 अक्टूबर, 2025 को की गई थी। इसे भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय निवेशों में से एक माना जा रहा है। प्राथमिक पूंजी निवेश के तौर पर करीब तीन अरब डॉलर (करीब 26,850 करोड़ रुपये) का निवेश किया जाएगा। यह बैंक को वृद्धि के अपने अगले चरण के लिए मजबूत स्थिति में लाएगा।प्रस्तावित निवेश के तहत एमिरेट्स एनबीडी बैंक तरजीही निर्गम के जरिये 280 रुपये प्रति शेयर के भाव पर 959,045,636 इक्विटी शेयरों को खरीदेगा। इस सौदे के बाद आरबीएल बैंक में इस विदेशी बैंक की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से 74 प्रतिशत के बीच रह सकती है, जो नियामकीय शर्तों पर निर्भर होगी।लेनदेन के बाद बैंक में विदेशी बैंक की अनुषंगी इकाई वाला मॉडल लागू होगा और एमिरेट्स एनबीडी बैंक को प्रवर्तक के रूप में मान्यता मिलेगी ।इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक और प्रतिस्पर्धा आयोग भी इस अधिग्रहण प्रस्ताव को मंजूरी दे चुके हैं।

बाजार में तूफान- पीएम मोदी की किफायत अपील और वैश्विक तनाव ने भारतीय शेयर बाजार को हिलाया

शुरुआती भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में दिखी मामूली रिकवरी, रुपया भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई ।

बीता हफ्ता भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद उथल-पुथल भरा रहा, जो निवेशकों के धैर्य की कड़ी परीक्षा लेता दिखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देश के लोगों से किफायत बरतने की अपील के बाद बाजार में भूचाल आ गया, जिससे शुरुआती कारोबारी दिनों में प्रमुख सूचकांकों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली ने इस गिरावट को और गहरा कर दिया। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया, जो देश की आर्थिक चिंताओं को बढ़ा रहा था। हालांकि, हफ्ते के मध्य से बाजार में कुछ रिकवरी देखने को मिली, लेकिन शुक्रवार को हुई आखिरी सत्र की बिकवाली ने हफ्ते भर की बढ़त को आंशिक रूप से समाप्त कर दिया, जिससे बाजार का सफर एक रोलरकोस्टर राइड जैसा महसूस हुआ।

पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट- पीएम की अपील और बाजार में बड़ी गिरावट हफ्ते की शुरुआत ही झटके के साथ हुई। प्रधानमंत्री मोदी की देशवासियों से किफायत बरतने की अपील का सीधा असर घरेलू शेयर बाजार पर दिखा। सोमवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स करीब 900 अंक तक टूट गया, वहीं निफ्टी भी 23950 के नीचे आ गया। दिनभर चली बिकवाली के कारण प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,312.91 अंक गिरकर 76,015.28 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 360.30 अंक लुढ़ककर 23,815.85 पर आ गया। भू-राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट- भू-

राजनीतिक तनाव और रिकॉर्ड गिरावट सोमवार की गिरावट का सिलसिला मंगलवार को भी जारी रहा और बाजार पर दबाव और बढ़ गया। पश्चिम एशिया में जारी तनाव, अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को लेकर अनिश्चितता और विदेशी निवेशकों की लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बिकवाली ने बाजार को और नीचे धकेल दिया। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 525.44 अंक और निफ्टी 164.5 अंक नीचे आ गया। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,456.04 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 74,559.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 436.30 अंक टूटकर 23,379.55 पर आ गया। गिरावट पर लगाम, बाजार में स्थिरता- दो दिनों की भारी बिकवाली के बाद बुधवार को बाजार में कुछ स्थिरता देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में मामूली बढ़त के बाद, हालांकि सूचकांक नकारात्मक दायरे में फिसल गए, लेकिन दिन के अंत में बिकवाली पर लगाम लगी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 49.74 अंक बढ़कर 74,608.98 पर बंद हुआ।

ईंधन कीमत वृद्धि का लाभ धो डालेगी रुपये की गिरावट-रिपोर्ट

3 रुपए प्रति लीटर की वृद्धि से मिली 52,700 करोड़ की राहत

नई दिल्ली ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग ने अपनी इकोरैप रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में और गिरावट से तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को वाहन ईंधन की कीमतों में हाल ही में की गई बढ़ोतरी से मिलने वाला पूरा लाभ समाप्त हो सकता है। यह चिंता ऐसे समय में आई है जब शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर 95.81 पर बंद हुआ। सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने पश्चिम एशिया संकट और कच्चे तेल की बढ़ती वैश्विक कीमतों के मद्देनजर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन-तीन रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। इस कदम से ओएमसी को खुदरा बिक्री पर हो रहे नुकसान (अंडर-रिकवरी) में करीब 52,700 करोड़ रुपये की राहत मिल सकती है, जो वित्त वर्ष 2026-27 में अपेक्षित कुल नुकसान का लगभग 15 प्रतिशत है। हालांकि, रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि यदि रुपये में मौजूदा औसत स्तर से केवल दो रुपये की और कमजोरी आती है, तो कच्चे तेल के आयात की लागत इतनी बढ़ जाएगी कि ईंधन मूल्य वृद्धि का पूरा लाभ समाप्त हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, रुपया पहले ही एक महत्वपूर्ण गिरावट स्तर के करीब है, जिसके बाद और कमजोरी से लाभ खत्म हो सकता है।

एसबीआई रिपोर्ट में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के हवाले से यह भी बताया गया है कि तेल विपणन कंपनियों को प्रतिदिन लगभग 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है, जो सालाना लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये बैठता है।

सेल का चौथी तिमाही में मुनाफा बढ़कर 1,680 करोड़ पर

नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का एकल आधार पर मुनाफा 42 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1,680 करोड़ रुपये रहा।सेल एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में कंपनी ने 1,178 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। चौथी तिमाही में कंपनी की परिचालन आय बढ़कर 30,813 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2024-25 की इसी तिमाही में 29,316 करोड़ रुपये थी। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति इक्विटी शेयर 2.35 रुपये के अंतिम लाभांश को भी मंजूरी दी है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में शुद्ध लाभ बढ़कर 3,233 करोड़ रुपये रहा, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में यह 2,148 करोड़ रुपये था।वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,10,810 करोड़ रुपये रही, जो 2024-25 में 1,02,478 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ए. के. पंडा ने कहा कि बिक्री मात्रा में वृद्धि के साथ माल-भंडार और उधारी में कमी ने हमारी लाभप्रदता को और मजबूत किया है। इसके परिणामस्वरूप कर-पूर्व लाभ और कर-पश्चात लाभ में वृद्धि दर्ज की गई है।

ब्रिटेन के स्टील प्रतिबंध से भारत-ब्रिटेन एफटीए की राह मुश्किल

दोनों देश रचनात्मक समाधान की तलाश में

नई दिल्ली (ईएमएस)। ब्रिटेन के नए इस्पात आयात प्रतिबंधों के कारण भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अब देरी से लागू हो सकता है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि ब्रिटेन के इन इस्पात संबंधी उपायों को एफटीए वार्ता के दौरान ध्यान में नहीं रखा गया था। अग्रवाल ने कहा कि दोनों देश इन मुद्दों से निपटने के लिए विशिष्ट एवं रचनात्मक समाधान तलाश रहे हैं ताकि प्रस्तावित व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता जल्द लागू हो सके। यह समझौता पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षरित हुआ था और वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मई में इसके प्रभावी होने की उम्मीद जताई थी। ब्रिटेन 1 जुलाई 2026 से शुल्क-मुक्त इस्पात आयात पर सीमा लागू करेगा, जिससे कुल कोटा मौजूदा संरक्षण उपाय की तुलना में 60 प्रतिशत कम हो जाएगा। इस स्तर से अधिक आयात पर 50 प्रतिशत शुल्क लगेगा। 2025-26 में भारत से ब्रिटेन को 89.34 करोड़ डॉलर मूल्य के इस्पात उत्पादों का निर्यात हुआ, जो ब्रिटेन को होने वाले कुल भारतीय निर्यात का एक

अहम हिस्सा है। अमेरिकी दल अगले महीने भारत आने की संभावना है। दोनों देशों के अधिकारी अंतरिम समझौते को अंतिम रूप देने और व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता आगे बढ़ाने के लिए मिलेंगे। भारत धारा-301 के तहत जांच को लेकर भी अमेरिका से बातचीत कर रहा है।

वैश्विक तेल उछला, रूस-वेनेजुएला को मिली आर्थिक संजीवनी

ब्रेंट क्रूड 120 डॉलर के पार, पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद रूस का निर्यात बढ़ा

नई दिल्ली ।

ईरान में जारी युद्ध के कारण पिछले दो महीनों से दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाएं भारी दबाव में हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में जबरदस्त उछाल से पेट्रोल-डीजल सहित परिवहन और खाद्य पदार्थों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिससे वैश्विक महंगाई बढ़ रही है। इस संकटपूर्ण माहौल के बावजूद, रूस और वेनेजुएला जैसे दो प्रमुख तेल उत्पादक देशों ने अप्रत्याशित रूप से अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत किया है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड की कीमतें 72 डॉलर से बढ़कर 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गईं। इस तेजी का सबसे बड़ा फायदा रूस को हुआ, जिसने पश्चिमी प्रतिबंधों के बावजूद अपने उरल्स कच्चे तेल की कीमतों और निर्यात राजस्व में भारी वृद्धि देखी। मार्च 2026 में उसका तेल निर्यात करीब 19 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिससे यूक्रेन युद्ध के चलते आए आर्थिक दबावों से निपटने में मदद मिली। रूस भारत और चीन जैसे देशों को पुराने टैंकरों (शैडो फ्लीट) के जरिए बड़े पैमाने पर तेल भेज रहा है, पहले छूट पर और अब ऊंची कीमतों पर। दूसरी ओर वेनेजुएला ने भी इस संकट का लाभ उठाया है। दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार वाले इस देश का उत्पादन अमेरिकी प्रतिबंधों और खराब प्रबंधन के कारण लंबे समय से गिर रहा था। लेकिन ईरान संकट के बाद अमेरिका ने तेल आपूर्ति बनाए रखने के लिए वेनेजुएला पर लगे कुछ प्रतिबंधों में ढील दी। अमेरिकी कंपनी शेवरॉन को उत्पादन की अनुमति मिलने के बाद वेनेजुएला का तेल उत्पादन अब 9 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को नई जान मिली है। विशेषज्ञों का मानना है कि ऊंची तेल कीमतें जहां इन दो देशों को राहत दे रही हैं, वहीं तेल आयात करने वाले देशों में महंगाई और आर्थिक दबाव तेजी से बढ़ रहा है, जबकि पारंपरिक उत्पादक पूरी तरह फायदा नहीं उठा पा रहे।

एनएसई आईपीओ से पहले ब्रोकरेज की हिस्सेदारी न्यूनतम स्तर पर

डीम्युचुअलाइजेशन और हितों के टकराव से बचने के उपायों ने बाजार संचालन को बेहतर बनाया

नई दिल्ली ।

राष्ट्रीय शेयर बाजार (एनएसई) में ब्रोकरेज कंपनियों की हिस्सेदारी उसके बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) से पहले तेजी से घट रही है। यह गिरावट मार्च 2019 के उच्चतम स्तर 53.9 फीसदी से मार्च 2026 तक अनुमानित 35.6 फीसदी तक पहुंच गई है, जो मार्च 2016 के बाद का सबसे निचला स्तर होगा। इस बदलाव का मुख्य कारण डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया और हितों के टकराव से बचने के लिए किए गए नियामकीय उपाय हैं। भारत सरकार ने 2000 के दशक की शुरुआत में स्टॉक एक्सचेंजों में डीम्युचुअलाइजेशन प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य ट्रेडिंग अधिकारों को एक्सचेंज के संचालन से अलग करना था, ताकि ब्रोकर अपने व्यक्तिगत लाभ के लिए बाजार के कामकाज को प्रभावित न कर सकें। एनएसई की स्थापना ही एक डीम्युचुअलाइज्ड संस्था के रूप में हुई थी, जिससे वह इस दिशा में पहले से ही अग्रसर था। बाजार के जानकारों के अनुसार ब्रोकरों के हित आज भी स्टॉक एक्सचेंजों के साथ जुड़े हुए हैं। वे अपने फीडबैक और क्लाइंट्स को बाजार में लाकर इसके विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में ट्रेडिंग वॉल्यूम में भारी वृद्धि के बावजूद ब्रोकरों की विफलताओं की घटनाओं में कमी के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समय पर किए गए नियामकीय हस्तक्षेपों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह भारतीय बाजारों की प्रगति और दुनिया के बाकी बाजारों की तुलना में इसके उच्च मानकों का प्रमाण है, जो एक मजबूत इकोसिस्टम को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ये उपाय समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं। गौरतलब है कि 2019 में हिस्सेदारी में हुई बढ़ोतरी का श्रेय भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा आईडीबीआईबैंक में 51 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने को दिया जा सकता है, क्योंकि बैंक को एक ट्रेडिंग सदस्य के रूप में वर्गीकृत किया गया था।

एलआईसी की खरीद के बाद, इसे ट्रेडिंग सदस्य के सहयोगी के रूप में वर्गीकृत किया गया, जिससे कुल हिस्सेदारी बढ़कर 53 फीसदी से अधिक हो गई थी। यह आंकड़ा ब्रोकरों की वास्तविक हिस्सेदारी में वृद्धि नहीं, बल्कि वर्गीकरण संबंधी एक बदलाव का परिणाम था। कुल मिलाकर, यह रुझान भारतीय पूंजी बाजार की परिपक्वता और मजबूत नियामक ढांचे को दर्शाता है।

बर्जर पेंट्स ने बाजार में भरा रंग, शेयर 11 फीसदी उछले, ब्रोकरेज भी उत्साहित

मार्च तिमाही के दमदार नतीजों और वित्त वर्ष 27 की मजबूत संभावनाओं से निवेशकों में जोश

नई दिल्ली ।

देश की दूसरी सबसे बड़ी पेंट कंपनी बर्जर पेंट्स के शेयरों ने इस हफ्ते शानदार प्रदर्शन किया है। मार्च तिमाही के मजबूत नतीजों और वित्त वर्ष 2027 के लिए उज्ज्वल संभावनाओं के चलते कंपनी के शेयर करीब 11 फीसदी तक उछल गए हैं। ज्यादातर ब्रोकरेज फर्मों ने कंपनी की भविष्य की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक राय व्यक्त की है, जिससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है।

दमदार तिमाही प्रदर्शन और वृद्धि के प्रमुख कारक- बर्जर पेंट्स ने मार्च तिमाही में बिक्री में 6 फीसदी की शानदार बढ़त हासिल की, जो पिछले 12 तिमाहियों में कारोबार वृद्धि का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की एकल बिक्री में सालाना आधार पर 11.8 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। इस प्रदर्शन में कीमतों में वृद्धि से पहले चैनल द्वारा किए गए स्टॉक और बाजार में मांग में सुधार का अहम योगदान रहा। प्रीमियम इमल्शन उत्पादों की बढ़ती लोकप्रियता, बेहतर उत्पाद मिश्रण और चौथी तिमाही के अंत में की गई कीमतों में वृद्धि ने भी बिक्री मूल्य को 6.7 फीसदी ऊपर ले जाने में मदद की। इक्विरस सिक्योरिटीज जैसे विश्लेषक उम्मीद कर रहे हैं कि भले ही चैनल में स्टॉक जमा होने के कारण चौथी तिमाही के ऊंचे वृद्धि स्तरों से कुछ सामान्यीकरण हो, लेकिन भविष्य में वैल्यू ग्रोथ, वॉल्यूम ग्रोथ से आगे निकल जाएगी। ब्रोकरेज फर्मों ने वित्त वर्ष 2027 के लिए 9-10त्न राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है।

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

डॉ. रमेश ठाकुर

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा।

'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बडे.-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडे.गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।

केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हजार्ना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुमार्ने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

संपादकीय

चौतरफा महंगाई

बृहस्पतिवार को जारी सरकारी आंकड़ों से पता चला कि एक माह के भीतर ही थोक महंगाई दर दुगनी हो गई है। जो कि पिछले 42 महीनों के उच्चतम स्तर पर जा पहुंची है। अब शुक्रवार को पेट्रोल व डीजल तथा सीएनजी के दामों में वृद्धि ने आम आदमी को व्यथित कर दिया। जाहिर है पेट्रोल-डीजल के दामों में वृद्धि से न केवल यातायात महंगा हो जाता है बल्कि मालभाड़ा बढ़ने से हर चीज के दामों में उछाल आ जाता है। वहीं रोजमर्रा का सामान बनाने वाली कंपनियां दुहाई दे रही हैं कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि से उनकी उत्पादन लागत में दस से बीस फीसदी की वृद्धि हुई है। फलतः इन कंपनियों ने छूट व प्रचार खर्च में कटौती कर-के भंडारण क्षमता व आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना प्राथमिक लक्ष्य बनाया है। अतः देश की एफएमसीजी रोजमर्रा के सामान की लागत बढ़ने व मुनाफे पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिये चरणबद्ध तरीके से वस्तुओं के दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। यह भी हकीकत है कि पिछली तिमाही में ये एफएमसीजी पहले ही तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि वस्तुओं की कीमतों में कर चुकी हैं। फलतः आम उपभोक्ता को अभी और महंगाई को झेलने के लिए तैयार रहना चाहिए। यह भी एक हकीकत है कि रुपये के गिरते मूल्य ने भी कीमतें बढ़ाने का दबाव बनाया है। कंपनियां अपना मुनाफा बनाये रखने के लिये कीमतें बढ़ाने और पैकेटबंद उत्पादों की मात्रा घटाने की रणनीति पर काम कर रही हैं। आशंका जतायी जा रही है कि पेट्रोल व डीजल के दामों में तीन-तीन रुपये की वृद्धि के बाद टेलीकॉम कंपनियां रिचार्ज प्लान बढ़ा सकती हैं। उनका दावा है कि मोबाइल टॉवर को चलाने में आने वाला 40 फीसदी खर्च सिर्फ पेट्रोल और बिजली पर होता है। यह खर्चा टैरिफ बढ़ाकर ग्राहकों पर डाला जा सकता है। वहीं सरकारी तेल कंपनियां कह रही हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बाधित होने से कच्चे तेल की कीमतों में भारी वृद्धि के बाद उन्होंने मामूली वृद्धि पेट्रोल व डीजल के दामों में की है। निश्चित रूप से पश्चिम एशिया संकट के चलते उपजे हालात ने बताया है कि भारत को ऊर्जा सुरक्षा नीति पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन की खपत को कम करने के आह्वान के कुछ दिन बाद ही पेट्रोल, डीजल व सीएनजी के दामों में बढ़ोतरी की गई है। यह बढ़ोतरी चार साल से अधिक समय में पहली बार की गई है। निस्संदेह, खाड़ी संकट से उपजे हालात में कीमतों में यह वृद्धि अनिवार्य लग रही थी। माना जा रहा है कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु आदि राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के चलते ही सरकार ने यह कदम देर से उठाया है। चुनाव परिणाम आने के बाद जब हैदराबाद में प्रधानमंत्री ने देशवासियों से ईंधन खपत में कटौती करने का आगाह किया था, तो संकेत माना गया कि पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में वृद्धि हो सकती है। सरकार ने तेल विपणन कंपनियों को हो रहे भारी नुकसान की ओर इशारा करते हुए मूल्य वृद्धि का बचाव किया है। रिपोर्ट बताती है कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेलर्स रोजाना एक हजार करोड़ का नुकसान उठा रहे हैं,जबकि कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल थी। निस्संदेह, पहले ही मुद्रास्फीति व स्थिर आय से जूझ रहे नागरिकों को सरकार की यह दलील गले नहीं उतरेगी। वैसे भी चुनावी रणनीति के मद्देनजर संचालित आर्थिक निर्णय सार्वजनिक विश्वास में कमी लाते हैं। जाहिर बात है कि करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवार, किसान व छोटे व्यवसाय चलाने वाले लोगों के लिए बढ़ी ईंधन दरें जल्दी ही भोजन, परिवहन और आवश्यक वस्तुओं को महंगा बना देती हैं।

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

केरल से कांग्रेस आलाकमान का संदेशः जमीनी नेताओं को मिलेगी कमान

दिलीप कुमार पाठक

केरल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की बंपर जीत के बाद कांग्रेस आलाकमान ने एक बहुत बड़ा और सकारात्मक राजनीतिक फैसला लिया है। दिल्ली दरबार ने किसी भी गुटबाजी के आगे न झुकते हुए केरल के लोकप्रिय नेता वी. डी. सतीशन को नया मुख्यमंत्री चुनकर देश भर के कार्यकताओं को एक ठोस संदेश दिया है। यह संदेश जनता की तरफ से नहीं, बल्कि खुद कांग्रेस नेतृत्व की ओर से आया है, जिसने यह जता दिया है कि अब पार्टी पुराने ढर्रे और गलतियों से सबक सीख चुकी है।

आलाकमान का यह कदम साफ इशारा करता है कि संगठन को मजबूत करने के लिए अब केवल जमीन पर पसीना बहाने वाले चेहरों को ही तवज्जो दी जाएगी।कांग्रेस के इतिहास में लंबे समय से एक बड़ी कमजोरी रही है, जहां जमीन पर रात-दिन काम करने वाले जनप्रिय नेताओं की जगह दिल्ली में लॉबिंग करने वाले नेताओं को कमान सौंप दी जाती थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान के चुनावों में जनता और कार्यकर्ता दिल से चाहते थे कि ज्योतिरादित्य सिंधिया और सचिन पायलट जैसे ऊजार्वान युवाओं को मुख्यमंत्री बनाया जाए। लेकिन दिल्ली दरबार ने पुराने समीकरणों को प्राथमिकता देते हुए कमलनाथ और अशोक गहलोत के हाथों में सत्ता सौंप दी। नतीजा यह हुआ कि संगठन कमजोर होता गया और अंदरूनी कलह से राज्यों में बनी-बनाई सरकारें हाथ से निकल गईं या कमजोर हो गईं। ठीक ऐसा ही हाल आज कर्नाटक और हरियाणा में भी देखने को मिल रहा है। कर्नाटक में सिद्धासरमैया और डी. के. शिवकुमार के बीच की खींचतान और हरियाणा की आंतरिक गुटबाजी ने पार्टी संगठन को भारी नुकसान पहुंचाया है। केरल के ताजा फैसले से कार्यकताओं में यह बड़ी उम्मीद जगी है कि आलाकमान अब बहुत जल्द कर्नाटक और हरियाणा की इस आपसी लड़ाई को भी इसी कड़े नेतृत्व के साथ हमेशा के लिए दूर करेगा। पार्टी के शीर्ष नेताओं को अब बिना वक्त गंवाए इन दोनों राज्यों के मतभेदों को सुलझाना चाहिए ताकि वहां भी संगठन को एकजुट और मजबूत किया जा सके। केरल में लिया गया यह फैसला पूरी पार्टी के लिए एक बेहतरीन नजीर बन गया है।

वी. डी. सतीशन पिछले पांच सालों से विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में लगातार सरकार को घेर रहे थे और कार्यकताओं के सुख-दुख में साथ खड़े थे। आलाकमान ने जमीनी हकीकत को सर्वोपरि मानकर उनके नाम पर मुहर लगाई। इससे पैराशूट नेताओं का दौर खत्म हुआ है और कार्यकताओं में नया उत्साह जागा है। उन्हें यह भरोसा मिला है कि अब दिल्ली की पैरवी नहीं, बल्कि जमीन पर किया गया काम ही नेता तय करेगा। इस निर्णय के साथ ही विपक्ष का वह एजेंडा भी पूरी तरह हवा में उड़ गया, जिसमें दुष्प्रचार किया जा रहा था कि होने वाले मुख्यमंत्री इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के पसंदीदा हैं और कांग्रेस तुष्टिकरण के रास्ते पर चल रही है। सतीशन की धर्मनिरपेक्ष और बेदाग छवि ने इस पूरे राजनीतिक एजेंडे को ध्वस्त कर दिया है। क्यों कि मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने से ठीक पहले, वी. डी. सतीशन ने तिरुवनंतपुरम के ऐतिहासिक श्री पद्मनाभस्वामी मंदिर जाकर भगवान विष्णु की पूरी विधि-विधान से पूजा-पाठ की और उनका आशीर्वाद लिया। पारंपरिक सफेद मुंडू और शॉल में उनकी मंदिर की ये तस्वीरें यह साफ करती हैं कि वे जनता की सांस्कृतिक आस्थाओं का कितना गहराई से सम्मान करते हैं और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखते हैं। कुल मिलाकर, केरल के बहाने कांग्रेस आलाकमान ने खुद को बदलने और सुधारने का एक बड़ा संदेश दिया है। अब पार्टी को बिना समय गंवाए कर्नाटक और हरियाणा जैसे राज्यों में चल रहे पुराने मकड़जाल को भी पूरी तरह साफ करना होगा। जब तक दिल्ली से थोपे जाने वाले फैसलों को बंद करके जमीनी संघर्ष करने वालों को हक नहीं मिलेगा, तब तक पूरे देश में संगठन मजबूत नहीं हो सकता। केरल का यह नया मॉडल ही कांग्रेस के भविष्य की असली राह है जिससे पूरे देश की राजनीति प्रभावित होगी।

(लेखक पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

कब तक दोहराई जाती रहेंगी निर्भया जैसी त्रासदियां?

ललित गर्ग

दिल्ली के नांगलोई में एक निजी बस के भीतर महिला के साथ हुई बस कंडक्टर एवं ड्राइवर के दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर पूरे देश की चेतना को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि उस भयावह सामाजिक और प्रशासनिक विफलता का आईना है, जो वर्षों से हमारे सामने खड़ी है। चौदह वर्ष पहले निर्भया कांड के बाद देश की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ा था। लोगों ने सोचा था कि अब व्यवस्था बदलेगी, कानून सख्त होंगे, महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और समाज अपनी सोच बदलेगा। लेकिन आज जब उसी प्रकार की घटनाएं पुनः पुनः सामने आती हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा होकर उठता है कि आखिर हम बदले कहां हैं? सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बार-बार ऐसी घटनाएं क्यों हो रही हैं? इसका उत्तर केवल कानून की कमजोरी में नहीं, बल्कि समाज की उस विकृत मानसिकता में छिपा है, जहां महिला को आज भी बराबरी के सम्मान के साथ नहीं देखा जाता। आधुनिकता के चमकदार दावों के बीच भी पुरुष प्रधान सोच का अंधेरा जस का तस मौजूद है। महिलाओं को व्यक्ति नहीं, बल्कि उपभोग की वस्तु मानने वाली सोच आज भी अनेक मन-मस्तिष्कों में गहराई तक बैठी हुई है। यही कारण है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यस्थलों, स्कूल-कॉलेजों और यहां तक कि घरों के भीतर भी महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं।

विडंबना यह है कि विज्ञान, तकनीक और आर्थिक विकास के इस दौर में भी समाज स्त्री के सम्मान और सुरक्षा के बुनियादी संस्कार विकसित नहीं कर पाया। बच्चों को शिक्षा तो दी जा रही है, लेकिन संवेदनाएं नहीं दी जा रहीं। घरों में बेटियों पर नियंत्रण और बेटों को छूट देने वाली मानसिकता आज भी कायम है। एक ओर लड़कियों को ह्लसावधान रहनेह्व की नसीहत दी जाती है, दूसरी ओर लड़कों को अपने व्यवहार और दृष्टि की मयार्दा सिखाने की गंभीर कोशिश बहुत कम दिखाई देती है। यही असंतुलन आगे चलकर अपराधों की जमीन तैयार करता है। प्रश्न यह भी है कि प्रशासन बार-बार ऐसी घटनाओं को रोकने में नाकाम क्यों हो रहा है? निर्भया कांड के बाद महिला सुरक्षा को लेकर बड़े-बड़े दावे किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, महिला हेल्पलाइन, फास्ट ट्रैक कोर्ट, पुलिस गश्त और सार्वजनिक परिवहन में सुरक्षा उपायों की लंबी घोषणाएं हुईं। लेकिन वास्तविकता यह है कि इन व्यवस्थाओं का बड़ा हिस्सा कागजों और भाषणों तक सीमित रह गया। निजी बसें आज भी बिना पर्याप्त निगरानी के चल रही हैं। कई स्थानों पर चालक और परिचालकों का समुचित सत्यापन तक नहीं होता। सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन अक्सर केवल औपचारिकता बनकर रह जाता है।

दुनियाभर में बालिकाओं के अस्तित्व एवं अस्मिता के लिये जागरूकता एवं आन्दोलनों के बावजूद बालिकाओं पर अत्याचार बढ़ते जा रहे हैं। हमारे देश में भी ऐसा ही हो रहा है, बालिकाओं की स्थिति, लड़कियों की तुलना में लड़कों की बढ़ती संख्या, तलाक के बढ़ते मामले, गांवों में बालिका की अशिक्षा, कुपोषण एवं शोषण, बालिकाओं की सुरक्षा, बालिकाओं के साथ होने वाली बलात्कार की घटनाएं, अश्लील हरकतें और विशेष रूप से उनके खिलाफ होने वाले अपराधों पर प्रभावी चर्चा एवं कठोर निर्णयों से एक सार्थक वातावरण का निर्माण किये जाने की अपेक्षा है। क्योंकि एक टीस-सी मन में उठती है कि आखिर महिलाएं एवं बालिकाओं कब तक भोग की वस्तु बनी रहेगी? उसका जीवन कब तक खतरों से घिरा रहेगा? बलात्कार, छेड़खानी, भ्रूण हत्या और दहेज की धधकती आग में वह कब तक भस्म होती रहेगी? कब तक उसके अस्तित्व एवं अस्मिता को नौचा जाता रहेगा?

सच्चाई यह है कि हमारी व्यवस्था अपराध होने के बाद सक्रिय होती है, अपराध रोकने के लिये नहीं। हर बार घटना के बाद गिरफ्तारी, जांच और बयानबाजी होती है, लेकिन अपराध की जड़ों तक पहुंचने की गंभीर पहल नहीं दिखाई देती। राजनीतिक दल कुछ दिनों तक आरोप-प्रत्यारोप करते हैं, मीडिया में बहस चलती है और फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य मान लिया जाता है। लेकिन जिन परिवारों की बेटियां इस अमानवीयता का शिकार होती हैं, उनके जीवन में भय, पीड़ा और असुरक्षा स्थायी घाव बनकर रह जाते हैं। यह भी विचारणीय है कि आखिर महिलाएं और बालिकाएं बार-बार ऐसे अत्याचारों का शिकार क्यों बन रही हैं? इसका कारण केवल अपराधियों की क्रूरता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनहीनता भी है। सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सामूहिक जिम्मेदारी का अभाव दिखाई देता है। लोग तमाशबीन बन जाते हैं। कई बार पीड़िता को ही कठघरे में खड़ा कर दिया जाता है-उसके कपड़े, समय, जीवनशैली और व्यवहार पर सवाल उठाए जाते हैं। यह मानसिकता अपराधियों का मनोबल बढ़ाती है, क्योंकि उन्हें पता होता है कि समाज पूरी तरह पीड़िता के साथ खड़ा नहीं होगा। कब तक महिलाएं अपने ही शहरों, बसों, गलियों और कार्यस्थलों पर भय के साथ जीती रहेंगी? कब तक माता-पिता अपनी बेटियों के घर लौटने तक चिंता में डूबे रहेंगे? यह प्रश्न केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा का प्रश्न है। जिस समाज में आधी आबादी स्वयं को सुरक्षित महसूस न करे, वह समाज वास्तव में सभ्य नहीं कहलाया जा सकता।

आज आवश्यकता केवल कठोर कानूनों की नहीं, बल्कि कठोर सामाजिक आत्ममंथन की है। कानून अपराधी को दंड दे सकता है, लेकिन समाज ही मानसिकता बदल सकता है। स्कूलों और परिवारों में लैंगिक संवेदनशीलता की शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए। बेटियों को भय में जीना नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक जीना सिखाना होगा। फिल्मों, सोशल मीडिया और विज्ञापनों में स्त्री की वस्तुवादी छवि पर भी गंभीर विमर्श जरूरी है, क्योंकि संस्कृति और मनोरंजन भी समाज की सोच को प्रभावित करते हैं। प्रशासन को भी केवल घटनाओं के बाद की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सार्वजनिक परिवहन में रियल-टाइम जीपीएस, सीसीटीवी, पैनिक बटन और नियमित निगरानी को पूरी कठोरता से लागू करना होगा। निजी परिवहन संचालकों और कर्मचारियों का गहन सत्यापन अनिवार्य किया जाना चाहिए। पुलिस व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, जवाबदेह और सक्रिय बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि समाज को यह समझना होगा कि महिला सुरक्षा कोई ह्लमहिला मुद्दाह्व नहीं, बल्कि मानवता और सभ्यता का प्रश्न है। जब तक स्त्री को समान सम्मान, स्वतंत्रता और सुरक्षा नहीं मिलेगी, तब तक विकास के सारे दावे अधूरे रहेंगे।

नांगलोई की यह घटना केवल एक समाचार नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए चेतावनी है। यदि अब भी हम नहीं जागे, तो निर्भया जैसी त्रासदियां बार-बार हमारे सामने आती रहेंगी और हर बार हमारी संवेदनहीनता, हमारी प्रशासनिक विफलता और हमारी विकृत मानसिकता हमें कठघरे में खड़ा करती रहेगी। प्रश्न यही है-आखिर कब तक? तमाम जागरूकता एवं सरकारी प्रयासों के बावजूद भारत में भी बालिकाओं की स्थिति में यथोचित बदलाव नहीं आया है। धर्मगुरु, राजनेता एवं समाजसुधारक महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति कितनी कुत्सित मानसिकता का परिचय देते आए हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। इनके चरित्र का दोहरापन जगजाहिर हो चुका है। कोई क्या पहने, क्या खाए, किससे प्रेम करे और किससे शादी करें, सह-शिक्षा का विरोधी नजरिया- इस तरह की पुरुषवादी सोच के तहत बालिकाओं को उनके हकों से वंचित किया जा रहा है, उन पर तरह-तरह की बंदिशें एवं पहरे लगाये जा रहे हैं। ह्ययत्र पूज्यंते नार्यस्तु तत्र रमन्ते देवताह्ण- जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। किंतु आज हम देखते हैं कि नारी का हर जगह अपमान होता चला जा रहा है। उसे ह्यभोग की वस्तुह्ण समझकर आदमी ह्यअपने तरीकेह्ण से ह्यइस्तेमालह्ण कर रहा है, यह बेहद चिंताजनक बात है। आज अनेक शक्लों में नारी के वजूद को धुंधलाने की घटनाएं शक्ल बदल-बदल कर काले अध्याय रच रही है। देश में गैंग रेप की वारदातों में कमी भले ही आयी हो, लेकिन उन घटनाओं का रह-रह कर सामने आना त्रासद एवं दुःखद है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़प

सुक्रे, एजेंसी। शुक्रवार को बोलीविया की राजधानी में खनिकों और पुलिस के बीच झड़पें हुईं। खनिक सरकारी महल में घुसने का प्रयास कर रहे थे और डायनामाइट चार्ज का उपयोग कर रहे थे। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस छोड़ी। खनिक श्रम सुधारों, ईंधन और राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति रोड्रिगो पाज के प्रशासन को चुनौती मिल रही है। किसानों की मांग पर एक कानून रद्द होने के बावजूद प्रदर्शन जारी हैं।

अमेरिकी सीमा गश्ती प्रमुख माइकल बैंक्स का इस्तीफा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय सीमा गश्ती एजेंसी के प्रमुख माइकल बैंक्स ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उनका इस्तीफा तुरंत प्रभावी है। बैंक्स ने कहा कि यह सही समय है। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने देश की सीमा को सबसे सुरक्षित बना दिया है। पहले यह सीमा कम सुरक्षित और अराजक थी। गृह सुरक्षा विभाग ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

रूबियो ने कहा- ताइवान पर चीन की सैन्य कार्रवाई बड़ी गलती होगी

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप के साथ चीन दौरे पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बृहस्पतिवार को साफ किया कि ताइवान के प्रति अमेरिका की नीति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चीन की ओर से बलपूर्वक ताइवान पर कब्जा करना चीन की भयानक भूल होगी। रुबियो ने कहा कि चीन, द्विपक्षीय वार्ताओं के दौरान लगातार ताइवान का मुद्दा उठाता है। हालांकि, जिनपिंग की ओर से दी गई चेतावनी पर उन्होंने कोई सीधी टिप्पणी करने से परहेज किया।

कनाडा ने 2050 तक बिजली ग्रिड दोगुना करने की रणनीति पेश की

ओटावा, एजेंसी। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को स्वच्छ बिजली रणनीति का अनावरण किया। इसका लक्ष्य 2050 तक कनाडा के बिजली ग्रिड को दोगुना करना और ऊर्जा लागत कम करना है। इस रणनीति में प्राकृतिक गैस की बड़ी भूमिका होगी। निर्माण पर 1 ट्रिलियन कनाडाई डॉलर से अधिक खर्च होने का अनुमान है। कार्नी ने कहा कि यह योजना सामर्थ्य, प्रतिस्पर्धा और शुद्ध शून्य उत्सर्जन का मार्ग है। इसमें पनबिजली, परमाणु, पवन, सौर सहित विभिन्न ऊर्जा स्रोतों का उपयोग होगा। कनाडाई जलवायु संस्थान ने इसे सही दिशा में बताया पर कुछ मुद्दे अस्पष्ट हैं।

आतंक के खिलाफ भारत-फिलीपीन एकजुट, बढ़ेगा तकनीकी सहयोग

मनीला , एजेंसी। भारत और फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ सहयोग और मजबूत करने पर सहमति जताई है। मनीला में आयोजित भारत-फिलीपीन आतंकरोधी संयुक्त कार्य समूह की दूसरी बैठक में दोनों देशों ने सीमा पार आतंकवाद समेत हर प्रकार के आतंकवाद की कड़े शब्दों में निंदा की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत में हाल में हुए आतंकी हमलों का भी जिक्र किया। इसमें पिछले वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 10 नवंबर को लाल किले के पास हुए विस्फोट की कड़ी आलोचना की गई। फिलीपीन ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति अपनी एकजुटता और अटूट समर्थन दोहराया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव डॉ. विनोद बहाड़े ने किया, जबकि फिलीपीन की ओर से विदेश विभाग के सहायक सचिव मार्शल लुई एम. अल्फेरेज सह-अध्यक्ष रहे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, बैठक में आतंकियों द्वारा उभरती तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने और आतंकवाद के वित्तपोषण पर लगाम लगाने के लिए खुफिया और अन्य सूचनाएं साझा करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहायता और क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की। बैठक में कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने पर भी विचार-विमर्श हुआ। दोनों देशों ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग को और व्यापक बनाने की जरूरत है। भारत और फिलीपीन ने संयुक्त राष्ट्र, एफएटीएफ और आसियान क्षेत्रीय मंच जैसे बहुपक्षीय मंचों पर एक-दूसरे का समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने फिलीपीन की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की।

फिर कटघरे में काश पटेल, समुद्र में छुट्टी और यात्राओं को लेकर चौंकाने वाले दावे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई के निदेशक काश पटेल एक बार फिर मुश्किलों में घिर गए हैं। उन पर आरोप है कि उन्होंने अपनी सरकारी यात्राओं के दौरान काम के साथ-साथ निजी मौज-मस्ती को मिला दिया। ताजा विवाद उनके हवाई दौरे को लेकर है, जहां उन्होंने पर्ल हार्बर स्मारक जैसे पवित्र और संवेदनशील स्थान पर 'स्नॉर्कलिंग' (समुद्र की सतह पर तैरना) की। चौंकाने वाली बात यह है कि जिस जगह वह तैराकी कर रहे थे, वह द्वितीय विश्व युद्ध में शहीद हुए 900 से अधिक अमेरिकी सैनिकों की जलमग्न समाधि है। इस खुलासे के बाद अमेरिका में उनके पद के दुरुपयोग को लेकर बहस छिड़ गई है।

हवाई दौरे के दौरान आखिर क्या छिपाया गया : सरकारी ईमेल से मिले दस्तावेजों के आधार पर यह खुलासा हुआ है कि पिछले साल अगस्त में काश पटेल जब हवाई गए थे, तो एफबीआई ने इसे पूरी तरह सरकारी दौरा बताया था। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया कि उन्होंने वहां कानून लागू करने वाली एजेंसियों से मुलाकात की। लेकिन, एफबीआई ने यह बात दबा ली कि आधिकारिक काम खत्म होने के बाद पटेल दो दिनों के लिए वहां वापस लौटे और 'वीआईपी स्नॉर्कलिंग' का लुत्फ उठाया। उन्होंने यूएसएस एरिजोना युद्धपोत के मलबे के पास तैराकी की, जो एक मिलिट्री कब्रिस्तान है। आम

लोगों के लिए यहां तैरना या गोताखोरी करना सख्त मना है, क्योंकि यह 1941 में जापान के हमले में मारे गए वीरों की याद में बना एक अत्यंत पवित्र स्थल है।

क्या काश पटेल का यह व्यवहार एक पुराने पैटर्न का हिस्सा है : काश पटेल पर संसाधनों के गलत इस्तेमाल के आरोप नए नहीं हैं। आलोचकों का कहना है कि वे अक्सर सरकारी विमान और सुविधाओं का उपयोग अपनी छुट्टियों और निजी शौक पूरा करने के लिए करते हैं। अभी कुछ समय पहले फरवरी में भी वह तब विवादों में आए थे, जब मिलान में शीतकालीन ओलंपिक के दौरान अमेरिकी हॉकी टीम के साथ जश्न मनाते हुए उनका वीडियो सामने आया था। उस समय पटेल ने सफाई दी थी कि वह साइबर अपराध की जांच के लिए वहां गए थे। अब पर्ल हार्बर के पवित्र स्थल पर उनकी इस गतिविधि को 'गंभीर विचलन' माना जा रहा है, जिससे उनकी पेशेवर छवि पर सवाल उठ रहे हैं।

स्नॉर्कलिंग के लिए सेना और पार्क सर्विस ने कैसे दी अनुमति : यूएसएस एरिजोना स्मारक की देखरेख नौसेना और नेशनल पार्क सर्विस करती है। हालांकि यहां गोताखोरी वर्जित है, लेकिन ओबामा प्रशासन के समय से ही कुछ बेहद खास वीआईपी अधिकारियों को यहां तैराकी की गोपनीय अनुमति दी जाती रही है। नौसेना ने इस बात की पुष्टि की है कि पटेल की इस यात्रा के लिए सैन्य अधिकारियों ने समन्वय किया था। तैराकी के दौरान उन्हें हिदायत दी गई थी कि वे जहाज के मलबे को न छुएं। हालांकि, पार्क सर्विस ने इस पूरे मामले से दूरी बना ली है और कहा है कि वे इस गतिविधि में शामिल नहीं थे। 1993 के बाद से किसी भी अन्य एफबीआई निदेशक ने इस तरह की गतिविधि वहां नहीं की है।

शहीदों के सम्मान और नैतिकता पर क्या कह रहे हैं विशेषज्ञ : पूर्व संघीय अभियोजकों और विशेषज्ञों का कहना है कि एफबीआई निदेशक का ध्यान अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा पर होना चाहिए, न कि ऐसी विवादास्पद गतिविधियों पर। पूर्व सैनिकों ने भी इस पर नाराजगी जताई है। एक पूर्व मरीन सैनिक ने कहा कि शहीदों की समाधि पर इस तरह मौज-मस्ती करना वैसा ही है जैसे किसी चर्च में शादी से पहले की शराब पार्टी करना। यह स्थल एक सैन्य कब्रिस्तान है और इसे पूरी गरिमा के साथ सम्मान दिया जाना चाहिए।

आईसीसी के वांछित फिलीपीनी सीनेटर रोनाल्ड संसद से फरार

मनीला , एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वांछित फिलीपीन के सीनेटर रोनाल्ड डेला रोजा सीनेट (संसद) से फरार हो गए हैं। मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों का सामना कर रहे रोजा ने गिरफ्तारी से बचने के लिए सीनेट में शरण ले रखी थी। घटना बुधवार की रात उस समय हुई जब सीनेट की सुरक्षा में तैनात कर्मियों और एक सरकारी एजेंट के बीच तीखी बहस के दौरान अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इस अफरा-तफरी का फायदा उठाकर सीनेटर कड़ी सुरक्षा वाले परिसर से निकलने में कामयाब रहे। सरकारी एजेंट उन्हें गिरफ्तार करने पहुंचे थे। पूर्व पुलिस प्रमुख रहे रोजा पर आरोप है कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते के कार्यकाल में मादक पदार्थ विरोधी अभियान के दौरान 32 लोगों की हत्या की थी। घटना के बाद देश में तनाव को देखते हुए राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देर रात टीवी पर संबोधन जारी कर जनता से शांति बनाए रखने की अपील की। फिलहाल, पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है। सीनेट के अध्यक्ष एलन कैयेतानो ने स्पष्ट किया।

पाकिस्तान का विदेश मंत्रालय बोला - भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत है

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान ने भारत में दोनों देशों के बीच संवाद की मांग उठाने का स्वागत किया है। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी ने कहा कि शांति, सुरक्षा और साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए रचनात्मक साझेदारी और बातचीत जरूरी हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ताहिर अंद्राबी से साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारत के पूर्व सेना प्रमुख जनरल (सेवानिवृत्त) मनोज नरवणे की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। जनरल नरवणे ने आरएसएस नेता दत्तात्रेय होसबाले के उस बयान का समर्थन किया था कि पाकिस्तान के साथ बातचीत के लिए हमेशा एक खिड़की खुली रहनी चाहिए।

आधिकारिक प्रतिक्रिया का करेंगे इंतजार :पाकिस्तान : ताहिर अंद्राबी ने कहा, 'भारत के भीतर से संवाद के लिए आवाजें उठना साफ तौर पर एक सकारात्मक विकास है। हमें उम्मीद है कि भारत की ओर से बातचीत की कोशिश होगी। हम निश्चित रूप से देखेंगे कि क्या भारत में इन आवाजों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया आती है।'

बैक-चैनल संपर्क पर साधी चुप्पी : हालांकि, अंद्राबी ने दोनों पक्षों के बीच बैक-चैनल संपर्क की पुष्टि या खंडन करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'ट्रैक टू या बैक चैनल के बारे में - खैर, मैं इसके बारे में नहीं जानता और उन पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। अगर मैं टिप्पणी करता, तो कोई बैक चैनल नहीं होता। बैक चैनल या ट्रैक टू, नाम

अपने आप में स्पष्ट है।

शांति और कूटनीति के प्रति प्रतिबद्धता : प्रवक्ता ने इस बात पर भी जोर दिया कि पाकिस्तान का मानना है कि रचनात्मक साझेदारी और ईमानदार संवाद शांति, सुरक्षा और सभी के लिए साझा समृद्धि को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने कहा, 'हम कूटनीति के सिद्धांतों, संप्रभुता के सम्मान और सार्थक अंतरराष्ट्रीय जुड़ाव के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं, जो क्षेत्रीय स्थिरता और वैश्विक सद्भाव का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर क्या बोला पाकिस्तान : अमेरिका-ईरान शांति वार्ता पर उन्होंने कहा कि पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच स्थायी शांति के लिए अपनी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति प्रक्रिया बरकरार है और चल रही है। उन्होंने कहा, 'हम कोशिशों में लगे हुए हैं। हम आशावादी बने हुए हैं। शांति प्रक्रिया में गति लाना मुख्य रूप से दो प्रमुख वार्ताकारों का विशेषाधिकार है। पाकिस्तान अपनी ओर से कोशिश में लगा हुआ है।

होर्मुज खुलने के बाद भी तुरंत नहीं सुधरेंगे हालात, सिंगापुर के पीएम ने दी बड़े संकट की चेतावनी

सिंगापुर , एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे भारी टकराव के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पिछले दो महीने से अधिक समय से बंद है, जिससे पूरी दुनिया के सामने एक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने अपनी जनता को आगाह करते हुए स्पष्ट किया है कि अगर होर्मुज का यह समुद्री रास्ता फिर से खुल भी जाता है, तो भी हालात तुरंत सामान्य नहीं होंगे। बंदरगाहों और ऊर्जा ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा है, साथ ही जलमार्गों को बारूदी सुरंगों से मुक्त करने और जहाजों की सुरक्षित आवाजाही का विश्वास बहाल करने में काफी लंबा समय लगेगा। प्रधानमंत्री ने 1970 के दशक के तेल संकट की याद दिलाते हुए चेतावनी दी है कि इस रुकावट का असर सिर्फ ऊर्जा और पेट्रोल-डीजल तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दुनियाभर में उर्वरक, खाद्य पदार्थों और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति भी बुरी तरह से प्रभावित होगी। खाड़ी देशों पर बहुत अधिक निर्भर होने के कारण एशिया के कई देशों में पहले से ही ईंधन की भारी कमी हो गई है, जिससे उड़ानें रद्द हो रही हैं और कारखानों का काम रुक गया है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने भी इस वर्तमान संकट को 70 के दशक से कहीं ज्यादा खतरनाक बताया है। प्रधानमंत्री वोंग ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर महंगाई और आर्थिक मंदी का खतरा बहुत तेजी से बढ़ रहा है, इसलिए आपूर्ति में होने वाली इस निरंतर बाधा और आने वाले बेहद कठिन समय का सामना करने के लिए सभी को मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार रहना चाहिए।

भारतीय जहाज पर हमले की यूएई ने की निंदाः बोला- समुद्री सुरक्षा से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

अबू धाबी , एजेंसी। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शुक्रवार को अबू धाबी दौरे से ठीक पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान तट के पास भारतीय ध्वज वाले एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई ने इसे आतंकी हमला और अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बताया साथ ही भारत के साथ पूरी एकजुटता की बात कही है।

भारतीय जहाज पर हुआ हमला खतरनाक उकसावा : यूएई के विदेश मंत्रालय (एमओएफए) ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ओमान के समुद्री क्षेत्र के पास भारतीय जहाज पर हुआ हमला 'खतरनाक उकसावा' है, जिसका उद्देश्य अहम समुद्री रास्तों की स्थिरता को नुकसान पहुंचाना है। मंत्रालय ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय

व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है और इससे वैश्विक समुद्री सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है।

भारत के हर कदम का समर्थन - संयुक्त अरब अमीरात : यूएई ने भारत को भरोसा दिलाया कि वह भारतीय जहाजों और समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए उठाए जाने वाले हर कदम का समर्थन करेगा। बयान में कहा गया कि यह हमला संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का उल्लंघन है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित करने की बात कही गई है। यूएई ने बिना किसी देश या संगठन का नाम लिए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे अहम समुद्री रास्तों का इस्तेमाल 'आर्थिक दबाव' या 'ब्लैकमेल' के लिए करना समुद्री डकैती जैसा है और इससे पूरे क्षेत्र की स्थिरता, लोगों की सुरक्षा और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति को खतरा पैदा होता है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी की घटना की निंदा : वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। मंत्रालय ने कहा कि भारतीय झंडे वाले जहाज पर हमला पूरी तरह अस्वीकार्य है और व्यापारिक जहाजों तथा आम नाविकों को लगातार निशाना बनाया जाना बेहद चिंताजनक है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर मौजूद सभी भारतीय चालक दल सुरक्षित हैं और ओमान प्रशासन ने उन्हें बचाने में मदद की है। भारत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों पर हमले और समुद्री व्यापार में बाधा डालने वाली घटनाओं से बचना चाहिए। हालांकि भारत सरकार ने अभी तक जहाज का नाम या हमले में किसी नुकसान की आधिकारिक जानकारी सार्वजनिक नहीं की है, लेकिन सरकारी सूत्रों के मुताबिक नई दिल्ली पूरे मामले पर नजर बनाए हुए है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी की अबू धाबी यात्रा के दौरान यह मुद्दा प्रमुखता से उठ सकता है। भारत और यूएई के बीच खाड़ी क्षेत्र और अरब सागर में समुद्री सुरक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा होने की संभावना है।

हथियार तस्करी के मामले में भारतीय मूल के युवक को सजा

सैक्रामेंटो, एजेंसी। अमेरिका में भारतीय मूल के 27 वर्षीय युवक जशनप्रीत सिंह को अवैध हथियारों की तस्करी और मशीन गन रखने के मामले में पांच साल चार महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। जशनप्रीत कैलिफोर्निया के लोदी शहर का रहने वाला है और उसने 'पंजाबी डेविल्स' नाम का एक मोटरसाइकिल गैंग बनाया था। यह गैंग अमेरिका के कुख्यात बाइकर्स संगठन 'हेल्स एंजल्स' से जुड़ा बताया गया है।'

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय बाइकर गैंग : अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक 'पंजाबी डेविल्स' कैलिफोर्निया के स्टॉकटन इलाके में सक्रिय था। अमेरिकी अटॉर्नी एरिक ग्रांट ने बताया कि जशनप्रीत सिंह को गैरकानूनी तरीके से हथियार बेचने

और मशीन गन रखने का दोषी पाया गया। अदालत में पेश दस्तावेजों के अनुसार, जून 2025 में उसने एक अंडरकवर पुलिस अधिकारी को कई खतरनाक हथियार बेचने की कोशिश की थी। इनमें शॉर्ट बैरल राइफल, तीन असॉल्ट हथियार, मशीन गन में बदलने वाले उपकरण और एक रिवॉल्वर शामिल थे।

पुलिस की छापेमारी में घर से मिले हथियार : इसके बाद पुलिस ने उसके घर पर छापा मारा, जहां से और भी हथियार बरामद हुए। अधिकारियों को एक मशीन गन, मशीन गन कन्वर्जन डिवाइस और साइलेंसर मिला। जांच के दौरान पुलिस को एक हैंड ग्रेनेड और सैन्य इस्तेमाल में आने वाला क्लेमोर माइन जैसा विस्फोटक भी मिला। खतरे को देखते हुए बम निरोधक दस्ते ने मौके पर ही इन विस्फोटकों को नष्ट कर दिया।

अमेरिका से भागने की कोशिश की दौरान गिरफ्तारी : शुरुआत में जशनप्रीत सिंह पर सैन जोएक्विन काउंटी में राज्य स्तर पर केस दर्ज किया गया था। लेकिन जुलाई 2025 में वह अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। इसी दौरान एफबीआई को जानकारी मिली कि उसने भारत जाने के लिए टिकट बुक कर ली है और वह सैन फ्रांसिस्को एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाला है। 26 जुलाई 2025 को अमेरिकी अधिकारियों ने उसे सैन फ्रांसिस्को अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार कर लिया, इससे पहले कि वह भारत भाग पाता। फिलहाल वह अमेरिकी संघीय हिरासत में है।

होर्मुज पर अमेरिका के साथ चीन, परमाणु हथियार को लेकर भी सख्त

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में हुई ऐतिहासिक शिखर बैठक में दोनों नेताओं ने वैश्विक स्थिरता और द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस मुलाकात में ताइवान, हॉर्मुज स्ट्रेट, ईरान का परमाणु कार्यक्रम और आर्थिक साझेदारी जैसे अहम मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। साल 2017 के बाद चीन में दोनों नेताओं की यह पहली आमने-सामने की बैठक थी। बैठक ऐसे समय में हुई जब विश्व युद्ध की आशंकाओं, ऊर्जा संकट और आर्थिक अनिश्चितता से जूझ रहा है। जिनपिंग ने ट्रंप का औपचारिक स्वागत करते हुए ताइवान मुद्दे पर सख्त चेतावनी दी। उन्होंने इसे चीन-अमेरिका संबंधों का सबसे संवेदनशील और महत्वपूर्ण मुद्दा बताया। जिनपिंग ने चेतावनी देते हुए कहा कि ताइवान पर कोई भी गलत कदम दोनों देशों के बीच टकराव और युद्ध की स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने पूछा कि क्या चीन और अमेरिका थ्यूसीडाइड्स ट्रैप से बच सकते हैं? और इसके बजाय बड़े देशों के बीच सहयोग का नया मॉडल बनाने का सुझाव दिया। दोनों नेताओं ने सहमति जताई कि विश्व के तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हॉर्मुज स्ट्रेट हमेशा खुला और सुरक्षित रहना चाहिए। जिनपिंग ने स्पष्ट किया कि चीन इस मार्ग पर किसी भी प्रकार की सैन्य तैनाती या टोल वसूली का विरोध करता है। दोनों पक्ष इस बात पर भी एकमत हुए कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर पाए। वहीं, ट्रंप ने बैठक को 'बेहद सकारात्मक और सफल' बताया। उन्होंने जिनपिंग को अपना दोस्त और महान नेता करार दिया। वाइट हाउस के अनुसार, दोनों नेताओं ने रिश्तों को और मजबूत बनाने, व्यापार सहयोग बढ़ाने, अमेरिकी कंपनियों के लिए चीनी बाजार खोलने और चीन से अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद बढ़ाने पर जोर दिया। जिनपिंग ने कहा कि चीन और अमेरिका को प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि भागीदार बनना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों को मिलकर काम करना चाहिए ताकि 2026 दोनों देशों के संबंधों में नया अध्याय साबित हो। दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाया जाए और रिश्तों को कभी बिगड़ने नहीं दिया जाए। बता दें कि इस बैठक में एलन मस्क, टिम कुक समेत अमेरिका के कई प्रमुख उद्योगपतियों ने भी हिस्सा लिया।

पाकिस्तान की वो खूबसूरत हसीना जो बनी 'कोकीन क्वीन', कराची की लेडी डॉन पिंकी कौन?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में अपराध की दुनिया से जुड़े कई नाम समय-समय पर सामने आते रहे हैं। इस बीच 'लेडी डॉन' पिंकी का नाम इन दिनों सबसे अधिक चर्चा में है। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने हाई-प्रोफाइल ड्रग तस्कर अनमोल उर्फ पिंकी को गिरफ्तार किया है। कराची पुलिस और संघीय जांच एजेंसियों के संयुक्त अभियान में इस महिला को गिरफ्तार किया गया, जिस पर देश के प्रमुख शहरों में कोकीन का विशाल सप्लाई नेटवर्क चलाने का आरोप हैं।

पुलिस के अनुसार, पिंकी विशेष रूप से कुलीन वर्ग और निजी पार्टियों को नशीले पदार्थों की आपूर्ति करती थी। पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि पिंकी पूरे कराची में कोकीन और अन्य घातक ड्रग्स की सप्लाई में सक्रिय थी। छापेमारी के दौरान उसके ठिकाने से एक पिस्तौल, लाखों रुपये की कोकीन, रसायन और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। पुलिस का दावा है कि वह देश की सबसे वांछित ड्रग सप्लायर्स में शामिल थी और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बचती रही थी।

किशोरावस्था से शुरू हुआ अपराध की दुनिया में सफर : पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिंकी का जन्म 1995 में कराची के बलूच पारा इलाके में हुआ था। मात्र 14 साल की उम्र में वह घर छोड़कर चली गई थी। शुरू में मॉडलिंग का सपना देखने वाली पिंकी बाद में डांस पार्टियों और हाई-सोसायटी के जरिए प्रभावशाली लोगों से जुड़ी। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय वकील से शादी की, जिसके कथित रूप से वैश्विक कोकीन कारोबार से संबंध थे। बाद में उसने एक पुलिस अधिकारी से भी शादी की। अपने भाइयों नासिर और शौकत की मदद से पिंकी ने ड्रग कारोबार का विस्तार किया। उसने ऑनलाइन रिसर्च कर घरेलू स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली कोकीन तैयार करना शुरू कर दिया।

अमीरों तक पहुंचा नेटवर्क : जांचकर्ताओं के अनुसार, पिंकी का नेटवर्क कराची, लाहौर और इस्लामाबाद तक फैला हुआ था। यह मुख्य रूप से छ्व और क्लिफ्टन जैसे महंगे इलाकों को लक्षित करता था। उसने अपना प्रोडक्ट आकर्षक नाम देकर बेचा 'क्वीन मैडम पिंकी- नाम ही काफी है, आनंद लें'। महिला कूरियर, ट्रेन, बाइक और व्हाट्सएप के जरिए डिलीवरी का जाल बिछाया गया था। बताया जा रहा है कि दो किस्म की कोकीन बेची जाती थी। पहला 'व्हाइट कोक' 8850 रुपये प्रति ग्राम और दूसरा 'गोल्डन कैटेगरी' 13728 रुपये प्रति ग्राम। पूछताछ में पिंकी ने दावा किया कि पाकिस्तान में उससे बेहतर कोकीन कोई नहीं बनाता है। इस गिरफ्तारी ने ड्रग माफिया, पुलिस भ्रष्टाचार और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के मुद्दों को फिर से उठा दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, पिंकी को करीब पांच साल पहले पंजाब में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 2.4 करोड़ रुपये की रिश्वत देकर वह छूट गई थी। उस पर फिंगरप्रिंट मिटाने के लिए तेजाब इस्तेमाल करने का भी आरोप है। वहीं, गिरफ्तारी के बाद पिंकी की अदालत पेशी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फुटेज में उसे बिना हथकड़ी के, सनग्लासेस लगाए और पानी की बोतल लेकर चलते दिखाया गया, जबकि जांच अधिकारी उसके पीछे-पीछे चल रहा था। इसे VIP ट्रीटमेंट बताते हुए सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं। वीडियो वायरल होने के बाद कराची के एडिशनल द्धत्र आजाद खान ने इस मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लांजर ने कहा कि आरोपी को प्रोटोकॉल कैसे दिया गया? सभी जिम्मेदार अधिकारियों को स्पष्टीकरण देना होगा। लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

सत्तू ठंडा-ठंडा, कूल-कूल

''रेडी टू ईट' के इस दौर में भारत में कई ऐसे व्यंजन हैं जो इस श्रेणी में रखे जा सकते हैं। इनमें से एक है सत्तू। यह एक ऐसा आहार है, जो न सिर्फ खाना बनाने से आजादी देता है, बल्कि ठंडा, स्वास्यवर्धक और चमत्कारिक रूप से पौष्टिक होता है। चने और जौ से बना सत्तू पेट के लिए काफी फायदेमंद होता है। मौजूदा दौर की लाइफस्टाइल में प्रतिस्पर्धा से उत्पन्न तनाव, बाहर का मिर्च-मसाले वाले खाने से हाइपर एसिडिटी का खतरा रहता है। ''हरी, वरी और करी' से लिवर और किडनी पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। इससे पेट में पेपटिक ग्रंथि से जो गैस्ट्रिक जूस का रिसाव होता है उससे पाचलतंत्र का कबाड़ा हो जाता है। सत्तू गैस्ट्रिक जूस को कम करने में कारगर होता है।

सेवन में आसान

इसका सेवन इतना आसान है कि कहीं भी किसी भी परिस्थिति में इसे कुछ ही देर में बनाकर खाया जा सकता है। इसे घोलकर पी लो। गूंधकर पीस बनाकर खा लो। सत्तू में मौदूज रेशों में कार्बोहाईड्रेट्स, प्रोटीन, स्टार्च तथा खनिज पदार्थ होते हैं। जौ एवं चने से निर्मिंत सत्तू का सेवन करने पर भूख तो शांत होती ही है साथ ही लंबे समय तक क्षुधा शांत रहती है। साधारणतया सत्तू में गुड़ या शक्कर पानी में घोलकर सेवन किया जाता है। डायबिटीज के रोगी चाहें तो गुड़ या शक्कर के स्थान पर नमक भी डालकर स्वादिष्ट बना सकते हैं।

कई रोगों को दूर भगाए

आयुर्वेद से जुड़े विशेषज्ञ बताते हैं कि चने में प्रोटीन की मात्रा अधिक होने के कारण यह लीवर के लिए काफी लाभदायक माना जाता है। चने से सत्तू बनने के बाद उसका गुण भी बदल जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि सत्तू गैस्ट्रोइंट्रोटाइटिस से पीड़ति व्यक्ति के लिए काफी कारगर होता है। आधुनिक दिनर्चया में तो इस बीमारी से लगभग 90 प्रतिशत लोग पीड़ीत हैं। सत्तू आहार है, औषधि नहीं, इसीलिए इसका साइड इफेक्ट भी नहीं होता। जौ और चने के मिशण्रसे बने सत्तू को पीने से मधुमेह रोग दूर करने में मदद मिलती है। इसे पानी में घोल कर पीने से यह तुरंत पचने के बाद ऊर्जा व शक्ति देता है। यह कफ, पित्त, थकावट, भूख, प्यास और आंखों की बीमारी में लाभकारी है। डॉक्टरों की मानें तो यह पेट के रोगों के लिए भी रामबाण है। चने का सत्तू गरमी में पेट की बीमारी और तापमान को नियंत्रित रखने में मदद करता है। अल्पाहार में सत्तू का प्राचीन काल से मुख्य स्थान रहा है। यह शरीर के पोषण के साथ-साथ मोटापा भी नियंत्रित रखता है। मौजूदा समय में सत्तू की उपयोगिता भले ही महत्वपूर्ण हो, लेकिन इसके चाहने वाले कम होते जा रहे हैं। फास्ट फूड के दौर में सत्तू का महत्व कम हो रहा है, लेकिन मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण इलाकों में गर्मियों में लोग सत्तू का इस्तेमाल खूब करते हैं।

फायदे ही फायदे

-सत्तू का सेवन चीनी और घी के साथ करना ज्यादा लाभदायक होता है। इसे गर्मी में खाने से लू नहीं लगती।

-यह प्रोटीन का बेहतर स्रेत है और प्रोटीन लीवर को मजबूत रखता है।

-इसमें प्राकृतिक रूप से रक्तशोधन का गुण होता है, जिसकी वजह से खून की गड़बड़ियों से बचाव होता है।

-पेट में एसिड बनने से भी रोकता है सत्तू।

-जौ और चने का सत्तू मधुमेह में भी लाभकारी है।

-सत्तू आहार है, इसलिए इसका साइड इफेक्ट भी नहीं है।

-सत्तू को पानी के साथ लेने से मॉइस्चर लेवल बढ़ता है, जिससे पेट ठंडा रहता है। चने के सत्तू में मूंग और सोया मिला लेने से सत्तू सेहत के लिए और ज्यादा फायदेमंद हो जाता है।

मस्तिष्क जुड़ाव में बदलाव लाती है कॉफी

लंदन। हमारी मस्तिष्क को जोड़ने वाली कोशिकाओं में कॉफी बारीक बदलाव लाती है? एक शोधकर्ता ने 18 महीने तक अपने दिमाग का एमआरआई स्कैन किया, जिसमें ऐसे बदलाव दिखे जो इससे पहले नहीं देखे गए थे। ''स्टैनफोर्ड विविद्यालय के प्रोफेसर शोधकर्ता पोल्ड्रेक ने लगभग डेढ़ साल तक मस्तिष्क पर अध्ययन किया। वहीं दो हफ्तों के बीच उन्होंने मस्तिष्क संचार के अलग-अलग हिस्सों में ''कन्नेक्टोम' में परिवर्तन की सूचना मिली। जिस दिन पोल्ड्रेक ने कुछ नहीं खाया, उस दिन उनके मस्तिष्क में कैफीन की कमी से कनेक्टिविटी के विभिन्न स्तरों का पता चला। पोल्ड्रेक ने कहा, ''हमें मस्तिष्क कनेक्टिविटी प्रभावित करने वाले सबसे बड़े कारक का आसानी से पता चल गया है।' उन्होंने कहा, ''यह पूरी तरह अनपेक्षित था, लेकिन यह आपके मस्तिष्क की कनेक्टिविटी में बदलाव लाता है।

भोजन में बेहतर क्या है, प्रस्तुति या स्वाद?

मुंबई। क्या आपने कभी सोचा है कि हम ताजा बने हरे पालक पनीर, गर्मागर्म चॉकलेट ब्राउनी, रंग-बिरंगे सब्जी के सलाद या चोको चिप्स और काजू-बादाम से सज कर इठलाती वनीला आइसक्रीम को देख कर एक नजर में ही उनकी तरफ कैसे आकर्षित हो जाते हैं? क्या खाने की मुखर एवं रंगीन प्रस्तुति ही हमें उसकी ओर आकर्षित करती है या उसका स्वाद और उससे स्वास्य को मिलने वाला लाभ भी हमें खींचता है ? सेलिब्रिटी शेफ रणवीर बरार ने कहा, ''हम पहले आंखों से ही भोजन की ओर आकर्षित होते हैं या यूं कहें कि पहले हम आंखों से ही खाते हैं खाने का पहला प्रभाव ही आखिरी प्रभाव होता है।'''किसी भी खाने की सफलता इस बात पर प्रमुख रूप से निर्भर करती है कि वह कैसा दिख रहा है और कैसे परोसा गया है।'''मास्टर शेफ' के चौथे संस्करण के जज रह चुके शेफ बरार ने कहा कि जब भोजन की प्रस्तुति और उसके स्वाद में से किसी एक को चुनने की बात आती है तो जीत हमेशा स्वाद की ही होती है। ''भोजन की प्रस्तुति निश्चित ही प्रभाव छोड़ती है पर उसका स्वाद ही है जो किसी को भी प्रभावित करता है। कोई खाद्य सामग्री हमें उसके स्वाद से ही याद रहती है। खानपान की दुनिया में बादशाहत स्वाद की है।'भोजन बनाने में महारत हासिल कर चुके शेफ रणवीर के दुनियाभर में 10 से अधिक रेस्टोरेंट ब्रैंड हैं। बहरहाल, उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि जल्द ही हम यह महसूस करेंगे कि किसी भी खाद्य सामग्री का मूल तत्व उसका विशिष्ट स्वाद और महक है।'''रणवीर्स कैफे' और ''हेल्थ भी टेस्ट भी' जैसे टीवी शो में अपनी पाक कला और उसे सजाने का कौशल दिखा चुके रणवीर बरार ने कहा कि आकर्षक प्रस्तुति किसी भी डिश को ऐसा बना देती है कि उसे खाने से आप खुद को रोक ही नहीं पाते। भोजन को आकर्षक रूप में प्रस्तुत करने के नुस्खे बताते हुए शेफ बरार ने बताया कि खाना हमेशा हल्के रंग की थाली (सफेद और विशेषकर हाथीदांत के बर्तन) में ही परोसना चाहिए। काले रंग के बर्तनों का प्रयोग सफेद या लाल रंग के भोजन को परोसने के लिए किया जा सकता है। थाली में रंगों का तालमेल उपयुक्त रूप से किया जाना चाहिए। चार रंगों से अधिक रंगों का प्रयोग एक थाली में नहीं करना चाहिए। अधिक रंगों के प्रयोग से खाना अटपटा दिख सकता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

हंसी के फूव्वारें

एक प्रत्याशी ने अपने परिचित वोटर के घर जाकर कहा, 'भैया, ख्याल रखना, मैं खड़ा हूं.'

वोटर ने कोने में रखी कुर्सी की ओर संकेत करते हुए कहा, 'आप खड़े क्यों हैं, बैंठ जाइए.'

आदमी ने अपनी विवाहिता नवयुवती से बड़े प्यार से कहा, 'अब यह घर तुम्हारा है. हर पल इसे सजाने-संवारने की जिम्मेदारी अब तुम्हारी है.'

नवयुवती पत्नी तुनक उठी, 'तो फिर मैं अपना मेक-अप कब करूँगी?'

आजीवन कुँवारा रहने का फैसला करने और फिर उस पर डटे रहने वाले व्यक्ति ने साक्षात्कार के समय अपने उस फैसले का कारण कुछ इन शब्दों में बयान किया-

'मैं विवाह के लिए तैयार था, बल्कि विवाह का सारा इन्तजाम हो चुका था कि एक दिन मैंने अपने ससुर को अपनी होने वाली सास के हाथ से पिटते हुए देखा और नसीहत ग्रहण कर ली.'

प्रेमिका ने बेरोजगार प्रेमी से बड़े प्रेम से पूछा - तुम निकट भविष्य में क्या बनना पसंद करोगे?

बेरोजगार प्रेमी ने तड़ से जवाब दिया- तुम्हारा पति.

काकुरो पहेली - 4056

■	■	■	12\	6\	■	14\	16\	■	■
■	9\	22\11			\17			17\	17\
\11					3\30				
\16			7\4			13\	6\16		
■	\9			8\10					■
■	■	20\3			9\11			22\	■
■	3\28					9\10			8\
\10			3\	7\3			16\6		
\10					\30				
■	■	\4			\8			■	■

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

■	24\15	1	2	3	4	5
	7					
	8					
	9					

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 4055 का हल

■	■	10\	4\	■	■	8\	4\	■	■
■	7\3	2	1	■	9\3	2	1	11\	■
\6	2	1	3	24\11	2	5	3	1	7\
\7	4	3	15\13	8	4	1	22\3	2	1
\22	1	4	5	9	3	17\23	9	8	6
■	7\	13\8	1	7	7\15	7	8	10\	8\
\23	6	8	9	8\15	1	2	5	4	3
\5	1	4	4\13	1	4	8	5\4	3	1
■	\11	1	3	5	2	\9	3	2	4
■	■	\3	1	2	■	\3	2	1	■

फिल्म वर्ग पहेली- 4056

1		■	2	■	3	4		■	5
	■	6		7	■		■	8	
9			■	10			■	■	
	■	11			■	12		13	■
14	15		■		■		■	16	
■		■	17		18	■	19		■
20	■	21		■	22			■	23
24		■	25	26		■	27		
	■	28			■	29	■	■	
30			■	31			■	32	

बायें से दायें:-

१. 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फरदीन, करीना की फिल्म-२
३. 'ये प्यार यार क्या है' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ओ सजना बरखा बहार आई' गीत किस फिल्म का है?-३
८. अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
९. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१०. अक्षय, करीना की 'तुने कहा जबसे हाँ' गीत वाली फिल्म-३
११. 'रूठे सैंया हमारे सैंया' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१२. रणधीर कपूर, रेखा की फिल्म-३
१४. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत किस फिल्म का है?-३
१६. बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
१७. 'पल्लो लटके' गीत वाली फिल्म-३
१९. दिलीपकुमार, निम्मी की 'दिल में छुपाके' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'जो भी कसमें' गीत वाली डीनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-२
२२. धर्मेन्द्र, हेमा की 'राजा ना जा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'रूकी रूकी सी जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२
२५. राजकुमार, प्रिया राजवंश की फिल्म-३
२७. 'संडे की रात थी' गीत वाली गोविंदा, रवीना की फिल्म-३
२८. राहुल, दीपक, पूजा भट्ट की 'मेरे दिल का पता' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'जिंदगी आ रहा' गीत वाली की फिल्म-३
३१. विनोद, डैनी, मौसमी की 'संसार है एक नदिया' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तू मेरे सामने' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, श्रीदेवी की 'मैं तुझे कबूल' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'जीवन चलने का नाम' गीत वाली मनोज, जया की फिल्म-२
४. फिल्म 'आनंद' में आनंद की शीर्षक भूमिका किसने की थी?-३.२
५. शशिकपूर, शबाना की 'दिल में तुझे बिठाके' गीत वाली फिल्म-३
६. अमरीशपुरी पर फिल्माये 'ये दुनिया एक दुल्हन' गीत वाली फिल्म-४
७. 'मंदिर में ना मस्जिद' गीत वाली फिल्म-५
१३. धर्मेन्द्र, वहीदा, जया की 'कब माने हो दिल के दीवाने' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'हम जब सिमट' गीत वाली शशि, साधना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-२
१७. देवानंद, गीत बाली की 'ठंडी हवाएं लहरा के आएं' गीत वाली फिल्म-४
१८. नायक के रूप में अनिल कपूर की पहली फिल्म-३
१९. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-३
२०. मनोजकुमार, नंदा की 'काले हैं तो क्या हुआ' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'किताबें बहुत सी' गीत वाली फिल्म-४
२६. सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त एक हिंदी फिल्म-३
२८. सनी, तब्बू. रीमा सेन की 'जो प्यार तुमने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'खोया है तूने' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-4055

रे	ड	■	बॉ	बी	■	श	रा	र	त
टी	■	अ	क्स	■	फ	रा	ज	■	ला
■	कु	द	र	त	■	बी	■	जो	श
आ	■	ना	■	म	र्द	■	जं	ग	■
द	म	न	■	न्ना	■	■	जी	न	त
मी	■	सा	थी	■	म	द	र	■	ह
■	वि	मी	■	अ	वा	म	■	शू	ल
ही	रा	■	रू	दा	ली	■	जै	■	का
■	स	नी	■	ल	■	फ	की	रा	■
जी	त	■	सौ	त	न	■	■	जा	ल

सूडोकु -4056

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु 4055का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 4056

■	1	2	3	4	■	5	6	7		■
8	■	9			■	10			■	11
12	13	■	14		■	15		■	16	
17		18	■	19	20		■	21		
22			23	■		■	24			
■	■	■	25					■	■	■
26	27	28		■		■	29	30	31	32
33			■	34		35	■	36		
37		■	38		■	39	40	■	41	
	■	42			■	43		44	■	
■	45				■	46				■

बाएँ से दाएँ

1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली -4055 का हल

■	म	ल	म	ल	■	■	र	ह	न	■
चा	य	■	हा	■	जा	सू	स	■	शा	म
टु	■	■	रा	श	न	■	म	■	■	न
का	र	गु	जा	री	■	का	■	दु	का	न
र	■	ना	■	फ	न	का	र	■	फि	■
■	चा	ह	■	■	■	■	■	भ	ला	■
■	ह	■	अ	च	क	न	■	वं	■	अ
क	त	रा	■	र्म	■	क	म	र	बं	द
म	■	■	ब	■	ला	ल	च	■	■	र
र	न	■	ल	की	र	■	ल	■	आ	क
■	म	ज	मा	■	■	अ	ना	या	स	■

डीडीडब्ल्यूएस ने 8वें 'जिला कलेक्टर पेयजल संवाद' का आयोजन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (डीडीडब्ल्यूएस) ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "जिला कलेक्टर पेयजल संवाद" के 8वें संस्करण का आयोजन किया। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार इस महत्वपूर्ण बैठक में जल जीवन मिशन (जेजेएम) 2.0 के कार्यान्वयन में तेजी लाने, भविष्य की चुनौतियों और जिलों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। डीडीडब्ल्यूएस सचिव अशोक के.के. मीना ने बताया कि 2019 में शुरू हुए मिशन ने ग्रामीण जल आपूर्ति का परिदृश्य बदल दिया है। अब तक लगभग 81 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है। जेजेएम 2.0 की अवधि अब दिसंबर 2028 तक बढ़ा दी गई है। बुनियादी ढांचे की दीर्घकालिक कार्यक्षमता के लिए इसे ग्राम पंचायतों को सौंपना और स्थानीय सेवा प्रदाताओं के रूप में उनकी भूमिका सुनिश्चित करना अनिवार्य है। उन्होंने जिला कलेक्टरों से मासिक पेयजल आपूर्ति एवं स्वच्छता समीक्षा बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने और उनकी प्रगति को डैशबोर्ड पर अपडेट करने का आग्रह किया।बैठक के दौरान 'सुजलम भारत पीएम गति शक्ति' मोबाइल एप्लिकेशन के प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग मॉड्यूल पर एक प्रस्तुति दी गई। उप सचिव डॉ. अंकिता चक्रवर्ती ने बताया कि यह मॉड्यूल योजनाओं के निर्माण से लेकर उन्हें सौंपने तक की वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित करेगा। एनजेजेएम निदेशक वाई.के. सिंह ने सीआईआरपी ढांचे के माध्यम से सुधारों और वित्तीय पारदर्शिता पर जोर दिया।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने की नाम्ची में प्रमुख विकास परियोजनाओं की समीक्षा

एजेंसी

नाम्ची (सिक्किम)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सिक्किम के अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन नाम्ची जिले में विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए शिक्षा, पर्यटन, चाय उत्पादन और खेल विकास से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने स्थानीय हितधारकों, छात्रों, चाय बागान श्रमिकों और युवा खिलाड़ियों से बातचीत की तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र में आधारभूत ढांचे, आजीविका और जमीनी स्तर पर अवसरों को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, केंद्रीय मंत्री ने नाम्ची जिले के तार्कु में निर्माणाधीन कंचनजंगा सिक्किम स्टेट यूनिवर्सिटी का दौरा किया, जो सिक्किम में विकसित की जा रही पहली राज्य विश्वविद्यालय है। 28 एकड़ में फैले इस विश्वविद्यालय को उत्तर पूर्व परिषद (एनईसी) द्वारा डोनर मंत्रालय के माध्यम से 9.61 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है। निर्माण पूरा होने के बाद यहां 1,500 से अधिक छात्रों के अध्ययन की सुविधा होगी। दौरे के दौरान मंत्री ने प्रशासनिक भवन और कैंपस अवसंरचना की प्रगति की समीक्षा की। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तिमी चाय बागान और तिमी टी प्रोसेसिंग यूनिट का दौरा किया, जहां उन्होंने चाय बागान के श्रमिकों और अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने चाय उत्पादन, प्रसंस्करण और पैकेजिंग की विभिन्न प्रक्रियाओं का अवलोकन किया और अंतरराष्ट्रीय बाजार तथा निर्यात संभावनाओं पर चर्चा की।

अधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि तिमी चाय बागान एलपीजी आधारित चाय निर्माण प्रक्रिया की ओर बढ़ रहा है, जिससे कोयले के उपयोग और कार्बन अवशेष में कमी आएगी। अधिकारियों ने तिमी चाय को जीआई टैग दिलाने की भी सिफारिश की। इस दौरान मंत्री ने महिला चाय श्रमिकों से धाराप्रवाह नेपाली भाषा में संवाद किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चेम्चे स्थित इंडियन हिमालयन सेंटर फॉर एडवेंचर एंड इको टूरिज्म का भी दौरा किया, जहां सिक्किम सरकार और डोनर मंत्रालय के सहयोग से विकसित किए जा रहे प्रस्तावित नाम्ची-तिमी-रावांगला पर्यटन सर्किट की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान मंत्री ने केंद्र में विकसित की जा रही रॉक क्लाइंबिंग, आइस क्लाइंबिंग, साइक्लिंग ट्रैक, ट्रेकिंग, स्कीइंग, पर्वतारोहण और निर्देशित इको-टूरिज्म गतिविधियों का अवलोकन किया।केंद्रीय मंत्री ने नाम्ची के भाइचुंग स्टेडियम में आयोजित सिक्किम प्रीमियर लीग के चौथे संस्करण के सेमीफाइनल मुकाबले में भाग लिया। खिलाड़ियों और लोगों को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पूर्वोत्तर को देश का प्रमुख खेल केंद्र बनाने के विजन पर प्रकाश डाला। उन्होंने 'वन स्पोर्ट, वन स्टेट' विकास दृष्टिकोण और मंत्रालय के 60:40 मॉडल का भी उल्लेख किया।

हज यात्रियों को हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 तक ले जाने के लिये एक्सप्रेस मेट्रो की व्यवस्था, दिल्ली स्टेट हज कमेटी की पहल

एजेंसी

नई दिल्ली। हज यात्रा 2026 के हज यात्रियों को दिल्ली के रामलीला मैदान में दिल्ली स्टेट हज कमेटी द्वारा लगाए गए हज कैंप से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के टर्मिनल 3 तक एक्सप्रेस-वे मेट्रो से ले जाया जा रहा है।

दिल्ली स्टेट हज कमेटी द्वारा हज यात्रियों को बसों के स्थान पर हवाई अड्डे तक मेट्रो से ले जाने की पहल की गई है। यह कदम पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से अनावश्यक खर्चों में कटौती और ईंधन संकट का मुकाबला करने के लिए मेट्रो और ट्रेन से यात्रा करने को प्राथमिकता देने के संदेश को धरातल पर परिभाषित करने के लिए उठाया गया है। नई दिल्ली एयरलाइन मेट्रो स्टेशन पर हज यात्रियों को एयरपोर्ट रवाना करने के लिये दिल्ली स्टेट हज कमेटी की चेयरपर्सन कौसर जहां, कार्यकारी अधिकारी अशफाक अहमद आरफी, उप कार्यकारी अधिकारी मोहसिन अली और दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, दिल्ली पुलिस, सउदी एयरलाईंस, हज कमेटी आफ इंडिया और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। साथ ही मेट्रो द्वारा नई दिल्ली एयरलाइन एक्सप्रेस-मेट्रो स्टेशन से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे टर्मिनल 3 मेट्रो स्टेशन तक की यात्रा में हज यात्रियों के साथ यात्रा भी की ।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का किया स्वागत

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्रीलंका की महिला सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का दिल्ली सचिवालय में स्वागत किया। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व श्रीलंका की महिला और बाल कल्याण मंत्री सरोजा सावित्री पॉलराज कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि श्रीलंका के लोकतांत्रिक सफर में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी एक उत्साहजनक सामाजिक परिवर्तन को दर्शाती है। भारत और श्रीलंका गहरे सभ्यतागत बंधनों, लोकतांत्रिक मूल्यों और अटूट जन-संबंधों से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत महिला के नेतृत्व विकास की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है, जहां नारी शक्ति राष्ट्रीय प्रगति की एक प्रमुख शक्ति है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीलंका की महिला सांसदों का दौरा भारत और श्रीलंका के बीच मित्रता को और मजबूत करेगा और महिला नेतृत्व के माध्यम से गहन सहयोग को प्रेरित करेगा। दिसंबर 2024 में श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की भारत की राजकीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई उनकी चर्चाओं के बाद श्रीलंका की महिला सांसदों के समूह की भारत यात्रा हो रही है।

पंजाब में हार के डर से कांग्रेस और आआपा एसआईआर पर उठा रही है सवालः भाजपा

नई दिल्ली। पंजाब में विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) को लेकर विपक्षी दलों के विरोध पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने निशाना साधा है। भाजपा ने कहा कि पंजाब में करारी हार के डर से कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) अब विशेष पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) जैसी संवैधानिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाने लगी हैं। सच्चाई यह है कि आज़ादी के बाद देश में 13 बार एसआईआर और गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया हो चुकी है, जिनमें अधिकांश समय कांग्रेस स्वयं सत्ता में थी। मीडिया से बातचीत में भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा 16 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों सहित पंजाब में शुरू की गई यह प्रक्रिया लोकतंत्र को मजबूत करने, असली मतदाताओं के अधिकार सुरक्षित करने और फर्जी या डुप्लीकेट नाम हटाने के लिए है। जनता को गुमराह करने और डर फैलाने के बजाय विपक्ष को एक जिम्मेदार लोकतांत्रिक दल की तरह इस प्रक्रिया में भाग लेना चाहिए। तरुण चुघ ने कहा कि कांग्रेस और आआपा नेता, जो आज पंजाब में धांधली का आरोप लगा रहे हैं, यह भूल जाते हैं कि स्वतंत्रता के बाद से भारत में 13 बार गहन मतदाता सूची संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से अधिकतर कांग्रेस के शासनकाल में ही हुए हैं। जो दशकों तक कांग्रेस को स्वीकार्य था, वह अचानक खतरनाक प्रतीत होने लगा है, केवल इसलिए कि उन्हें पंजाब में हार का डर है।

कर्नाटक के कोप्पल में तुंगभद्रा पुल पर हादसा, छह लोगों की मौत, दस से अधिक घायल

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल जिले के मुनिराबाद के पास स्थित तुंगभद्रा पुल पर शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि दस से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा मुनिराबाद थाना क्षेत्र में उस समय हुआ जब श्रद्धालुओं से भरा ट्रैक्टर पुल से नीचे गिर गया। मृतकों की पहचान केंचप्पा (35), महांतेश (18), भरत (1), सविता (12), मारेश और गौरम्मा के रूप में हुई है। सभी मृतक विजयनगर जिले के कूडलिगी तालुक के मरलायनहल्ली गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। पुलिस के अनुसार, श्रद्धालु हुलिगेम्मा जात्रा में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए एक टैंकर ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर पुल से नीचे जा गिरा। हादसे में ट्रैक्टर सवार कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों को तुरंत होस्पेट और कोप्पल जिला अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

धार की भोजशाला पर उच्च न्यायालय का फैसला स्वागतयोग्यः डॉ. आलोक त्रिपाठी

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने धार की भोजशाला विवाद मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। उच्च न्यायालय ने भोजशाला को मंदिर करार दिया है और हिंदू पक्ष की मांग मंजूर कर ली है। न्यायालय के इस फैसले पर भोजशाला पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की तरफ से रिपोर्ट तैयार करने की टीम का नेतृत्व करने वाले अतिरिक्त महानिदेशक रहे डॉ. आलोक त्रिपाठी ने संतोष जताया है। उन्होंने न्यायालय के इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें गर्व है कि उनकी 2190 पेज की रिपोर्ट से सच्चाई उजागर हुई। इन दिनों डॉ आलोक त्रिपाठी असम यूनिवर्सिटी सिलचर में इतिहास के प्रोफेसर हैं। वे अंडरवॉटर आर्कियोलॉजिकल विंग के अध्यक्ष रहे हैं।

हिन्दुस्थान समाचार के साथ उन्होंने साक्षात्कार में बताया कि कार्य कठिन था लेकिन उद्देश्य विशाल था जिसकी परिणति सुखद है।

डॉ. आलोक त्रिपाठी ने बताया कि साल 2024 में न्यायालय के आदेश पर एएसआई ने टीम बनाई जिसका नेतृत्व उन्होंने किया। भोजशाला में तथ्य जुटाने के लिए 98 दिनों तक खुदाई और साक्ष्य जुटाने के लिए सर्वे का काम किया गया। सर्वे में 106 मूल आधार स्तंभ और 82 अर्धस्तंभ मिले, जिन पर हिंदू धर्म से संबंधित नक्काशी है। 94 हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियां और प्रतिमाओं के टुकड़े मिले। दीवारों पर संस्कृत और प्राकृत में 'श्री सरस्वत्यै नमः' जैसे शिलालेख मिले हैं। अन्य साक्ष्यः परिसर में त्रिशूल का पेंटिंग, कलश और विष्णु की खंडित प्रतिमा मिले। परमार कालीन सिक्के भी मिले। उन्होंने बताया कि 98 दिनों तक सर्वे के काम के बाद रिपोर्ट तैयार करने में 15 दिन लगे। सर्वे और खुदाई में निकले साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर तैयार 2190 पेज की रिपोर्ट को न्यायालय को सौंपा। डॉ. आलोक त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें न्यायालय के फैसले पर गर्व की अनुभूति हो रही है। साथ ही उन्होंने अपनी टीम का भी आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने टीम के सारे सदस्यों ने कठिन परिस्थितियों में काम किया। आखिरकार इस रिपोर्ट को न्यायालय में स्वीकृति मिली। एएसआई के कार्य को स्वीकृति मिली। यह बेहद संतोषजनक है। उन्होंने बताया कि कार्य के दौरान स्थानीय प्रशासन से बहुत सहयोग मिला। दिनरात बहुत मेहनत से काम किया। जैसा कोर्ट के आदेश के तहत दोनों पक्षों के सदस्य रहते थे। इस प्रकार से हमें कोई दिक्कत नहीं आई। जी जान से किए गए काम की परिणति थी। 2190 पेज की रिपोर्ट समय अवधि में पूरा हुआ।

संस्कृति मंत्रालय ने दिनेश चंद्र जोशी की जन्म शताब्दी समारोह पर जारी किया डाक टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में आचार्य दिनेश चंद्र जोशी की जन्म शताब्दी समारोह और राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान उनको समर्पित एक स्मारक डाक टिकट जारी किया गया। इस दौरान कार्यक्रम का उद्घाटन संस्कृति मंत्रालय के संयुक्त सचिव समर नंदा ने किया।

मंत्रालय के अनुसार इस मौके पर जारी टिकट संस्कृत विद्वत्ता और भारतीय संस्कृति में उनके अपार योगदान को मान्यता देता है। इस डाक टिकट के विमोचन के माध्यम से विद्वान के संस्कृत तथा भारतीय ज्ञान परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति आजीवन सेवा को राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस कार्यक्रम को साहित्य अकादमी और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से किया। इस दौरान संस्कृत और भारतीय

संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी संस्कृत विद्वान, प्रसिद्ध शिक्षाविद और संस्कृत भाषा तथा भारतीय सांस्कृतिक विरासत के विशिष्ट संवर्धक जोशी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित की गई। समर नंदा ने सभा को सूचित किया कि गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता वाली राष्ट्रीय कार्यान्वयन समिति ने आचार्य दिनेश चंद्र जोशी के सम्मान में 11 अप्रैल 2026 से 11 अप्रैल 2027 तक देशभर में आयोजित होने वाले स्मृति कार्यक्रमों, शैक्षणिक सेमिनारों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और आध्यात्मिक सभाओं को मंजूरी दे दी है। समर नंदा ने कहा कि दिनेश जोशी का जीवन शाश्वत प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है, जो यह दर्शाता है कि महानता सुख-सुविधाओं से नहीं बल्कि समर्पण, दृढ़ता और आंतरिक शक्ति से प्राप्त होती है।

बोरवेल में गिरे बच्चे को नौ घंटे बाद सुरक्षित निकाला

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के होशियारपुर के गांव चक्क समाना में करीब चार बजे बोरवेल में गिरे चार वर्षीय बच्चे को एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पंजाब पुलिस, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय निवासियों के सहयोग से करीब नौ घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। बोरवेल में गिरे बच्चे गुरकरन सिंह (पुत्र हरिंदर और आशा, मजदूर) को रात करीब 12:40 बजे बोरवेल से बाहर निकाला गया और तुरंत मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया।

उपायुक्त आशिका जैन और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मलिक ने रेस्क्यू अभियान का शुरुआत से नेतृत्व किया और पूरे अभियान को सफल बनाने के लिए टीमों की दृढ़ता की भरपूर सराहना की। बचाव कार्य सफलतापूर्वक पूरा होने के बाद उपायुक्त ने बताया कि बच्चे को बचाने के बाद एंबुलेंस में चिकित्सकों की टीम के साथ आगे की जांच के लिए अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि शाम करीब 4 बजे यह घटना हुई और सूचना मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंच गए थे। उन्होंने बताया कि बच्चा बोरवेल में गिरने के बाद करीब 30 फीट की गहराई पर फंस गया था। बचाव कार्य तेज करने के लिए जरूरी मशीनरी मौके पर लाई गई। जिला

गुरकरन अपने घर के बगल में खुले बोरवेल में गिर गया था, जो कल खोदा जा रहा था। बोरवेल के बिल्कुल बगल में 30 फीट से अधिक गहरा गड्ढा खोदने के बाद बचाव टीमों ने बोर के साथ एक तंग रास्ता बनाकर शाफ्ट तक पहुंच कर काफी मशक्कत के बाद बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाला। प्रशासन ने शाफ्ट में कैमरा और ऑक्सीजन पाइप भी नीचे उतारा, जिससे बच्चे की हरकतों को फुटेज के जरिए देखा जा रहा था।

उपायुक्त ने कहा कि एनडीआरएफ की टीम (40 से अधिक सदस्य) ने अपनी विशेषज्ञता से इस कठिन समय में ऑपरेशन को सुरक्षित ढंग से सफल बनाया। इस दौरान पंजाब के जेल मंत्री डॉ. रवजोत सिंह और होशियारपुर से लोकसभा सांसद डॉ. राज कुमार चब्बेवाल, जो पूरे बचाव अभियान के दौरान मौके पर मौजूद रहे, ने गुरकरन को बचाने के लिए सभी टीमों द्वारा किए गए अथक प्रयासों की सराहना की। डॉ. रवजोत सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन ने एनडीआरएफ, अन्य टीमों और स्थानीय गांव वासियों की मदद से बच्चे को बोरवेल से बाहर निकालने के लिए पुख्ता प्रबंध किए, जिनकी वजह से गुरकरन की जान बच सकी। सांसद डॉ. चब्बेवाल ने कहा कि यह बहुत नाजुक ऑपरेशन था और टीमों के लगातार प्रयासों से करीब सात घंटे की जद्दोजहद के बाद इसे सफल बनाया गया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मलिक ने भी बच्चे को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए बचाव टीमों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि टीमों का जज्बा बेहद सराहनीय था, जिसकी वजह से गुरकरन की जान बच गई।

बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 18 जून से शुरू होगा, 22 को पेश होगा पूर्ण बजट

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा का बजट सत्र 18 जून से शुरू होगा और 22 जून को राज्य की पहली भाजपा नीत सरकार का पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। विधानसभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष रथींद्र बोस ने सदन के विशेष सत्र में इसकी घोषणा की। इसी विशेष सत्र में उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष पद की शपथ भी ली। पूर्ण बजट 22 जून को पेश किया जाना है। ऐसे में माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली नई सरकार जल्द ही राज्य के नए वित्त मंत्री के नाम की घोषणा कर सकती है। इस वर्ष पांच फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में वित्त राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रहीं चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में अंतरिम बजट यानी वोट ऑन अकाउंट पेश किया था। विधानसभा चुनाव के कारण उस समय पूर्ण बजट पेश नहीं किया जा सका था। राज्य में अप्रैल में चुनाव कराए गए थे और चार मई को परिणाम घोषित हुए थे। इस बीच मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सभी विभागीय सचिवों को राज्य बजट की तैयारियां शुरू करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वित्त विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार आगामी पूर्ण बजट मौजूदा सत्तारूढ़ दल द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले जारी घोषणापत्र में किए गए वादों के आधार पर तैयार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक बजट का मुख्य फोकस राज्य के स्वयं के कर राजस्व बढ़ाने के लिए वैकल्पिक स्रोत तलाशना, सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के भारी कर्ज के दबाव को कम करना, गैर योजना मदों में लगातार बढ़ रहे खर्च पर नियंत्रण लगाना तथा पूंजीगत व्यय को बढ़ावा देना होगा। राज्य सरकार को इस समय गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य का खजाना एक ओर सीमित कर राजस्व, दूसरी ओर सात लाख करोड़ रुपये से अधिक के कर्ज और तेजी से बढ़ रहे।

पूजा स्थल अधिनियम, 1991 के बावजूद विवादित मामले सुने जा रहे हैं तो इस अधिनियम को खत्म कर देना चाहिएः महमूद मदनी

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी का कहना है कि बाबरी मस्जिद का फैसला एक ऐतिहासिक फैसला था और इस फैसले को मुसलमान ने स्वीकार कर इसे भी ऐतिहासिक बना दिया था। जिस समय यह फैसला आना था उसे समय से पहले अदालत के बाहर इस मसले को हल करने के लिए कोशिश की गई थी और पूरे देश और दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश की गई थी कि बाबरी मस्जिद के बाद अब कोई अन्य मामला नहीं उठाया जाएगा। लेकिन इसके फौरन बाद बहुत सारे मामले अदालतों के जरिए उठाए गए और अदालत में इस तरह के मामले चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूजा स्थल अधिनियम 1991 के रहते हुये इस तरह के विवादित मामले अदालतों में सुने जा रहे हैं और इस पर फैसले दिए जा रहे हैं । इधर-उधर करके अदालत में विवादित मुद्दों को उठाया जा रहा है तो इस अधिनियम की क्या जरूरत है । इसे ही खत्म कर दिया जाना चाहिए। महमूद

मदनी ने जमीअत उलमा-ए-हिंद की पहल और एसएएमएलए के सहयोग से 'बाबरी मस्जिद का फैसला और पूजा स्थल अधिनियम 1991 पर एक आलोचनात्मक विश्लेषण' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए यह कहा। इस गोलमेज कांफ्रेंस का आयोजन कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ़ इंडिया के डिप्टी स्पीकर हाल में किया गया था। उन्होंने कहा कि इस कांफ्रेंस में जो रिपोर्ट आई है वह भी ऐतिहासिक है और इसे आने वाली नस्लों के लिए हमने तैयार कराया है ताकि लोगों को पता रहे की एक फैसला आया था और इस पर एक रिपोर्ट तैयार की गई थी। इस मौके पर पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि बाबरी मस्जिद का जो फैसला आया मैं समझता हूं कि वह मुसलमान के हक में था क्योंकि इस फैसले में कई बातें कही गई है जो कि मुस्लिम पक्ष के लिए एक बुनियाद बनी है। इस मौके पर प्रोफेसर फैजान मुस्तफा ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि बाबरी मस्जिद का फैसला और आज आने वाला भोजशाला का फैसला मिलता जुलता है।

उन्होंने कहा कि हालांकि भोजशाला का मामला टाइटल सूट नहीं है लेकिन फिर भी इसमें एएसआई को बहुत कुछ करने की छूट दी गई है। इस मौके पर उपस्थित वक्ताओं के जरिए बाबरी मस्जिद और भोजशाला के शुक्रवार के फैसले पर काफी टिप्पणियां की गई है और कहा गया है कि अब भोजशाला का मामला सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट में जाएगा तो इस पर मुस्लिम पक्ष की तरफ से मजबूती से लड़ाई लड़ी जाएगी ।

भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा : शिवराज सिंह चौहान

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सातारा जिले में कहा कि भारत में एक भी गरीब व्यक्ति मिट्टी के घर में नहीं रहेगा। सभी के लिए पक्के घर प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सातारा जिले के सैनिक ग्राउंड में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री के सुझाव के अनुसार महाराष्ट्र को एक साल में 30 लाख घरों का लक्ष्य दिया गया था। देश के किसी अन्य राज्य को ऐसा लक्ष्य नहीं दिया गया है। केवल महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने इतनी बड़ी संख्या में लक्ष्य हासिल किया। उन्होंने इस सभी क्रांतिकारी काम के लिए उन्हें बधाई दी, चाहे वह हर घर को सोलर एनर्जी पर लाना और ज़ीरो बिजली बिल लाना हो, या रिकॉर्ड कम समय में पांच लाख घर पूरे करना हो, भूमिहीनों को 1 लाख रुपये की सहायता देना हो, और विश्वास व्यक्त किया कि बाकी घर भी जल्द से जल्द पूरे हो जाएंगे। महिला

सशक्तिकरण की बात करते हुए, शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि देश में 3 करोड़ दीदी लखपति करोड़पति बन गई हैं, और अब 6 करोड़ दीदी लखपति का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ लाख बनाने का फैसला किया गया है, ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए विकसित भारत जी रामजी योजना 1 जुलाई से शुरू हो रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बदलाव आएगा। गांव का डेवलपमेंट प्लान गांव में ही बनेगा, उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि ग्रामीण इलाकों के डेवलपमेंट की रफ़्तार बढ़ेगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह ऐसे काम कर रहे हैं, जैसे गरीबों की सेवा कर रहे हों और भगवान की पूजा कर रहे हों। हम किसानों और खेती को बेहतर बनाने के लिए कमिटेड हैं। प्याज उगाने वालों के मुद्दे पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से बातचीत हुई और वेस्ट एशिया और बांग्लादेश में संकट के कारण प्याज के दाम गिर गए हैं। प्याज उगाने वाले मुश्किल में हैं, उन्हें राहत देने के लिए नाफेड के ज़रिए 12.35 पैसे प्रति द्वद्द प्याज खरीदना शुरू कर दिया गया है। कपास, सोयाबीन, अरहर समेत कई फसलों की एमएसपी बढ़ाई गई है। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही एक मीटिंग होगी और चीनी की एमएसपी को लेकर पॉजीटिव फ़ैसला लिया जाएगा। केंद्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि देश का पैसा और समय बचाने के लिए 'वन नेशन, वन इलेक्शन' के सिद्धांत के अनुसार सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कॉन्सेप्ट का सभी को सपोर्ट करना चाहिए। चौहान ने यह भी अपील की कि संकट के समय में सभी को एक देश के रूप में एक साथ खड़ा होना चाहिए और समय-समय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देनी चाहिए।

पिछोर का 2.5 अरब वर्ष पुराना ऑर्बिकुलर ग्रेनाइट बना अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक महत्व का केंद्र, नए वैज्ञानिक अध्ययन ने किया प्रमाणित

एजेंसी

वाराणसी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले स्थित पिछोर का दुर्लभ ऑर्बिकुलर ग्रेनाइट अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिक महत्व का केंद्र बन गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) ने इस अनूठी चट्टान संरचना को भारत का 'राष्ट्रीय भू-विरासत स्थल' घोषित किया है, जबकि एक नए अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक अध्ययन ने इसकी प्राचीनता और भूवैज्ञानिक महत्व को प्रमाणित किया है।बीएचयू के जनसंपर्क कार्यालय ने बताया कि 16 अक्टूबर 2025 को 4वें यूनेस्को अंतरराष्ट्रीय भू-विविधता दिवस तथा 9वें अंतरराष्ट्रीय भू-नैतिकता दिवस के अवसर पर जीएसआई के महानिदेशक असीत साहा ने पिछोर ऑर्बिकुलर ग्रेनाइट को संरक्षित भू-विरासत स्थल घोषित करने संबंधी औपचारिक प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए थे। यह घोषणा श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) स्थित गुर्युल रवीन पर्मियन-ट्राइसिक सीमा खंड के साथ की गई थी। इसी बीच, वर्ष 2025 में प्रकाशित अध्ययन यू-पी.बी. ज़िरकॉन एज एंड जियोकेमिस्ट्री ऑफ़ पिछोर ऑर्बिचल ग्रेनिटॉइड, बुंदेलखंड क्रैटोन, भारत (साइंसडायरेक्ट, 2025) ने पहली बार रेडियोमेट्रिक डेटिंग और समस्थानिक विश्लेषण के आधार पर यह स्थापित किया है कि पिछोर की यह चट्टान संरचना लगभग 2.5 अरब वर्ष पुरानी है। अध्ययन के अनुसार यह संरचना बुंदेलखंड क्रैटोन के नियोआर्कियन मैग्माटिक इतिहास से जुड़ी हुई है। इस शोध का नेतृत्व काशी हिंदू विश्वविद्यालय के भूविज्ञान विभाग के प्रदीप कुमार सिंह ने किया। इस अध्ययन में ब्राजील की यूएनआईसीएएमपी के एलसन पी. ओलिवेरा, आईआईटी कानपुर के देबाज्योति पॉल सहित कई भारतीय और विदेशी वैज्ञानिक शामिल रहे। यह शोध भारत-ब्राजील वैज्ञानिक सहयोग के तहत हुआ, जो इस स्थल के अंतरराष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करता है। दरअसल, पिछोर की यह चट्टान संरचना अपनी लगभग पूर्ण गोलाकार खनिजीय परतों वाले 'ऑर्बिकल्स' के लिए जानी जाती है, जो एप्लिटिक ग्रेनाइट मैट्रिक्स के भीतर विकसित हुए हैं। इस प्रकार के ऑर्बिकुलर ग्रेनाइट विश्व में अत्यंत दुर्लभ माने जाते हैं और दुनियाभर में इनके कुछ सौ उदाहरण ही ज्ञात हैं। नए अध्ययन में इन संरचनाओं की उत्पत्ति को विशुद्ध अग्निज और फेल्सिक प्रकृति का बताया गया है, जो क्वार्ट्ज-मोनज़ोनाइट मैग्मा से निर्मित हुईं। वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्थल न केवल एक भूवैज्ञानिक विस्मय है।

तीसरी बार थाईलैंड ओपन के फाइनल में सात्विक-चिराग की जोड़ी पहुंची

बैंकॉक (एजेंसी)। थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय जोड़ी सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए पुरूष युगल फाइनल में प्रवेश कर लिया है. उन्होंने तीन गेम के रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में मलेशिया के गोह जे फेइ और नूर इजुद्दीन को मात दी। दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी सात्विक और चिराग ने नौवीं रैंकिंग वाली मलेशियाई जोड़ी से 82 मिनट में 19-21 से पहला गेम हारने के बाद लगातार दो गेम 22-20, 21-16 से जीत लिया। फाइनल मैच में भारतीय जोड़ी का मुकाबला इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन की जोड़ी से होगा. ये भी उल्लेखनीय है कि ये भारतीय जोड़ी तीसरी बार फाइनल में प्रवेश की है. इससे पहले ये जोड़ी 2019 और 2024 में खिताब जीतकर इतिहास रचा था। मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ उनका रिकॉर्ड 7-2 का था लेकिन गोह और इजुद्दीन ने पिछले साल इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उन्हें हराया था. सेमीफाइल मैच में मलेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरूआत करके 3-1 की बढ़त बना ली लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया. पहले गेम में मलेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली. चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया. पहला गेम मलेशियाई जोड़ी ने 21-19 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का था और स्कोर 3-3 से 6-6 हो गया. भारतीय जोड़ी ने 9-6 की बढत बना ली लेकिन चिराग के एक रिटर्न पर शटल नेट में जाने से बढत 10-9 की रह गई. ब्रेक के बाद फिर स्कोर 13-13 हो गया. चिराग ने भारत को 16-14 से बढत दिलाई लेकिन फिर रिटर्न नेट में जाने से स्कोर 16-16 हो गया. भारतीय जोड़ी ने फिर 19-16 की बढत बनाई और एक समय स्कोर 20-20 था जब भारतीय जोड़ी ने इजुद्दीन का शॉट वाइड जाने पर यह गेम जीता। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी हावी रही और मलेशियाई जोड़ी वापसी नहीं कर पाई. जिससे भारतीय जोड़ी ने 21-16 से गेम और मैच जीत लिया.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने उज्जैन-में बाबा महाकाल का आर्शीवाद लिया

● **हरमनप्रीत और कोच ने नंदी के कान में कही अपनी मनोकामना**

उज्जैन (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार सुबह भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने बाबा महाकाल के दरबार में हाजिरी लगाई। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित अन्य खिलाड़ियों ने तड़के भस्म आरती में शामिल होकर भगवान महाकाल का आशीर्वाद लिया। जानकारी के अनुसार भारतीय महिला क्रिकेट टीम के सदस्य तड़के करीब 3 बजे मंदिर पहुंचे। इस दौरान कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ कोच भी शामिल हुए। कप्तान हरमनप्रीत के साथ प्रवीण शर्मा, अमोल मुजुमदार, अरुंधति, शेर सिंह, अनिरुद्ध, भारती, साल्वी, श्रेयंका, रेणुका, राखी, धनंजय, नंदिनी, सचिन, पूर्वा, यस्तिका, शैफाली, दीप्ति, ममता, राधा, क्रांति, रुचा, मुनीश, नल्लापु, गोल्लाने सहित अन्य खिलाड़ी मौजूद रहे। सभी खिलाड़ियों ने ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर की प्रातःकालीन भस्म आरती में दर्शन लाभ लिया। भस्म आरती के दौरान महिला खिलाड़ी पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आईं। करीब दो घंटे तक आरती में शामिल रहने के बाद खिलाड़ियों ने नंदी हॉल में पूजन-अभिषेक किया और नंदी के कान में अपनी मनोकामना कही। इसके बाद चांदी द्वार से भगवान महाकाल को पुजारी के हाथों जल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। आरती के पश्चात श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से भारतीय महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का स्वागत और सम्मान भी किया गया।

पाकिस्तानी कप्तान फातिमा सना ने जड़ा महिला टी-20 का सबसे तेज अर्धशतक

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान महिला टीम के कप्तान फातिमा सना ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इतिहास रच दिया है. उन्होंने 15 गेंद में फिफ्टी जड़ कर महिला टी20 इंटरनेशनल में सबसे तेज अर्धशतक बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. सना ने ये उपलब्धि कराची में जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच के दौरान हासिल की। इसके साथ 24 साल की सना ने न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन, ऑस्ट्रेलिया की फीबी लिचफील्ड और भारत की ऋचा घोष के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 18-18 गेंदों में अपनी फिफ्टी बनाई थी.

पाकिस्तान ने 133 रनों जीता मैच - मैच की बात करें तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. फातिमा सना सिर्फ 19 गेंदों में 62 रन बनाकर नाबाद रहीं. अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और दो छक्के लगाए. इसकी बदौलत पाकिस्तान का स्कोर 4 विकेट पर 223 रन तक पहुंच गया. यह महिला टी-20 में पाकिस्तान का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है. इससे पहले इसी सीरीज में पाकिस्तान ने 237 रन बनाए थे. जवाब में वेस्टइंडीज की पूरी टीम 17.1 ओवर में ही 90 रनों पर ढेर हो गई. जिसके साथ पाकिस्तान ने मैच को 133 रनों से अपने नाम कर लिया

महिला टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी

- फातिमा सना (पाकिस्तान) - 15 गेंदें बनाम जिम्बाब्वे (15 मई, 2026)
- सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड) - 18 गेंदें बनाम भारत (11 जुलाई, 2015)
- फीबी लिचफील्ड (ऑस्ट्रेलिया) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज, (2 अक्टूबर, 2023)
- ऋचा घोष (भारत) - 18 गेंदें बनाम वेस्टइंडीज (19 दिसंबर, 2024)
- निदा डार (पाकिस्तान) - 20 गेंदें बनाम दक्षिण अफ्रीका (22 मई, 2019)

टी-20 में पाकिस्तान की तरफ से सबसे तेज फिफ्टी

सना की जबरदस्त पारी से पहले, टी-20 में किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज फिफ्टी बनाने का रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 20 गेंदों में यह कारनामा किया था। इसके अलावा सना ने महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली. उन्होंने 2022 में वारविकशायर के लिए मैरी केली और इसी साल न्यूजीलैंड के सुपर स्मैश टूर्नामेंट में ओटागो के लिए लॉरा हैरिस की उपलब्धि की बराबरी की।

फातिमा सना का 2026 में प्रदर्शन

2026 सना की फॉर्म अविश्वसनीय रही है. वह इस साल महिलाओं के टी-20 में पाकिस्तान की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं. उन्होंने पांच पारियों में 229 रन बनाए हैं, जिनका स्ट्राइक रेट 206.30 का है. उन्होंने इसी साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 41 गेंदों में 90 रन बनाकर टी-20 में अपना अब तक का सबसे बड़ा स्कोर भी बनाया था।

अंशुल कंबोज के दो ओवर में मिशेल ने लगातार 4 छक्के!

आईपीएल के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में सीएसके- एलएसजी मैच अंशुल कंबोज के लिए एक बुरे सपने जैसा साबित हुआ. इस सीजन अपनी शानदार गेंदबाजी से छाप छोड़ने वाले सीएसके के इस युवा गेंदबाज ने एलएसजी के खिलाफ एक ऐसा अनचाहा रिकॉर्ड बना दिया, जो आईपीएल के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया था. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में अंशुल आईपीएल के इतिहास में पहले ऐसे गेंदबाज बन गए, जिनके एक ही मैच के दो अलग-अलग ओवरों में लगातार चार-चार छक्के लगे। एलएसजी के विस्फोटक बल्लेबाज मिशेल मार्श ने अंशुल की गेंदबाजी पर पूरी ताकत से हमला बोला. मैच के पांचवें ओवर में मार्श ने अंशुल की पहली चार गेंदों पर लगातार चार छक्के जड़े. इसके बाद, निकोलस पूरन ने 17वें ओवर में भी अंशुल की पहली चार गेंदों पर चार छक्के जड़ दिए. इसके साथ अंशुल कंबोज आईपीएल के इतिहास में दो ओवर में लगातार चार-चार छक्के खाने वाले पहले गेंदबाज बन गए। इसके अलावा एक ही पारी में अपनी 10 गेंदों पर 8 छक्के खाने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए. इससे पहले, यह शर्मनाक रिकॉर्ड यश दयाल के नाम था. यश दयाल के खिलाफ आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज ने 8 छक्के जड़े थे। ये भी उल्लेखनीय है कि अंशुल कंबोज आईपीएल 2026 में ष्टस्य के सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उन्होंने अब तक 12 मैचों में 19 विकेट लिए हैं और पर्पल कैप की दौड़ में तीसरे स्थान पर हैं।

एलएसजी बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के 71 रनों की पारी से चेन्नई हारा - मैच की बात करें तो सीएसके ने कार्तिक शर्मा के 71 रनों की बदौलत इकाना क्रिकेट स्टेडियम में 187/5 का स्कोर खड़ा किया. जवाब में लखनऊ ने मार्श के 90 रनों की बदौलत 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर ही लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

- **कंबोज ने 60 से ज्यादा रन लुटाए** - अंशुल ने इस मैच में कुल 2.4 ओवर गेंदबाजी की और 63 रन लुटा दिए. उन्होंने कुल 16 गेंदें फेंकी, जिनमें से 11 गेंदों पर चौके या छक्के लगे. आखिरी 10 गेंदों में अंशुल ने 8 छक्के और 1 चौका दिया, जबकि एक गेंद पर कोई रन नहीं बना. इस तरह, उन्होंने सिर्फ 10 गेंदों में 52 रन लुटा दिए।
- **सीएसके के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज** - इस खराब प्रदर्शन के साथ अंशुल कंबोज चेन्नई सुपर किंग्स के दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज भी बन गए. इससे पहले, खलील अहमद ने 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ 3 ओवर में 65 रन दिए थे. जबकि लुंगी एनगिडी 2021 में 4 ओवर में 62 रन खर्च किए थे. जिससे वो सीएसके के तीसरे सबसे महंगे गेंदबाज हैं।

● **आईपीएल 2026 के बीच**

हार्दिक पांड्या 22 मई को महिका शर्मा के साथ ले सकते हैं सात फेरे

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या क्रिकेट के साथ- साथ अपनी प्राइवेट लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चा में रहते हैं। उन्हें लेकर सोशल मीडिया पर एक बार फिर कुछ रिपोर्ट्स सामने आई हैं। इनमें ऐस दावा किया जा रहा है कि पांड्या आईपीएल 2026 के सीजन के बीच ही एक बार फिर शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हालांकि दोनों को कई बार कई जगहों पर साथ- साथ भी देखा गया है। रिपोर्ट्स में किए जा रहे दावों के अनुसार दोनों 22 मई को एक बेहद निजी तरीके से शादी कर सकते हैं। फिलहाल इसे लेकर कोई भी ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

पहला विवाह और तलाक

जानकारी के लिए बता दें कि हार्दिक पांड्या पहले भी अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में रह चुके हैं। उन्होंने साल 2020 में लॉकडाउन के दौरान 31 मई को मॉडल नताशा स्टेनकोविक से शादी की थी। दोनों का यह रिश्ता लंबा नहीं चल सका और शादी के करीब 4 साल बाद, जुलाई 2024 में दोनों ने आधिकारिक तौर पर अलग होने (तलाक) का फैसला कर लिया। पहली शादी से हार्दिक का एक बेटा है, जिसका नाम अगस्त्य पांड्या है। भले ही हार्दिक और नताशा का रिश्ता खत्म हो चुका है, लेकिन माता-पिता के तौर पर दोनों मिलकर अपने बेटे की परवरिश (को-पेरेंटिंग) कर रहे हैं। नताशा से अलग होने के बाद हार्दिक का नाम कुछ अन्य महिलाओं के साथ भी जोड़ा गया, लेकिन अब महिका शर्मा के साथ उनकी शादी की खबरें सबसे ज्यादा चर्चा में हैं।

दिन में ट्रेनिंग रात में पढ़ाई करके देश के लिए मेडल जीतना चाहते हैं रुद्राक्ष खन्ना

जम्मू (जम्मू कश्मीर) (एजेंसी)। देश की सबसे खूबसूरत वादी जम्मू कश्मीर से एक युवा जिमनास्ट रुद्राक्ष खन्ना का उदय हो रहा है, जिसने हाल ही में एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए अपना पहला इंटरनेशनल मेडल जीता और अब वो एशियन चैंपियन बनने के लिए कड़ी ट्रेनिंग कर रहा हैं। खन्ना ने 2 और 3 मई के बीच

थाईलैंड के बैंकॉक में हुई पहली जेआरसी एरोबिक जिमनास्टिक्स स्टार्स चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल हासिल किया. उन्होंने एक इंडिविजुअल इवेंट में चीन, कजाकिस्तान और तीन अन्य देशों के जिमनास्टों को हराया, जबकि गोल्ड मेडल मेजबान देश थाईलैंड के नाम रहा. थाईलैंड में आयोजित जेआरसी एरोबिक चैंपियनशिप में, वह भारत से एकमात्र जिम्नास्ट थे और उन्होंने देश का नाम रोशन किया।

देश के लिए मेडल जीतना गर्व का पल - ईटीवी भारत के रिपोर्टर आमिर तांत्रे के साथ एक इंटरव्यू में खन्ना ने कहा कि एरोबिक जिमनास्टिक्स में देश के लिए मेडल जीतना उनके लिए गर्व का पल है. उन्होंने कहा, 'यह उपलब्धि मेरे कोचों, सुरिंदर पाल सिंह और कृपाली सिंह के सपोर्ट के बिना मुमकिन नहीं थी, जिन्होंने हमेशा मुझ पर भरोसा किया और हर तरह का सपोर्ट दिया. यह निश्चित रूप से गर्व का पल है, लेकिन बात यहीं नहीं रुकेगी, क्योंकि मैं आने वाली एशियन चैंपियनशिप में देश के लिए गोल्ड मेडल जीतना चाहता हूं।'

- **दो बार एशियन गेम्स में ले चुके हैं भाग** - पांच फीट सात इंच लंबे खन्ना देश में एरोबिक्स और जिमनास्टिक्स के एक युवा एथलीट बनकर उभर रहे हैं. उन्होंने दो बार एशियन गेम्स और इंटरनेशनल जिमनास्टिक्स फेडरेशन द्वारा आयोजित सुजुकी वर्ल्ड जिमनास्टिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है, लेकिन देश के लिए मेडल जीतने से चूक गए. पिछली सुजुकी वर्ल्ड चैंपियनशिप में, वह चौथे स्थान पर रहे और बहुत थोड़े अंतर से मेडल से चूक गए।
- **'शेर-ए-कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित** - ये भी उल्लेखनीय है कि जिमनास्टिक्स में उपलब्धियों के लिए, खन्ना को 2025 में जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर-ए-कश्मीर' पुरस्कार से भी सम्मानित किया था. खन्ना कहते हैं कि उन्हें अपनी मां, सीमा खरियाल से प्रेरणा मिलती है, जो एक मैराथन धावक हैं और बारामूला तथा पटनीटॉप मैराथन की ब्रांड एंबेसडर हैं. उनकी बहन, सुदीप्ति खन्ना भी एक जिमनास्ट हैं और उन्हें भी इस वर्ष जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा खेल के क्षेत्र में 'शेर-ए-कश्मीर' पदक से सम्मानित किया गया।

मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में 19 जुलाई को भिड़ेंगे भारत और पाकिस्तान के फाइटर

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ी एक बार फिर आमने सामने आने वाले हैं. लेकिन ये महा मुकाबला क्रिकेट का मैदान नहीं बल्कि मार्श आर्ट्स का रिंग होगा। दरअसल मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाली मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में भारत के संग्राम सिंह और पाकिस्तान के आबिद अली आमने सामने होंगे।

इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले का आयोजन रविवार, 19 जुलाई को होगा। ये भारतीय मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स के लिए एक ऐतिहासिक पल होगा, क्योंकि संग्राम प्रतिष्ठित एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए मुकाबला करने वाले पहले भारतीय फाइटर बन जाएंगे। बता दें कि संग्राम सिंह कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन हैं और मलेशिया स्ट्राइक एमएमए चैंपियनशिप उनकी चौथी प्रोफेशनल एमएमए मुकाबला होगा।

संग्राम इस मुकाबले के बारे में क्या कहा? आने वाली चुनौती के बारे में बात करते हुए संग्राम ने कहा, 'हो सकता है कि मुझे अभी आबिद अली की उम्र के बारे में ज्यादा जानकारी न हो, लेकिन मैं जानता हूं कि वह एक अनुभवी फाइटर हैं जिन्होंने कई एमएमए मुकाबले जीते हैं. मलेशिया स्ट्राइक एमएमएचैंपियनशिप में एशिया चैंपियनशिप खिताब के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए अत्यंत गर्व की बात है।'

संग्राम ने आगे बताया कि इस मुकाबले के लिए वह 83-89 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लेंगे. उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाले खेल मुकाबले से जुड़े दबाव को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि यह चुनौती उन्हें और भी ज्यादा उत्साहित करती है।

भारतीय पहलवान संग्राम सिंह ने कहा, 'जब भी भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला होता है, तो स्वाभाविक रूप से भावनाएं चरम पर होती हैं, क्योंकि दोनों देशों के प्रशंसक हमेशा अपनी टीम की जीत चाहते हैं. इसमें दबाव तो होता है, लेकिन साथ ही उत्साह भी होता है. यह मेरे लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है और मैं पूरी एकाग्रता के साथ इसकी तैयारी कर रहा हूं।'

आज प्लेऑफ की जंग में आमने-सामने होंगे पंजाब किंग्स और आरसीबी

धर्मशाला (एजेंसी)। चैलेंजर बेंगुलरु के बीच आईपीएल 2026 का 61वां मुकाबला रविवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेला जाएगा। प्लेऑफ की रेस के लिहाज से यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

लगातार हार से दबाव में पंजाब किंग्स- श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स ने इस सीजन शानदार शुरुआत की थी और शुरुआती सात में से छह मुकाबले जीते थे। लेकिन इसके बाद टीम की लय पूरी तरह बिगड़ गई और पीबीकेएस को लगातार पांच हार का सामना करना पड़ा। पंजाब फिलहाल 12 मैचों में 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में चौथे स्थान पर है। टीम को प्लेऑफ की उम्मीदें मजबूत करने के लिए यह मुकाबला हर हाल में जीतना होगा।

शानदार फॉर्म में आरसीबी- डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी इस सीजन बेहतरीन फॉर्म में नजर आई है।

फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी कंगना की भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत बीते कुछ दिनों से फिल्मों से ज्यादा राजनीति में सक्रिय हैं। लेकिन अब उनके फैंस का इंतजार खत्म हो गया है, क्योंकि उनकी आने वाली फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है।

कंगना रनौत की आने वाली फिल्म का नाम 'भारत भाग्य विधाता' है। मेकर्स ने इसका पोस्टर जारी कर रिलीज डेट का खुलासा किया है। पोस्टर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- 'एक साधारण लोगों की असाधारण कहानी! वो रात, जब इंसानियत डर से भी बड़ी बनकर सामने आई। जब जिम्मेदारी ने बलिदान का रूप लिया, जब एकता ने कर्तव्य निभाया और जब हिम्मत ने कई जिंदगियां बचाईं। भारत के असली हीरोज की अनकही कहानी।' बता दें कि फिल्म में भारत के उन हीरोज की कहानी बताएगी, जो अनसुनी है।

बता दें कि फिल्म में कंगना रनौत लीड रोल में नजर आएंगी। इसे मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया गया है। इसके लेखक और निर्देशक मनोज तापड़िया हैं। 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म 12 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस कंगना की वापस फिल्मों में वापसी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला इम्तियाज अली की आगामी फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' से होगा। इम्तियाज अली द्वारा निर्देशित 'मैं वापस आऊंगा' एक लव स्टोरी है। 'मैं वापस आऊंगा' भी 12 जून को रिलीज होगी, जिसमें दिलजीत दोसांझ, शरवरी वाघ और वेदांग रैना प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

पूजा बत्रा का खुलासा

लंबे कद की वजह से छिनी कई फिल्में

1997 में आई फिल्म 'विरासत' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली अभिनेत्री पूजा बत्रा ने मॉडलिंग से अपनी शुरुआत की थी। पूजा बत्रा कई हिंदी फिल्मों का हिस्सा रहीं। हालांकि, सफल डेब्यू के बावजूद उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं रह सका। हाल ही में पूजा बत्रा ने बताया कि उनकी लंबी हाइट के चलते भी उन्हें कई फिल्मों से हाथ धोना पड़ा। क्योंकि अधिकांश एक्टर्स की हाइट उनसे कम थी, लेकिन उनमें ईगो इतना था कि वो हीरोइन को खुद से लंबा नहीं दिखने देना चाहते थे। इसलिए वो हीरोइनों को खुद से छोटा दिखाना चाहते थे।

मेरी हाइट की वजह से हीरो घबरा जाते थे

पूजा बत्रा ने अपने शुरुआती दौर में संगीता बिजलानी की एक सलाह को याद किया। उन्होंने कहा कि मुझे याद है संगीता बिजलानी ने मुझसे कहा था, 'फिल्मों में तुम्हारा कोई चांस नहीं है क्योंकि तुम बहुत लंबी हो'। संगीता की इस चेतावनी से मुझे निराशा हुई थी। लेकिन वह मेरी आदर्श हैं। वह खूबसूरत हैं और एक मॉडल भी हैं। मुझे जो भी रोल मिला, मैंने उसमें अपना बेस्ट दिया। भले ही मेरे कद की वजह से हीरो घबरा जाते थे। यह सच है कि मेरी लंबाई की वजह से मुझे बहुत सी फिल्में नहीं मिलीं। मैंने कई अच्छे रोल खो दिए। पूजा ने दावा किया कि उनके और संगीता जैसी लंबी अभिनेत्रियों ने सुष्मिता और दीपिका जैसी लंबी अभिनेत्रियों के लिए रास्ता बनाया। इन्हें मुझे धन्यवाद कहना चाहिए।

सिनेमा में आए बदलाव से खुश हैं पूजा बत्रा

हिंदी सिनेमा में आए बदलाव पर एक्ट्रेस ने कहा कि काफी बदलाव हुआ है। न केवल सोच में बदलाव के कारण, बल्कि सिनेमास्कोप में आए तकनीकी बदलावों के कारण भी काफी कुछ सुधार हुआ है। छोटे कद के लोगों को नुकसान होता है, क्योंकि वे कैमरे पर अपनी असल लंबाई से ज्यादा मोटे दिख सकते हैं। दुनिया के ज्यादातर मशहूर अभिनेता बहुत लंबे नहीं हैं। छोटे कपड़े पहनने और अपने फैशन सेंस को पर्दे पर उतारने के लिए पूजा हमेशा फिल्मों में अपने खुद के कपड़े पहनती थीं। उन्हें याद है कि जब वह अपने निजी कपड़ों में सेट पर आती थीं, तो निर्देशक उनसे कहते थे, उसे वही पहनने दो जो उसने पहना है। लेकिन वे उनसे मेकअप हटाने के लिए भी कहते थे क्योंकि उन्हें नैचुरल लुक चाहिए होता था। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मैं सोचती थी, कम से कम सनब्लॉक तो लगाने दो।'

मिस इंडिया इंटरनेशनल बनने के बाद फिल्मों में की थी एंट्री

पूजा बत्रा ने 1993 में मिस इंडिया इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद मॉडलिंग और फिर फिल्मों में एंट्री की थी। उन्होंने साउथ की भी कुछ फिल्मों में काम किया। 2003 में उन्होंने एक ऑर्थोपेडिक सर्जन से शादी की और लॉस एंजिल्स कैलिफोर्निया में बस गईं। लेकिन 2011 में तलाक के बाद वह भारत लौट आईं। इसके बाद उन्होंने 'हम तुम शबाना' (2011), 'एबीसीडी 2' (2015) और अन्य हॉलीवुड फिल्मों से वापसी की। उन्होंने 2019 में अभिनेता नवाब शाह से दोबारा शादी की।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को कल्याणी प्रियदर्शन ने बताया सुखद अनुभव

'लोका चैप्टर वन: चंद्रा' की सफलता से सुर्खियां बटोरने वाली अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन अब इंटरनेशनल लेवल पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। यह कल्याणी के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फिल्म समारोहों में से एक में अपने डेब्यू पर अब कल्याणी ने खुशी जताई है।

कान फिल्म फेस्टिवल में अपने डेब्यू को लेकर कल्याणी ने कहा कि कान फिल्म फेस्टिवल हमेशा से सिनेमा का एक प्रतिष्ठित उत्सव रहा है, इसलिए इस साल वहां होना बहुत खास लग रहा है। 'लोका चैप्टर वन: चंद्रा' को मिले प्यार के लिए मैं आभारी हूं। मुझे लगता है कि भारतीय सिनेमा को इस समय ग्लोबली एक शानदार तरीके से पहचान मिल रही है। ऐसे में लोका के जरिए इंटरनेशनल लेवल पर पहचान बनाना और अब कान फिल्म फेस्टिवल जैसे मंच का अनुभव करना काफी अच्छा लग रहा है और एक सुखद अनुभव है।

कान फिल्म महोत्सव के लिए अपनी तैयारियों के बारे में बात करते हुए कल्याणी ने कहा कि मैं बस पूरे अनुभव का आनंद लेना चाहती हूं और खुद पर ज्यादा दबाव डाले बिना आसानी से आगे बढ़ना चाहती हूं। 79वें कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026 का आयोजन 23 मई तक किया जाएगा। यह प्रतिष्ठित वार्षिक समारोह हर साल की तरह फ्रांस के फ्रेंच रिवेरा के कान शहर के 'पैलेस डेस फेस्टिवल्स' में किया जाएगा। कान फिल्म फेस्टिवल में हर साल कई भारतीय सेलेब्स अपनी मौजूदगी दर्ज कराते हैं। अब इसी लिस्ट में कल्याणी प्रियदर्शन का भी नाम शामिल होने जा रहा है।

'फोर्स 3' के लिए हर्षवर्धन कर रहे कड़ी मेहनत

अभिनेता हर्षवर्धन राणे फिल्म 'फोर्स 3' के एक्शन सींस के लिए किसी सुनसान इलाके में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकारों जॉन अब्राहम और तान्या मानिकतला के साथ वर्कआउट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में 42 साल के हर्षवर्धन ट्राइसेप्स के लिए बैंड एक्सरसाइज करते दिख रहे हैं, फिर भारी वजन उठाकर अपनी पीठ, कंधों और बाइसेप्स की ट्रेनिंग करते दिख रहे हैं। आखिर में शोल्डर श्रग्स से अपना वर्कआउट पूरा किया। हर्षवर्धन ने बताया कि मुंबई जाने में रोजाना दोनों तरफ से 5 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है। इसलिए उन्होंने अपने ट्रेनर से अनुरोध किया कि वे शूटिंग लोकेशन पर ही उन्हें ट्रेनिंग दें।

भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं

अभिनेत्री अनन्या पांडे इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'चांद मेरा दिल' को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। अनन्या ने हाल ही में अपने करियर और भविष्य की योजनाओं को लेकर खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट की। इसमें उन्होंने बताया कि वह अपने करियर को किस दिशा में लेना जाना चाहती हैं। अनन्या कहती हैं, 'मुझे लगता है कि मैंने अभी तो बस शुरुआत की है, लेकिन ऐसी बहुत सी फिल्में और बेहतरीन कलाकार हैं, जिनके साथ काम करना मेरा सपना है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनके पास योजनाओं की एक लंबी लिस्ट है और वह इंडस्ट्री में बहुत कुछ हासिल करना चाहती हैं। उन्होंने अपनी बातें शेयर करते हुए कहा कि वह अब एक कदम और आगे बढ़ाना चाहती हैं। अभिनेत्री का उद्देश्य अब एक ऐसी फिल्में बनाना है, जो लंबे समय तक दर्शकों के दिलों में बसी रहें।

उन्होंने कहा, 'मैं कुछ ऐसा प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं, जिसे हमेशा याद रखा जाए और जो मेरे बाद भी दुनिया में बना रहे।' अनन्या ने माना कि उम्र और अनुभव के साथ फिल्मों के प्रति उनका लगाव और गहरा होता जा रहा है।

उन्होंने बताया, 'फिल्मों को अब मैं लंबे समय तक चलने के नजरिए से देख रही हूं, क्योंकि मुझे अब समझ आ रहा है कि फिल्में कितनी प्रभावशाली होती हैं और वे हमेशा के लिए अमर हो जाती हैं। मैं आज के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की विरासत के लिए काम करना चाहती हूं।' अभिनेत्री लक्ष्य लालवानी के साथ जल्द ही फिल्म 'चांद मेरा दिल' में नजर आएंगी। यह एक कॉलेज रोमांस से शुरू होकर एक इंटेंस और ट्रैजिक लव स्टोरी में बदलती है, जो युवाओं के जुनून भरे प्यार को दर्शाती है। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'चांद मेरा दिल' का निर्माण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है।

छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति श्रद्धा और रितेश के साथ पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ की

रितेश देशमुख की फिल्म 'राजा शिवाजी' सिनेमाघरों में लगी है। फिल्म को काफी तारीफें मिली हैं। बॉक्स ऑफिस पर भी यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच ऐसी खबर आई कि फिल्म के लिए कुछ सितारों ने बिल्कुल फीस नहीं ली। इनमें अभिषेक बच्चन भी शामिल हैं, जिन्होंने फीस के तौर पर सिर्फ रितेश देशमुख की मां के हाथ के ठेंचा (एक किस्म की चटनी) की डिमांड की थी। अभिषेक बच्चन यह फिल्म बिना फीस के करने को राजी क्यों हुए?

क्यों माफ की अभिषेक बच्चन ने फीस

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया गया था कि अभिषेक बच्चन ने कथित तौर पर फिल्म 'राजा शिवाजी' के लिए फीस चार्ज की थी। हाल ही में अभिषेक बच्चन ने ऐसी अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ये दावे झूठे हैं। अभिनेता ने ऐसे वक्त में अपनी फीस को लेकर प्रतिक्रिया दी है, जब हाल ही में रितेश देशमुख ने कहा था कि फिल्म में गेस्ट अपीयरेंस देने वाले कई सितारों ने फीस नहीं ली। इनमें सलमान खान, विद्या बालन और अभिषेक शामिल हैं। सभी ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रति अपनी श्रद्धा और रितेश के साथ अपनी पर्सनल बॉन्डिंग के चलते फीस माफ कर दी थी।

कला का रूप दिल से शुरू होता है

अभिषेक बच्चन ने भी अपनी फीस को लेकर बातचीत में कहा कि एक्टर्स किसी ऐसे विजन के लिए अपनी फीस कम करने या छोड़ने को तैयार रहते हैं, जिस पर उन्हें भरोसा हो। उन्होंने कहा, 'आज के जमाने में ऐसी बहुत सारी रील्स हैं, जिनमें लोग तथ्यों और आंकड़ों के बारे में बात करते हैं। एक्टर ने कहा, 'लोगों को यह बात करना पसंद है कि कोई एक्टर या एक्ट्रेस कितनी ज्यादा फीस ले रहा है और कितनी वैन की मांग कर रहा है, लेकिन असल में यह एक कला का रूप है जो दिल से शुरू होता है। अगर हमें किसी चीज पर भरोसा है, तो हमें अपनी फीस छोड़ने में कोई दिक्कत नहीं होती। यह कोई लेन-देन नहीं है। यह एक इमोशनल ट्रांजैक्शन है।

अभिषेक बच्चन ने की सिर्फ ठेचा की डिमांड

बता दें कि हाल ही में खुद रितेश देशमुख ने इसका खुलासा किया कि सलमान खान, अभिषेक बच्चन और विद्या बालन जैसे बड़े सितारों ने इस ऐतिहासिक फिल्म के लिए कोई फीस नहीं ली है। अभिषेक बच्चन ने तो फीस की जगह सिर्फ रितेश की मां के हाथ का बना हुआ ठेचा मांगा। रितेश ने कहा, 'जब मैंने अभिषेक बच्चन को कहानी सुनाई और बताया कि मैं इस फिल्म का निर्देशन कर रहा हूं। यह छत्रपति शिवाजी महाराज पर है तो उन्होंने कहा- 'मुझे पैसे नहीं चाहिए, मुझे बस तुम्हारी मां के हाथ का बना ठेचा चाहिए'।

सूरज से सहेजे सनस्क्रीन

त्वचा को धूप से बचाने के लिए बाजार में तमाम तरह की सनस्क्रीन क्रीम और लोशन उपलब्ध हैं। अगर आप भी इनका इस्तेमाल करती हैं तो जानें कुछ खास बातें बाजार से सनस्क्रीन क्रीम या लोशन खरीदते समय एसपीएफ की मात्रा के अलावा कई और बातों पर गौर करना भी जरूरी है, मसलन आपकी त्वचा की किस्म क्या है? कितनी बार और कितनी मात्रा में इसका इस्तेमाल करना चाहिए? धूप में किस तरह की गतिविधि के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना है? त्वचा सनस्क्रीन को किस मात्रा में सोखती है? कैसे करें इस्तेमाल पानी के संपर्क में आने या पसीने की वजह से एसपीएफ युक्त सनस्क्रीन का असर खत्म होने लगता है। इससे अल्ट्रावायलेट किरणें त्वचा को आसानी से नुकसान पहुंचाती हैं। इसके लिए बेहद जरूरी है कि सनस्क्रीन की मोटी परत त्वचा पर लगाई जाए, जैसे केक पर आइसिंग की जाती है। संवेदनशील त्वचा अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है तो

आपको हाइपोएलर्जेनिक द्रव्य से युक्त सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना चाहिए, पर यह खुशबूदार न हो ध्यान रखना जरूरी है। टाइटेनियम डाइऑक्साइड व जिंक ऑक्साइड नाम के खनिज अल्ट्रावायलेट ए और अल्ट्रावायलेट बी किरणों का मुकाबला कर त्वचा की रक्षा करते हैं। दोषयुक्त त्वचा अगर आपके चेहरे पर कील, मुंहासे हैं तो ऐसी त्वचा के लिए ऑयल फ्री सनस्क्रीन का इस्तेमाल करना बेहतर होगा, मसलन एसपीएफ 50 युक्त ऑयल फ्री सनस्क्रीन। ऑयली त्वचा अगर आपकी त्वचा बहुत ज्यादा ऑयली है तो चिपचिपी सनस्क्रीन से परहेज करें। तेल रहित सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। रूखी त्वचा अगर आपकी त्वचा रूखी है तो ग्लिसरीन और एलोवेरा युक्त सनस्क्रीन या लोशन का इस्तेमाल करें। अगर सनस्क्रीन स्प्रे या जेल के रूप में इस्तेमाल करती हैं तो इसे तुरंत रोक दें, ये त्वचा को और रूखी बनाते हैं।

आंखों की खूबसूरती बढ़ता है मस्कारा

मस्कारा आंखों की बरौनियां सजाने-संवारने वाला एक ऐसा सौंदर्य प्रसाधन है जो उच्च एवं मध्यम वर्ग की किशोरियों तथा युवतियों में आजकल खासा लोकप्रिय है क्योंकि यह 'आर्टीफीशियल टच' दिए बिना ही चेहरे का नैचुरल लुक बढ़ाता है.

आकर्षण प्रधान करता है

आंखों की खूबसूरती में सुंदर बरौनियों का क्या स्थान होता है यह बताने की आवश्यकता नहीं. आंखों के दोनों और निरंतर गिरती-उठती, लम्बी, घनी बरौनियां अनायास ही देखने वाले का मन मोह लेती हैं. मस्कारा इन्हीं बरौनियों को सौंदर्य, सघनता एवं आकर्षण प्रदान करता है. आंखों की खूबसूरती में बरौनियों का स्थान महत्वपूर्ण माना जाता है और मस्कारा इन्हें सौंदर्य, सघनता एवं आकर्षण प्रदान करने वाला अनूठा सौंदर्य प्रसाधन माना जाता है. इसके इस्तेमाल का सही तरीका जान कर आप अपनी आंखों की खूबसूरती को और अधिक निखार सकती है.

अलग-अलग किस्में

आजकल बाजार में क्रीम, लिक्विड तथा केक के रूप में तीन तरह के मस्कारा उपलब्ध हैं परंतु आमतौर पर लिक्विड वाला मस्कारा ही मुख्यत: प्रचलन में है. यह तरल रूप में एक छोटी शीशी में आता है. इसके साथ एक गोलाकार ब्रश भी होता है जिसकी सहायता से मस्कारा को बरौनियों में लगाया जाता है. पलकों की जड़ के किनारो की ओर मस्कारा लगाते समय बरौनियों को इस ब्रश से घुमावदार भी बनाया जा सकता है.

वाटर प्रूफ

इसके अतिरिक्त बरसात मे लगाने का वाटरप्रूफ मस्कारा भी बाजार में मिलता है. इसे बरसात के मौसम में घर से बाहर निकलते समय अथवा स्वीमिंग या नहाने से पहले लगाया जा सकता है. इसका बेस तत्व एक विशिष्ट तेल होता है जो जल के सम्पर्क में आने पर भी मस्कारा को घुलने नहीं देता.

विभिन्न रंग

मस्कारा अनेक रंगों में उपलब्ध होते हैं. इसमें काला, गहरा भूरा, नीला, हरा, स्लेटी आदि रंग प्रमुख होते हैं. आंखों में तथा पलकों पर उसके स्वाभाविक रंग से मिलता-जुलता मस्कारा लगाने पर दिखने में अधिक आकर्षक लगता है. इसी कारण काला एवं गहरा भूरा मस्कारा सबसे अधिक प्रचलन में है.

ग्लैमरस लुक

नीला और हल्का-सा हरापन लिए आंखों वाली युवतियां 'ग्लैमरस लुक' के लिए रंगीन मस्कारा का प्रयोग कर सकती हैं. कई लोगों का यह भी मानना है कि मस्कारा मन के भावों को आंखों के माध्यम से व्यक्त करने का एक सहज ही सौंदर्य प्रसाधन है क्योंकि मस्कारा लगाने के बाद आंखें हिरणी-सी चंचलता वाली दिखाई देने लगती हैं और आकर्षक होने के कारण सहज ही दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर लेती हैं.

मेकअप को पूर्णतया प्रदान करता है

मस्कारा का प्रयोग मेकअप को पूर्णता प्रदान करने के लिए सबसे अंत में किया जाता है. इसे आइने के सामने बैठकर स्वयं भी लगाया जा सकता है या फिर दूसरे से भी लगवाया जा सकता है.

आईने के सामने पड़ी मेज पर कुहनी टिका कर ब्रश से मस्कारा लगाना प्रारंभ करें. पलकों के भीतरी कोनों से बाहरी कोनों तक ब्रश फेरते हुए लाएं ताकि मस्कारा लगाने से पहले २-४ बार इसे लगाने का अभ्यास अवश्य करें.

मस्कारा के प्रयोग से पूर्व बरौनियों पर पाऊडर का हल्का-सा स्पर्श दें ताकि मस्कारा बरौनियों पर अधिक देर तक टिका रहे. मस्कारा लगाते समय ऊपर की बरौनियों पर दो कोट अवश्य ही करने चाहिएं. पहला 'कोट' ऊपर की ओर तथा उसके सूख जाने के बाद दूसरा 'कोट' बरौनियों के भीतरी तरफ से करें. इसके बाद एक कोट नीचे की बरौनियों पर करें. अंत में लैशेज ब्रश से आहिस्ता-आहिस्ता झाड़ कर बरौनियां अलग-अलग कर दें.

यूं तो मस्कारा प्राय: शाम के समय ही लगाया जाता है परंतु दिन में इसका प्रयोग करना हो तो इसका ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि मस्कारा की हल्की कोटिंग ही हो. शाम के समय गहरे रंग के मस्कारा का निश्‍चितता से प्रयोग किया जा सकता है. जिनकी आंखें गहरी होती हैं उन्हें मस्कारा अत्यधिक सुंदरता प्रदान करता है. मस्कारा से संबंधित निम्नांकित बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए-

- रात में सोने से पहले बरौनियों पर लगा मस्कारा अवश्य साफ करें.
- यह आंखों से जुड़ा सौंदर्य प्रसाधन है और आंखें शरीर के मुख्य भाग चेहरे का महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील अंग हैं. अत: मस्कारा लगाते समय पूर्ण सतर्कता बरतना आवश्यक होता है.
- अधिक दिन पुराने मस्कारा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए तथा मस्कारा खरीदते समय इसका भी ध्यान रखना चाहिए कि मस्कारा विश्‍वसनीय कम्पनी एवं अच्छी क्वालिटी का ही हो अन्यथा यह आंखों को नुक्सान भी पहुंचा सकता है.
- मस्कारा का अपना ब्रश न तो किसी दूसरे को इस्तेमाल करने दें और न ही स्वयं किसी का ब्रश इस्तेमाल करें.
- मस्कारा साफ करने के लिए थोड़ी-सी रुई लेकर उस पर थोड़ी-सी क्रीम लगा दें और आइने के साकने बैठ कर अन्य मेकअप के समान ही धीरे-धीरे बरौनियों पर से आहिस्ता-आहिस्ता मस्कारा उतारें ताकि पलकों के कोमल बालों को क्षति न पहुंचे. मस्कारा का प्रयोग रोज न करके कभी-कभार ही करना चाहिए. इसका भी ध्यान रखना आवश्यक है कि आंखों के लाल होने पर या आंखों के आ जाने पर मस्कारा का प्रयोग न करें.

ऐसे दिखें फ्रेश

दिनभर तरोताजा रहने के लिए पिपरमेंट बाथ ऑयल या लेमन बाथ ऑयल की दो-तीन बूंदें टब में डालें फिर स्नान करें। आप चाहें तो स्नान करने के कुछ समय पहले बाल्टी या टब में गुलाब की पत्तियां भी डाल सकती हैं। इसकी भीनी-भीनी खुश्बू आपको दिनभर तरोताजा रखेगी।

डीप क्लेंजिंग ट्रीटमेंट के लिए मिक्स करें समान मात्रा में मिल्क पाउडर, लेमन जूस व शहद। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर पानी में अंगुलियों को भिगोकर धीरे-धीरे गोल-गोल [क्लॉक वाइज] छुड़ाना शुरू करें। बाद में ताजे पानी से चेहरा धोकर थोड़ा सा गुलाबजल लगा लें।

सूर्य की नुकसानदेह अल्ट्रावॉयलेट किरणों से त्वचा की सुरक्षा के लिए किसी अच्छी कंपनी का सनस्क्रीन लोशन या क्रीम लगाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि एक बात याद रखें कि सनस्क्रीन लोशन या क्रीम का प्रयोग हर तीन-चार घंटे के अंतराल पर अवश्य करती रहें। तभी इसका सही फायदा मिल सकता है।

त्वचा की नमी बरकरार रखने के लिए किसी अच्छी कंपनी का एंटी टैन मॉइश्चराइजिंग लोशन लगाएं। इसके अलावा खीरे का ठंडा रस या ठंडे खीरे को काटकर चेहरे पर कुछ देर मलें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धो लें। ऐसा करने त्वचा तरोताजा नजर आएगी।

बेजान और रूखी हो गई त्वचा में नई जान डालने के लिए आप सारा का थ्री इन वन फेसवाश इस्तेमाल करें। यह स्क्रब, पैक और फेसवाश तीनों का काम एक साथ करेगा अर्थात आपको तीनों का लाभ देगा।

मृत त्वचा को हटाने के लिए ताजा पपीता और ठंडे दही को मिक्स करके रोजाना चेहरा साफ करें। त्वचा में जान आएगी।

झटपट फेस लिफ्ट कराने के लिए चावल को भिगोकर इसका पेस्ट बनाएं। फिर इसे शहद में मिक्स करके चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के लिए छोड़ दें। बाद में साफ पानी से चेहरा धो लें। आप एकदम से फेश लिफ्टिंग महसूस करेंगी।

कुछ ही सेकंड में चेहरे पर ताजगी लाने के लिए गुलाब जल स्प्रे का इस्तेमाल करें। गुणों से भरपूर यह स्प्रे आपको ताजगी का एहसास तो देगा ही। साथ ही चेहरे को नमी भी प्रदान करेगा।

रूखे हाथों को कोमल और सुंदर बनाने के लिए चीनी और शहद को मिक्स करके हाथों की स्क्रबिंग करें। बाद में साफ पानी से हाथों को साफ करें।

बोले चूड़ियां बोले कंगना

'सुहाग की प्रतीक चूड़ियां चाहे लाख की हों या हाथीदांत की, कांच की हों या प्लास्टिक की, मेटल की हों या फिर सोने की. चूड़ियां नारी श्रृंगार में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं.'

समय के साथ-साथ फैशन का भी पहिया घूमता है जैसे हर वक्त एक सा नहीं होता, ठीक उसी तरह फैशन भी स्थाई नहीं होता. मर्द भले ही चूड़ियों को कमजोरी और दासता का प्रतीक मानें और विरोधस्वरूप चूड़ियां भेंट करे, लेकिन इन सब चोंचलों से भी चूड़ियो की महत्ता में कभी कोई कमी नहीं आई है.

चूड़ियां आज नारी श्रृंगार में महत्वपूर्ण स्थान रखती है. हालांकि अब हर त्यौहार पर नई चूड़ियां पहनने का रिवाज कम हो गया है फिर भी कुछ खास मौकों पर इसकी खरीददारी में बढ़ोतरी होती है. अब चूड़ियां परंपरा से ज्यादा फैशन का हिस्सा बन गई है. सुहाग की प्रतीक चूड़ियां चाहें लाख की हों या प्लास्टिक की , मेटल की हों या फिर सोने की उतनी ही सुंदरता से कलाइयों को सजाती है. जब आप लाल, नीली, पीली, सुनहरी चूड़ियों में सजती-संवरती हैं तो बस कयामत आने की देर रहती है. चूड़ियों से ज्यादा आजकल कड़े फैशन में हैं. फिर कंगना और साजना का रिश्ता भी तो पुराना है. आखिर चूड़ी-कंगन की खन-खन से ही तो उसका दिल धड़कता है.

आजकल के लेटेस्ट ट्रेंड में बीड्स और मेटल की चूड़ियां सबसे ज्यादा चलन में हैं. त्यौहारों के मौकों पर मैचिंग चूड़ियों को भी कोई तोड़ नहीं होता. यदि आप बनारसी या जरी वर्क की साड़ी पहन रही हैं तो कांच की चूड़ियों के साथ सोने के कड़े का कांबिनेशन बहुत अच्छा लगेगा. जयपुरी, राजस्थानी ड्रेसेस पर लाख के कड़े, ब्लैक मेटल की चूड़ियां या हाथी दांत के सेट बहुत अच्छे लगते हैं और अगर मौका हो किसी सहेली की शादी का तो लेडिज संगीत तो होगा ही फिर ऐसे में आप कुछ ड्रेस कोई भी पहनें, लेकिन मल्टीकलर्स में ढेर सी चूड़ियां आपके हाथों में होनी ही चाहिए क्योंकि जब आप नाचें झूम कर 'मेरे हाथों में नौ-नौ चूड़ियां' या 'बोले चूड़ियां बोले कंगना' तो लगना भी तो चाहिए कि इस कंगना की खन-खनाहट सुनने के लिए कोई दिल थाम कर खड़ा है. यह तो आपको भी पता है कि चूड़ियों का रिवाज सदियों पुराना है. पहले यह सिर्फ रिवाज तक ही सीमित थी, लेकिन अब यह फैशन की दुनिया में अपना दखल रखने लगी है तभी तो जींस, स्कर्ट और मिनी जैसे आधुनिक परिधानों पर भी लड़कियां बिंदास चूड़ियां खनकाती नजर आती हैं.

फरीदाबाद हो या हैदराबाद, सीता हो या सलमा चूड़ियां सभी की पहली पसंद होती है. चूड़ियों की बात ही निराली है, तभी तो हर वर्ग, हर उम्र की पसंद रहती है. चूड़ियों की खासियत है कि यह हर रेंज में उपलब्ध है. आप चाहें तो तीस रुपए से लेकर तीन सौ रुपए तक की चूड़ियां अपने बजट के हिसाब से खरीद सकती हैं. हैदराबाद के बेगम बाजार में तो जैसे चूड़ियों की बहार होती है. आप वहां चली जाएं तो वहां से आने का मन नहीं करेगा. वहां इतने रंगों और डिजाइन की चूड़ियां होती है कि तय करना मुश्किल होता है.